THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 135 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.3 2083 शनिवार, 15 अगस्त-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए सावरकर मानहानि मामले को खारिज कर दिया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को जारी समन को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने कहा कि इस मामले में जरूरी मंजूरी नहीं ली गई थी।

पीठ ने कहा, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल, शिकायतकर्ता के वकील और यूपी सरकार द्वारा दायर हलफनामे में धाराओं की जानकारी नहीं है। ऐसे में मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश खारिज किया जाता है।

छात्र गलत हों, तब भी उन्हें विरोध का अधिकार : सीजेआई

हैदराबाद की नालसर यूनिवर्सिटी के छात्रों का पंजीयन रोकने पर बार काउंसिल को फटकार

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हैदराबाद की लॉ यूनिवर्सिटी, नलसार से जुड़े विवाद पर काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को फटकार लगाई।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भले ही छात्रों का फैसला गलत हो या उन्हें किसी ने गलत सलाह दी हो, फिर भी उन्हें अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत ने बीसीआई के उस सर्कुलर पर भी नाराजगी जताई जिसमें नलसार के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स का वकील के तौर पर एनरोलमेंट रोकने को कहा गया था। सीजेआई ने कहा- यह मेरे और छात्रों के बीच का मामला है। इसे मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं थी। बार काउंसिल इसमें दखल देने वाला कौन होता है? सुप्रीम कोर्ट

ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस भी जारी किया और यूनिवर्सिटी के किसी छात्र या फैकल्टी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया। नलसार के करीब 450 छात्र जस्टिस सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह 2026का चीफ गेस्ट बनाए जाने का विरोध कर रहे हैं। नलसार यानी नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च, हैदराबाद की लॉ यूनिवर्सिटी है। यहां करीब 1,400 छात्र पढ़ते हैं। इनमें से करीब 450 छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को पत्र लिखकर सीजेआई को चीफ गेस्ट बनाने का न्योता वापस लेने की मांग की थी। समारोह की तारीख अभी तय नहीं है।

छात्रों की नाराजगी सीजेआई की पिछले महीने की एक टिप्पणी को लेकर थी। यह टिप्पणी दिल्ली में नीट प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान की गई थी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने 13 अगस्त को सभी स्टेट बार काउंसिलों को निर्देश दिया कि नलसार के 2026 बैच के किसी भी ग्रेजुएट को अगले आदेश तक वकील के तौर पर एनरोल न किया जाए। साथ ही यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर से तीन दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी गई थी।

13 आतंकवादी गिरफ्तार

इंफाल, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सुरक्षाबलों ने मणिपुर में एक संयुक्त कार्रवाई के दौरान 13 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया, जिसमें से दो आतंकवादी ऐसे संगठन से संबंध रखते हैं, जो मौजूदा समय में प्रतिबंधित है। इन आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला बारूद और आपराधिक गतिविधियों में शामिल सामग्रियां बरामद की गई हैं। यह कार्रवाई पिछले 24 घंटे के दौरान की गई। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, मणिपुर के अलग-अलग इलाकों से 13 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई को मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सुरक्षाबल और असम राइफल्स ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया है।

गिरफ्तार पूर्व टीएमसी विधायक पर हमला

नॉर्थ परगना, 14 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में गिरफ्तार पूर्व टीएमसी विधायक निर्मल घोष पर शुक्रवार को भीड़ ने हमला किया। पुलिस उन्हें नॉर्थ 24 परगना जिले के खरदह थाने से बैरकपुर कोर्ट ले जा रही थी।

इसी दौरान भीड़ ने उन्हें घेरकर लात-घूंसों से पीटा। लोगों ने जूते-चप्पल, अंडे और कीचड़ भी फेंका। दूसरे आरोपी संजीब मुखर्जी को भी भीड़ के गुस्से का सामना करना पड़ा। पुलिस और आरएएफ के जवानों ने उनके सिर पर हेलमेट लगा दिया। इसके बावजूद निर्मल घोष के कपड़ों पर कीचड़ और अंडे के निशान दिखे। बैरकपुर कोर्ट पहुंचने पर भी लोगों ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए। पुलिस ने दोनों आरोपी को कोर्ट लॉकअप में पहुंचाया। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 9 अगस्त 2024 को ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। पूर्व टीएमसी विधायक निर्मल घोष सहित 3 आरोपियों पर जल्दबाजी में डॉक्टर का अंतिम संस्कार करवाने का आरोप है। पुलिस ने 13 अगस्त को निर्मल घोष और संजीब मुखर्जी को ओडिशा के बालासोर से गिरफ्तार किया है।

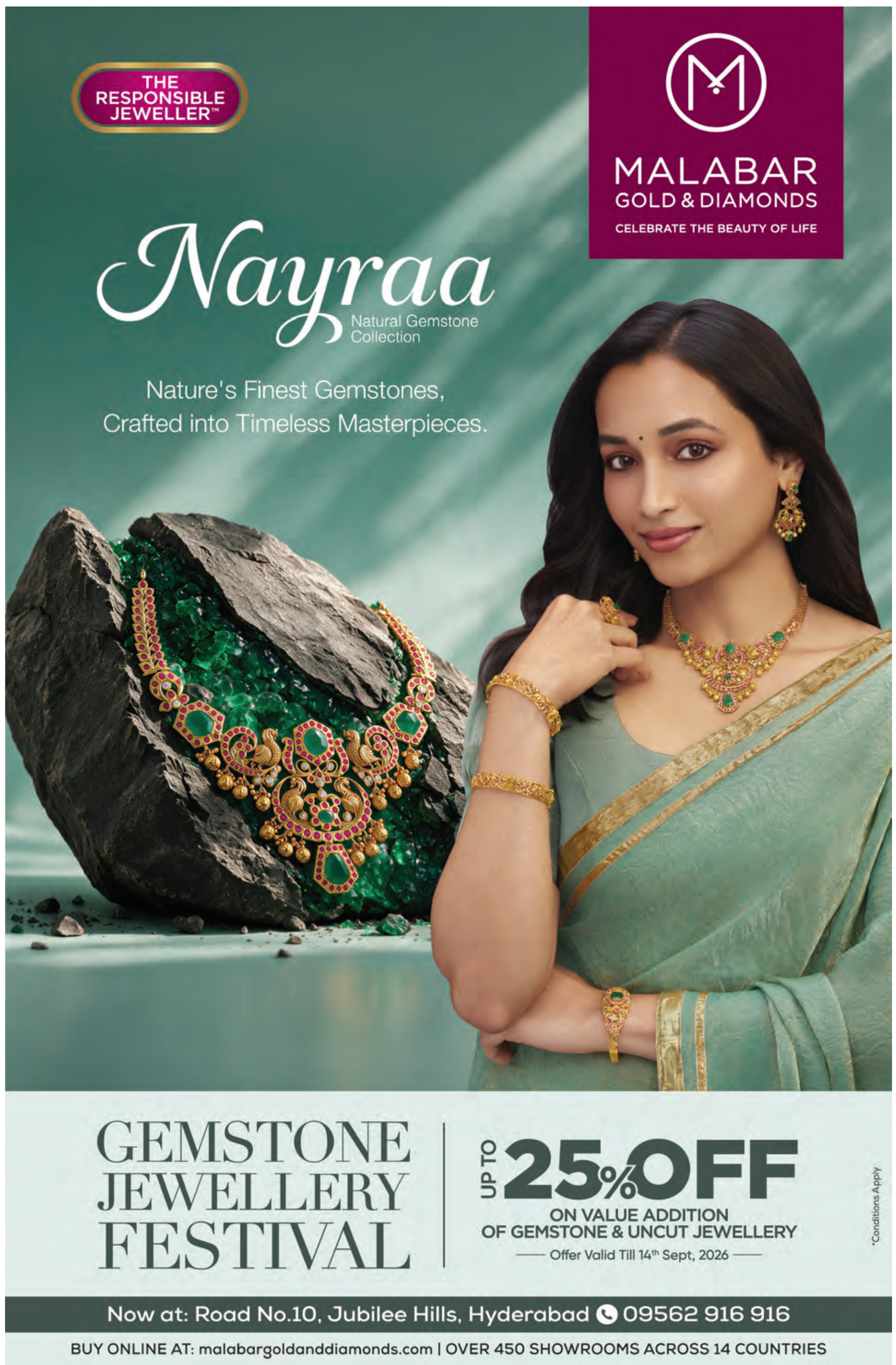

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
"सुन्दर है जग में सबसे,
नाम भी न्यारा है
जहां जाती-भाषा से बढ़कर,
देश प्रेम की धारा है
निश्चल, पावन, प्रेम पुराना,
वो भारत देश हमारा है"
मोहनलाल हाम्बड़
अध्यक्ष सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
C.Mohanlal Choudhary Jewellers
Keesara * Kushaiguda
नारायणलाल काग
सचिव सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
Jai Ambe Jewellers Ram Nagar
Pavan Enterprises Kukatpally
DS Egnite Fitness Vanasthalipuram
P.Solankey

समाज बन्धुओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
अध्यक्ष सीरवी शिक्षा समिति तेलंगाना पारसीगुटा
एवं कार्यकारिणी सदस्या सीरवी महिला मंडल
तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
(सुरेश पंवार, महेन्द्र पंवार)
लाबुराम पंवार
एल. राजेन्द्र ज्वैलर्स, सनतनगर, हैदराबाद
एल. राजेन्द्र ज्वैलर्स, निजामपेट रोड, हैदराबाद
जीमनीबाई पंवार
P.Solankey

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
: सलाहकार :
जसवन्त देवड़ा
सलाहकार सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
: अध्यक्षा :
सुशीला देवड़ा
अध्यक्षा सीरवी महिला मंडल तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
J.N. Paints & Hardware TowliChoki
Mahalaxmi Marketing Manikonda
P.Solankey

समाज बन्धुओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
एवं मंगलमय शुभकामनाएँ
जे.सी चोलाराम हाम्बड़
सलाहकार सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
(प्रकाश हाम्बड़)
जे.सी. ज्वेलर्स, पॉट मार्केट, सिकंदराबाद

समाज बन्धुओं को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
अध्यक्ष श्री बाबा रामदेव नवयुवक मित्र मंडल अलवाल
एवं उपाध्यक्षा सीरवी महिला मंडल
तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
महेन्द्रसिंह आगलेचा
श्री रामदेव ज्वैलर्स, वेंकटापुरम, अलवाल
इन्द्रादेवी आगलेचा

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दुस्तां हमारा हमारा...सारे जहाँ से अच्छा...
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
प्रभुराम परिहारियां
संरक्षक सीरवी समाज कोरेमुला
महालक्ष्मी ज्वैलर्स, घटकेसर
P.Solankey

स्वतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
मांगीलाल काग
संरक्षक सीरवी समाज जीडीमेटला
भवानी सिल्वर पैलेस | राजु कॉलनी | बालानगर
(कालूराम काग गौभक्त)
P.Solankey

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
प्रकाश आगलेचा
अध्यक्ष
सीरवी समाज ट्रस्ट
करमनघाट अलमासगुडा
श्री भवानी मार्केटिंग बालापुर
P.Solankey

समाज बन्धुओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
पुखराज सोयल
सचिव सीरवी समाज ट्रस्ट
करमनघाट अलमासगुडा
हनुमान इलेक्ट्रीकल सरूरनगर

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
सोहनलाल परिहार
उपाध्यक्ष-1 सीरवी समाज जीडिमेटला
श्री पद्मा ट्रेडर्स चिंतल हैदराबाद

स्वतंत्रता
दिवस की बधाई
पुनाराम हाम्बड़
पूर्व सचिव सीरवी समाज पारसीगुटा
न्यु रामदेव इलेक्ट्रीकल्स
चकरीपुरम, नागारम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएँ
मनोज बर्फा
(मोहनलाल)
: अध्यक्ष :
सीरवी समाज ट्रस्ट शेरीलिंगमपल्ली
हैदराबाद, तेलंगाना
प्रकाश ग्लास, प्लाईवुड अशोकनगर
P.Solankey

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएँ
मांगीलाल सोनपरा
: सचिव :
सीरवी समाज ट्रस्ट शेरीलिंगमपल्ली
हैदराबाद, तेलंगाना
ओम प्लाईवुड बीरमगुडा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
गोविन्दराम पंवार
मीडिया प्रभारी
सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट
अलमासगुडा
रेनॉबो हाउस बी.एन.रेड्डी नगर
P.Solankey

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ
मंगलाराम परिहारियां
सहकोषाध्यक्ष सीरवी समाज
ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा
मंगल ज्वैलर्स एंड मनी लेंडर नादरगुल

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
विनोद गेहलोत
: कोषाध्यक्ष :
सीरवी समाज ट्रस्ट शेरीलिंगमपल्ली
हैदराबाद, तेलंगाना
इन्द्रा गेहलोत
: अध्यक्षा :
सीरवी समाज ट्रस्ट महिला मंडल
शेरीलिंगमपल्ली हैदराबाद, तेलंगाना
* Jai Bhavani Plywood, Hardware & Glass *
* PK Constructions And Developers *
Ashoknagar, Hyderabad

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
धनराज वरपा
खेल मंत्री सीरवी समाज ट्रस्ट
करमनघाट अलमासगुडा
कमल इंटरप्राईजेज गायत्रीनगर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
रामसिंह चौहान
अध्यक्ष ऑल इंडिया राजस्थानी राजपूत प्रवासी फेडरेशन
अध्यक्ष भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ जालोर

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
प्रकाश सेपटा
सचिव सीरवी समाज
एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोसिएशन
श्री गणेश एजेन्सीज
एल.बी.नगर, रिंग रोड के पास, हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक बधाई
मोहनलाल चोयल
सहसचिव, सीरवी समाज एल.बी.नगर
वेलफेयर एसोसिएशन
हनुमान प्लाईवुड, चन्द्रा ज्वेलर्स एल.बी.नगर

स्वतंत्रता दिवस
की बधाई
जगदीशप्रसाद काग
सलाहकार सीरवी समाज
एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोसिएशन
श्री जगदीश ज्वैलर्स एल.बी.नगर

स्वतंत्रता दिवस की
शुभकामनाएँ
जगदीश काग
उपाध्यक्ष-1 सीरवी
समाज शमशाबाद
गणेश ज्वैलर्स, राजेन्द्रनगर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
सतपाल ढाढिया
जिला अध्यक्ष अ.भा.आर्दश जाट महासभा
यदाद्रि भुवनगिरी
श्री धनलक्ष्मी ज्वैलर्स आलेर 9866942307

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
धर्माराम कड़वा
कोषाध्यक्ष
वीर तेजा नवयुवक मंडल भोनगिरी
सलाहकार जाट समाज ट्रस्ट हैदराबाद
जय गणेश ज्वैलर्स मैन रोड भोनगिरी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
रमेश अडाणीया
सचिव कुमावत समाज
उप्पल कावनी सिंगारम
कृष्णा कुमावत
गौभक्त (समाज सेवी)
मातेश्वरी इलेक्ट्रीकल, हार्डवेयर एंड पेन्टस्
मन्सूराबाद, एल.बी.नगर, हैदराबाद 9000680122
P.Solankey

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
ओमप्रकाश चाँदौरा
पूर्व अध्यक्ष कृष्णा
कुमावत समाज बडंगपेट
देवी किराणा स्टोर नागरगुल
सरुरनगर मंडल हैदराबाद
P.Solankey

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
"सारे जहाँ से अच्छा,
हिन्दूस्तान हमारा ....."
दीपक जकिया
अध्यक्ष कुमावत मित्र मंडल बडंगपेट
हैदराबाद तेलंगाना
जगदम्बा ज्वैलर्स बडंगपेट हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई
पुसाराम काग
अमित, भरत काग गौभक्त (समाज सेवी)
* बालाजी ज्वैलर्स * * ए. एम. फैशन *
फतेहनगर, हैदराबाद
P.Solankey

सबरीमाला सोना चोरी मामला : जांच करने वाले अधिकारी को विशिष्ट सेवा राष्ट्रपति पदक, राज्य के एकमात्र अधिकारी

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सबरीमाला सोना चोरी मामले की जांच करने वाले पुलिस अधिकारी एसपी एस शशिधरन को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को उनके नाम का एलान किया। स्वतंत्रता दिवस के जश्न के अवसर पर केरल पुलिस, अग्निशमन, जेल और राहत बचाव दल के 11 अधिकारियों को विभिन्न राष्ट्रपति पदकों के लिए चुना गया है। शशिधरन इस साल केरल के एकमात्र अधिकारी हैं जिन्हें 'विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक' मिला है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

बीजेपी विधायक की बेटी ने महिला पुलिस अधिकारी को थप्पड़ मारा, केस दर्ज

मांड्या, 14 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में मांड्या जिले के श्रीरंगपट्टनम तालुका में एक मंदिर में स्पेशल सिक्योरिटी ड्यूटी पर तैनात महिला सब-इंस्पेक्टर को कर्नाटक के बीजेपी विधायक की बेटी ने थप्पड़ मार दिया। यह घटना 12 अगस्त को रात 8.15 बजे मंदिर परिसर में भीम अमावस्या के जश्न के दौरान हुई। पुलिस अधिकारी सविता पाटिल, मांड्या महिला पुलिस स्टेशन में तैनात सब-इंस्पेक्टर हैं। शिकायत के अनुसार, विधायक की बेटी ऐश्वर्या ने अधिकारी को अपशब्द कहे, उन्हें थप्पड़ मारा और उनके काम में बाधा डाली।

वर्ष-31 अंक : 135 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.3 2083 शनिवार, 15 अगस्त-2026** **प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

सुप्रीम कोर्ट ने सीएम नायडू के केस में दखल से इनकार किया

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और मंत्री पी नारायण के खिलाफ केस रद्द किया गया था। यह मामला राजधानी अमरावती की लैंड पूलिंग योजना में कथित गड़बड़ी से जुड़ा है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट रंजीत कुमार ने कहा कि मामले में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि इसमें 25 हजार से ज्यादा किसानों की करीब 30 हजार एकड़ जमीन शामिल है। इस पर बेंच ने कहा- किसानों से जुड़े बड़े मुद्दे पर हम आपके साथ हैं। किसान जिस चीज के हकदार हैं, हम उसकी रक्षा करेंगे। लेकिन, मौजूदा कार्रवाई एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की शिकायत पर शुरू हुई है और कोई किसान सामने नहीं आया है। कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक लड़ाई अदालत में नहीं लड़ी जानी चाहिए।

सिंधु जल संधि निलंबित करना सही कदम : राष्ट्रपति

✻ इसका फायदा हमारे किसानों को होगा; एग्जॉम सिस्टम में सुधार के लिए सरकार प्रयास कर रही

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा- आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना किसानों के लिए एक निर्णायक कदम है। हम 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। नागरिक राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें।

उन्होंने आगे कहा कि आज का दिन हम विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों को शरणार्थी बनना पड़ा। फिर भी उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। राष्ट्रपति ने कहा- आज का दिन हम विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों को शरणार्थी बनना पड़ा। फिर भी उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। हमारा संविधान जनभागीदारी पर आधारित है। उस भावना को हमारे देशवासी आगे बढ़ा रहे हैं यह हमारी लोकतंत्र की उपलब्धि है। द्रौपदी मुर्मू ने कहा- 15 अगस्त 1947 के दिन भारतमाता पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त हुईं। सभी देशवासी, स्वतंत्र भारत की नियति के निर्माता बने। निष्ठावान विद्यार्थी और शिक्षक, विकास के लिए तत्पर वैज्ञानिक और इंजीनियर, स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी, मेहनती श्रमिक और अन्नदाता किसान, अपने प्रयासों से राष्ट्र-निर्माण कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में सक्रिय, असंख्य देशवासी, तथा संविधान में निहित, मूल कर्तव्यों का पालन करने वाले सभी नागरिक, राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। मैं उन सभी की हृदय से सराहना करती हूं।

> आज 14 अगस्त के दिन को हम विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों लोगों को शरणार्थी बनना पड़ा और बंटवारे की विभीषिका सहन करनी पड़ी। फिर भी, उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी।
>
> द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा-न्यायिक व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह यह सुनिश्चित करे कि संसाधनों की कमी के कारण किसी को भी न्याय से वंचित न रहना पड़े। आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में, खासकर किसानों के लिए, एक निर्णायक कदम है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा-अपनी समृद्ध विरासत और स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों को अपनाते हुए हम आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर हैं। 'वयं राष्ट्रे जागृयाम', यह वेद-वाक्य हमें प्रेरणा देता है कि हम राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें। पिछले एक दशक से कुछ अधिक समय में हमारे देश ने तेज गति से समावेशी विकास किया है। >14

बंटवारे के जख्मों को याद कर पीएम भावुक

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर 1947 के विभाजन से प्रभावित लोगों के साहस, संघर्ष और जिजीविषा को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि विभाजन ने लाखों परिवारों को उजाड़ दिया और लोगों को असहनीय पीड़ा दी, लेकिन प्रभावित लोगों ने विपरीत परिस्थितियों में भी नई जिंदगी शुरू की और देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पीएम ने भाईचारे, सद्भाव और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया।' पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आज हम 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मना रहे हैं। हम उन सभी लोगों के साहस को याद करते हैं, जो विभाजन से प्रभावित हुए थे। यह इतिहास का वह दौर था, जिसने कई जिंदगियां तहस-नहस कर दीं। परिवार उजड़ गए, अपनों को खो दिया और लोगों ने बहुत दुख सहा। साथ ही, इन मुश्किलों से उबरते हुए लोगों ने शून्य से अपनी जिंदगी फिर से शुरू की, कठिनाइयों को सफलता में बदला और देश की तरक्की में बड़ा योगदान दिया।'

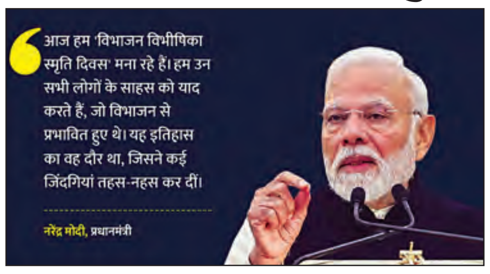

'भारत की सहनशीलता को कमजोरी न समझें'

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने कहा है कि भारत की उदारता और सहनशीलता को उसकी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का मुख्य उद्देश्य पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था। इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि देश जोखिम उठाने और कड़ा प्रहार करने की क्षमता रखता है, भले ही उसके परिणाम कुछ भी हों।

डिस्कवरी की आने वाली डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'डिक्लासिफाइड: ऑपरेशन सिंदूर' में बातचीत के दौरान डोभाल ने कहा कि 88 घंटे तक चले इस सैन्य अभियान का मकसद दुश्मन के उन आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था, जो खास तौर पर पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपने पहले इंटरव्यू में डोभाल ने कहा, 'हमने ऑपरेशन का मकसद दुश्मन के कैंपों को नष्ट करना तय किया था, खासकर उन कैंपों को जो पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार थे।' उन्होंने आगे कहा कि दुनिया के लिए संदेश बहुत साफ है भारत की उदारता या सहनशीलता को उसकी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। >14

जंतर-मंतर पर गोली नहीं चली : रिजिजू

हजारों की भीड़ में पैलेट्स गन से दो ही घायल क्यों हुए

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि जंतर-मंतर पर पुलिस ने प्रदर्शन को रोकने के लिए ज्यादा बल का प्रयोग नहीं किया। इंडिया टुडे को दिए एक इटरव्यू में रिजिजू ने कहा कि, जब हजारों की भीड़ संसद की तरफ बढ़ेगी तो सुरक्षाबल रोकने का प्रयास तो करेंगे।

रिजिजू ने आगे कहा कि, विपक्ष प्रदर्शन के दौरान गोली चलने का झूठा दावा कर रहा है। जब जंतर-मंतर पर गोली चली ही नहीं तो किसने चलाई का सवाल नहीं उठता।

विपक्ष ने आरोप लगाया था कि 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस ने पैलेट गन समेत अत्यधिक बल का इस्तेमाल किया। रिजिजू ने कहा कि अगर हजारों लोगों के प्रदर्शन में पैलेट गन चलाई गई होती तो बड़ी संख्या में लोग घायल होते। सिर्फ एक-दो लोगों को चोट नहीं लगती।

दरअसल राहुल गांधी ने दावा किया था पैलेट्स गन से दो छात्र घायल हुए थे। एक प्रदर्शनकारी के शरीर पर करीब 20 पैलेट के घाव मिले थे। मेडिकल रिकॉर्ड में उसकी पीठ और कोहनी पर चोटों का जिक्र था। एक अन्य प्रदर्शनकारी की आंख में गंभीर चोट की भी रिपोर्ट सामने आई थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: जब तक हमें गलती करने की स्वतंत्रता नहीं मिलती है, तब तक स्वतंत्र होने का कोई अर्थ नहीं।

एनएच-65 पर 180 दिनों के लिए यातायात मार्ग परिवर्तन

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर एक्स रोड और ऑलविन एक्स रोड के बीच छह लेन वाले द्विदिश फ्लाईओवर के निर्माण के साथ-साथ हाफिजपेट में अंडरपास के निर्माण कार्य के कारण पुराने मुंबई राजमार्ग (एनएच-65) पर अगले 180 दिनों तक यातायात जाम रहने की आशंका है। यह परियोजना साइबरबाद नगर निगम के परियोजना-II विंग द्वारा मियापुर यातायात पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर कार्यान्वित की जा रही है। निर्माण कार्य 14 अगस्त, 2026 को शुरू हुआ और वाहन चालकों को सलाह दी जाती है कि वे वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, विशेष रूप से व्यस्त समय के दौरान।

गोदावरी पुष्करलू का काम सितंबर के पहले सप्ताह में शुरू होगा : श्रीधर बाबू

गोदावरी पुष्करलू-2027 कैबिनेट उप-समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं उद्योग मंत्री और कैबिनेट उप-समिति के अध्यक्ष दुद्दिला श्रीधर बाबू ने कहा कि गोदावरी पुष्करलू-2027 का काम सितंबर के पहले सप्ताह में शुरू होगा। शुक्रवार को सचिवालय में गोदावरी पुष्करलू-2027 कैबिनेट उप-समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए, श्रीधर बाबू ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अगस्त के अंत तक निविदा प्रक्रिया पूरी कर लें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि काम निर्धारित समय पर शुरू हो सके।

श्रीधर बाबू ने बताया कि राज्य सरकार ने गोदावरी पुष्करलू के आयोजन के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उच्च स्तरीय तीर्थयात्रा वाले संभावित स्थानों के लिए विशेष अधिकारियों की नियुक्ति करें और प्रमुख स्थानों पर समर्पित कमान एवं नियंत्रण केंद्र स्थापित करें। निर्धारित समयसीमा का पालन करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित रूप से जमीनी निरीक्षण करना चाहिए और कार्यों की प्रगति पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। उन्होंने धर्मस्व विभाग को कार्यों की प्रगति की दैनिक निगरानी के लिए एक समर्पित डैशबोर्ड शुरू करने का भी निर्देश दिया, जिससे सरकार निर्धारित समयसीमा के अनुसार कार्यान्वयन पर नज़र रख सके। अंतर-विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि पुष्करलू के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभागों को मिलकर काम करना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारियों को समन्वय संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय कदम उठाने को कहा गया। मंत्री ने अधिकारियों को पुष्करलू के सभी प्रमुख स्थानों तक निर्बाध सड़क संपर्क सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संपर्क में किसी भी तरह की कमी को तुरंत पहचान कर स्थानीय निधि का उपयोग करके आवश्यक कार्य किए जाने चाहिए। उन्होंने तैयारियों में स्थानीय जन प्रतिनिधियों, कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों, वरिष्ठ जिला अधिकारियों और पुजारियों की भागीदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को सेवाएं प्रदान करने के इच्छुक स्वयंसेवी और निजी संगठनों की भी पहले से पहचान कर ली जानी चाहिए। मंत्रिमंडल उप-समिति ने विभागवार तैयारियों और व्यवस्थाओं की प्रगति की समीक्षा की और अपने सदस्यों के सुझावों पर विचार किया।

श्रीधर बाबू ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि व्यवस्थाओं को लागू करते समय समिति की सिफारिशों को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि तैयारियों में किसी भी प्रकार की चूक या लापरवाही होने पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मंत्री कोंडा सुरेखा, तुम्मला नागेश्वर राव, पोन्नम प्रभाकर, सीताक्का, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, विवेक वेंकटस्वामी और अदलुरी लक्ष्मण कुमार और सरकारी सलाहकार पी. सुदर्शन रेड्डी ने भाग लिया।

पूर्व वक्फ बोर्ड प्रमुख ने जगित्याल की संपत्तियों की जांच की मांग की

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वक्फ बोर्ड को जगित्याल में अपनी संपत्तियों के प्रबंधन को लेकर नए सवालों का सामना करना पड़ रहा है। वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन मोहम्मद मसीउल्लाह खान ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों और कुछ सदस्यों के मनमाने फैसलों से संस्था कमजोर हो रही है और वक्फ की कीमती जमीनें अतिक्रमण और दुरुपयोग के जोखिम में पड़ रही हैं।

अधिकारियों को दिए गए एक ज्ञापन में, मसीउल्लाह ने जगित्याल में वक्फ संपत्तियों के संबंध में बार-बार की गई शिकायतों और पत्राचार के बावजूद बोर्ड की निष्क्रियता पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि संपत्तियों की सुरक्षा करने के बजाय, कुछ फैसले इस तरह लिए जा रहे थे जिनसे निजी हितों को फायदा होता दिख रहा था।

उन्होंने बोर्ड द्वारा लिए गए फैसलों की तत्काल जांच और किसी भी अनियमितता के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने इस मामले को कई बार अधिकारियों के संज्ञान में लाने के बावजूद उनकी लगातार चुप्पी पर भी सवाल उठाए।

मसीउल्लाह ने कहा कि सरकार ने बार-बार आश्वासन दिया था कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा की जाएगी और अतिक्रमण को रोका जाएगा। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि जगित्याल में हुई घटनाओं ने उन आश्वासनों के कार्यान्वयन पर गंभीर संदेह पैदा कर दिया है। उन्होंने सरकार और वरिष्ठ वक्फ अधिकारियों से संपत्तियों से संबंधित रिकॉर्ड की जांच करने, बोर्ड द्वारा लिए गए फैसलों को सत्यापित करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वक्फ की किसी भी जमीन का हस्तांतरण, उस पर अतिक्रमण या कानून का उल्लंघन करते हुए कोई अन्य कार्रवाई न हो।

पूर्व चेयरमैन ने यह भी मांग की कि अगर कोई अधिकारी या बोर्ड सदस्य वक्फ संस्थानों के हितों के खिलाफ काम करता पाया जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी तय की जाए।

राज्यपाल ने विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने 15 अगस्त को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तेलंगाना की जनता और देश को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। शुक्रवार को यहां एक बयान में, राज्यपाल ने लोगों से देश की स्वतंत्रता के लिए साहस और समर्पण के साथ लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को कृतज्ञता के साथ याद करने का आह्वान किया। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि आज हमें जो स्वतंत्रता प्राप्त है, वह स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और वीरता का परिणाम है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से देश की स्वतंत्रता, संप्रभुता और एकता की रक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। राज्यपाल ने एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

उन्होंने विकास के लाभों को समाज के सभी वर्गों तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया और शांति, बंधुत्व और समावेशी विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को एकता, अखंडता और विकास के मूल्यों पर आधारित समृद्ध और प्रगतिशील भारत के निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों, छात्रों और समाज के सभी वर्गों के लोगों से राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि तिरंगा हमेशा गौरव के साथ लहराता रहेगा और इसके तीनों रंग लोगों के बीच साहस, शांति और आस्था के प्रतीक बने रहेंगे।

उन्होंने जनता से स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेने और विकसित भारत के निर्माण के कार्य के प्रति स्वयं को फिर से समर्पित करने का आह्वान किया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I,Service No 17004315A HAV Hari Ram Residing at EME Depot Bn, C/o. 56 APO, Trimulgherry, Secunderabad, State - Telangana, PIN-500015.I have changed my Mother name from SAROOPI to *SARUPI* and also DOB changed from 07/11/1963 to *01/01/1943* vide Affidavit dated 13 August 2026 before 1.Spl Judicial Magistrate Medchal- Malkajgiri -Dist.

I, M CHANDRAKALA is legally wedded Spouse of Service No 14654123N HAV Krishna Kumar Muthyala , residing at Vill & PO- Podil Konda Palle, Dist- Prakasam, State-Andhra Pradesh, PIN-523357. I have changed my name from M CHANDRAKALA to *MUTHYALA CHANDRA KALA* and also DOB changed from 04/11/1989 to *04/06/1989* vide Affidavit dated 13 August 2026 before 1.Spl Judicial Magistrate Medchal-Malkajgiri -Dist.

I, Service No 14438950H HAV JEERU GOVINDA KANAKA REDDY, residing at H.No 2-22, Pathapalem, Bheemunipatnam, Nagamayyapalem, ,Dist-Visakhapatnam, State -Andhra Pradesh, PIN-531162. I have changed my Daughter name from JEERU PALLVI SRI to *JEERU PALLAVI SRI* vide Affidavit dated 13 August 2026 before 1.Spl Judicial Magistrate Medchal-Malkajgiri-Dist.

I, VENKATALAKSHMI wedded spouse of Service No 6944986P Rank HAV Name RAVURI SRINIVASULU, R/o 1-10A1 Ward Vill: Seetanagulavaram, Mandal: Tarlupadu, Dist: Prakasam, State Andhra Pradesh Pin: 523332 I have changed my Name and DOB from VENKATALAKSHMI DOB: 03/05/1990 to RAVURI VENKATA LAKSHMI DOB: 01/01/1991.affidavit date 13/08/2026 Before 1.Spl. Judicial Magistrate Medchal-Malkajgiri Dist.at L.B. Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
भोलाराम पंवार
सचिव, सीरवी समाज शमशाबाद
राम किराणा स्टोर, कंदुकूर
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
धर्माराम ढाका
प्रदेश अध्यक्ष, तेलंगाना जाट समाज एकता मंच
संस्थापक ट्रस्टी, जाट समाज ट्रस्ट
अल्मासगुडा, हैदराबाद, तेलंगाना
Phone : 90003 10009
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
हरजीराम काग
प्रदेश अध्यक्ष
अखिल भारतीय सीरवी महासभा
तेलंगाना
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
कालुराम काग
अध्यक्ष, सीरवी समाज कोरेमुला
किसान मोर्चा पाली जिला मंत्री
धनलक्ष्मी एस ममता ज्वैलर्स, अन्नोजीगुडा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
तिलायचा सोनाराम कुमावत
प्रदेश अध्यक्ष, कुमावत समाज तेलंगाना
श्री गोविंद एन्टरप्राईजेस, मेन रोड, तुमकुंटा. फोन : 8074085952
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
रमेश G पंवार
उपाध्यक्ष, सीरवी समाज तेलंगाना
पारसीगुट्टा, हैदराबाद.
श्री अंबिका प्लायवुड अंड हार्डवेयर, तिरुमलगिरी
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
हंसाराम आगलेचा
पूर्व अध्यक्ष, सीरवी समाज ट्रस्ट
करमनघाट, अलमासगुडा
श्री बाबा रामदेव ट्रेडिंग कंपनी, करमनघाट
Mobile : 9441034958
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
हीरालाल चोयल
सचिव, सीरवी समाज बालाजीनगर
श्री देव एन्टरप्राईजेस, यापराल
SUPERFLO & WATERTEC
Atlaz
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
मांगीलाल सोलंकी
एरिया मेंबर बापुजीनगर सीरवी समाज जीडिमेट्ला
श्री गणेश हार्डवेयर एंड प्लायवुड, बापुजीनगर, बोईनपल्ली
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
मांगीलाल परिहारिया
उपाध्यक्ष : सीरवी समाज शेरीलिंगमपल्ली
श्री राम ट्रेडिंग कंपनी, शॉप नं. 13-132,
आई.डी.ए. बोलाराम, संगारेड्डी
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
डायाराम लचेटा
सचिव, सीरवी समाज कोरेमुला
सलाहकार, श्री आईजी गौशाला
श्री गणेश ज्वेलर्स, श्री गणेश एण्ड श्री लक्ष्मी पॉन ब्रोकर्स, उप्पल
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
केसाराम काग
शिक्षा कमेटी अध्यक्ष, सीरवी समाज शमशाबाद
श्री राम किराणा स्टोर, मेन रोड, कडताल
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
नरेश परिहार
सह-सचिव, सीरवी समाज शमशाबाद बड़ेर
भवानी ज्वैलर्स, तुकुगुडा
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
शेषाराम पंवार
एरिया मेंबर
जगतगिरीगुट्टा सीरवी समाज जीडिमेट्ला
धनलक्ष्मी ज्वैलर्स, जगतगिरीगुट्टा
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
आशाराम गेहलोत
अध्यक्ष, सीरवी समाज शमशाबाद
गणेश ज्वैलर्स, महेश्वरम
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
भैराराम काग
समाज सेवी
सुरेश ज्वैलर्स, दूलापल्ली
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
सोहनलाल हाम्बड़
प्रदेश सचिव,
अखिल भारतीय सीरवी महा सभा, तेलंगाना
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
दिनेश सीरवी
सह-सचिव, सीरवी समाज बालाजीनगर
महामंत्री, गोपुर सेना मारवाड़
दीपक लाईट हाऊस, सैनिकपुरी
Mobile : 9908090701
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
माणकचंद गेहलोत
प्रदेश उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय सीरवी
महासभा तेलंगाना
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
वक्ताराम पंवार
हरीश सीरवी
ओम एजेन्सी, अलवाल
Avion LIGHTING
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
ओमप्रकाश पंवार
कार्यकारिणी सदस्य,
सीरवी समाज पारसीगुट्टा बड़ेर
भवानी ज्वैलर्स, नाचाराम, हैदराबाद
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
तुलसाराम सिन्दड़ा
अध्यक्ष, सीरवी समाज मल्लापुर
न्यू बालाजी ज्वैलर्स, चिलकानगर
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
भगाराम मुलेवा
अध्यक्ष, श्री आईजी सेवा संघ, बंडलागुडा, चीराला झोन
जे.बी.आर. चौधरी पॉन ब्रोकर्स, राम ज्वेलर्स, कुशाईगुडा
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
प्रकाश सोलंकी
नव निर्वाचित खेल मंत्री 1,
सीरवी समाज, शमशाबाद बड़ेर
महालक्ष्मी ट्रेडर्स, तुक्कुगुडा, महेश्वरम
फोन : 9000209537
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
मांगीलाल सोलंकी
उपाध्यक्ष 2, सीरवी समाज शमशाबाद शिक्षा समिति
सचिव, सीरवी समाज तेलंगाना (बगड़ी पीपलाद)
लक्ष्मी ज्वैलर्स, लैमुर
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
मोहनलाल सैंणचा
अध्यक्ष : राजस्थानी युप आफ वेलफेयर एसोसिएशन तुर्कयामजाल (मुन्सीपालिटी)
मनोनीत सदस्य, सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा बड़ेर
सलाहकार, सीरवी समाज तेलंगाना (बगड़ी पीपलाद)
मोहन एलेक्ट्रीकल हार्डवेयर, तुर्कयामजाल
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
धर्माराम कुमावत
प्रदेश सचिव, कुमावत समाज तेलंगाना
रामदेव ज्वैलर्स, मच्छाबोलारम
रामदेव हार्डवेयर, मच्छाबोलारम, 9866957282
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
पारसनाथ चौहान
संरक्षक, श्रीनाथ समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना
AAI MAA REAL ESTATE
Tumukunta, Shameerpet, Hyd. Ph.: 9032093735, 9848593735
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
अमरनाथ चौहान
अध्यक्ष, श्रीनाथ समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना
अंबिका स्टोर्स
वेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
भंवरलाल मुलेवा
पूर्व अध्यक्ष, श्री आईजी गौशाला
श्री राजलक्ष्मी ज्वैलर्स, कीसरा, हैदराबाद
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
प्रेम पंवार
सचिव, सीरवी समाज, जीडिमेट्ला
गणेश ज्वैलर्स, चिन्तल, हैदराबाद
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
हुक्माराम सानपुरा
(कैलाश सानपुरा)
सचिव, श्री आईजी गोशाला
महालक्ष्मी ज्वैलर्स, नेरेडमेट
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
ओकाराम पंवार
सचिव, सीरवी समाज, मल्लापुर
जय माताजी ट्रेडर्स
बोल्लुगुडा मेन रोड. चेंगिचेरला
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
सोहनलाल बर्फा
अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच, शमशाबाद शाखा
नव निर्वाचित शिक्षा समिति सचिव,
सीरवी समाज शमशाबाद बड़ेर
श्री दुर्गा ज्वैलर्स, शमशाबाद
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
भंवरलाल काग
कोषाध्यक्ष, सीरवी समाज, जीडिमेट्ला
श्री माताजी ज्वैलर्स, जगतगिरीगुट्टा, हैदराबाद
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
बुधाराम काग
गौतम काग
समाज सेवी एवं गौ भक्त
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति राष्ट्रीय
रामलाल सैणचा (गांधीधाम) संरक्षक
बाबूलाल चोयल (सोजत) संरक्षक
इन्द्रलाल सोलंकी (बेंगलुरु) संरक्षक
भैराराम हाम्बड़ (मैसूर) अध्यक्ष
जगदीश सोलंकी (हैदराबाद) महा सचिव
समिति हेल्पलाईन नं. : 9945886294, हैदराबाद हेल्पलाईन नं. 9347945230
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
चेनाराम परिहार
एरिया मेंबर मौलाली, सीरवी समाज पारसीगुट्टा बड़ेर
श्री जगदम्बा ज्वैलर्स, मोलाली
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
ढगलाराम सेपटा
सह-सचिव, श्री आईजी गौशाला बालाजीनगर
एरिया सदस्य, सीरवी समाज पारसीगुट्टा बड़ेर
Distributor : Orient Fans, Surya LED
जय गणेश मार्केटिंग, अशोकनगर
AAI MAA ADS

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
कैलाश सोलंकी
गौ भक्त
विष्णु मार्केटिंग
किराणा अंड जनरल
बोल्लुगुडा. चेंगिचेरला

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्रीमती गौरी देवी काग
पंचायत समिति सदस्य, रायपुर
अध्यक्ष, विकास एवं उत्पादन समिति, रायपुर
जिला संयोजक, बेटी बचाओं - बेटी पढ़ाओं
सलाहकार, सीरवी समाज शमशाबाद बड़ेर
चेलाराम काग
उपाध्यक्ष
सीरवी समाज शमशाबाद
हेमा ज्वैलर्स, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
बाबूलाल चोयल
संरक्षक, सीरवी समाज जीडिमेट्ला
सुनील सीरवी
भारतीय जनता पार्टी, पाली लोकसभा युवा नेता
चौधरी ज्वैलर्स, शापुरनगर, हैदराबाद

एआई से बनाई फर्जी आईडी पुलिस बनकर लूटे 70000 एक आरोपी की पत्नी पुलिस में हवलदार; महिला सहित 3 गिरफ्तार

भोपाल, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भोपाल के पिपलानी इलाके के एक होटल में युवक-युवती को फर्जी पुलिसकर्मी बनकर धमकाने और करीब 70 हजार रुपए ऐंठने के मामले में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने अपनी पहचान छिपाने और होटल में कमरा बुक कराने के लिए चैटजीपीटी की मदद से फर्जी आईडी तैयार की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अब डिजिटल साक्ष्यों, बैंक ट्रांजैक्शन और सीसीटीवी फुटेज के जरिए पूरी साजिश की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। यह पूरी घटना 3 अगस्त की शाम पिपलानी के एक होटल में घटी।

बरखेड़ी खुर्द निवासी युवक अपनी एक महिला दोस्त के साथ होटल के कमरे में था, तभी सादे कपड़ों में चार लोग कमरे में दाखिल हुए और खुद को पुलिसकर्मी बताया। आरोपियों ने डर का माहौल बनाकर युवक से तुरंत करीब 60 से 70 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। घटना के 4-5 दिन बाद पीड़ित ने पिपलानी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

'इरादे पर गंभीर शक'

जाति जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शुक्रवार को जाति जनगणना को लेकर सरकार के इरादे पर सवाल उठाए। पार्टी का कहना है कि जवाब देने वालों से मिली जानकारी के आधार पर जातियों की लिस्ट का इस्तेमाल न करना इस पूरी प्रक्रिया पर गंभीर शक पैदा करता है।कांग्रेस के कम्युनिकेशन इंचार्ज और महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उम्मीद थी कि जाति से जुड़ा सवाल राज्य-वार पहले से तैयार लिस्ट के साथ पूछा जाएगा - जैसा कि बिहार और तेलंगाना में जाति सर्वे के दौरान हुआ था - और जवाब को बस सही जगह टिक करना होगा।रमेश ने 'एक्स' पर कहा, दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ, जिससे सरकार के इरादे पर गंभीर शक पैदा होता है।

सरकार के एक आदेश के मुताबिक, केंद्र ने शुक्रवार को 40 सवालों की जानकारी दी। इनमें जाति और कोविड वैक्सीन लगवाने की जगह जैसे सवाल शामिल हैं, जो जनगणना के दौरान लोगों की गिनती के चरण में पूछे जाएंगे। यह प्रक्रिया बर्फबारी वाले इलाकों में 1 सितंबर से शुरू होगी।रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया

मृत्युंजय कुमार नारायण के आदेश में उन सवालों की जानकारी दी गई है, जैसे कि क्या व्यक्ति अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से है और उसकी जाति क्या है।इस महीने की शुरुआत में जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फबारी वाले इलाकों (जहां जनगणना एक साथ नहीं होती) में लोगों की गिनती 1 से 30 सितंबर के बीच होगी। आदेश में कहा गया है, ऊपर बताई गई जनगणना के लिए, घर-घर जाकर लोगों की गिनती शुरू होने से ठीक पहले, 17 से 31 अगस्त तक खुद से जानकारी भरने (सेल्फ-एन्यूमरेशन) का विकल्प भी होगा। देश के बाकी हिस्सों में लोगों की गिनती (पीई) अगले साल शुरू होगी।यह पहली बार होगा जब जनगणना के दौरान जाति से जुड़ी जानकारी भी इकट्ठा की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि सवाल-जवाब वाली लिस्ट में जातियों की लिस्ट होने की संभावना कम है और जवाब देने वालों से मिली जानकारी के आधार पर ही जवाब दर्ज किए जाएंगे।

जाति की गिनती को शामिल करने का फैसला पिछले साल 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिकल अफेयर्स ने लिया था। भारत के रजिस्ट्रार जनरल की एक अधिसूचना में कहा गया है, जनगणना अधिनियम, 1948 (1948 का अधिनियम 37) की धारा 8 की उप-धारा (1) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, केंद्र सरकार निर्देश देती है कि जनगणना अधिकारी, अपने-अपने नियुक्त स्थानीय क्षेत्र की सीमाओं के भीतर, भारत की जनगणना 2027 के लिए 'हाउसहोल्ड शेड्यूल' (परिवार अनुसूची) के माध्यम से जानकारी इकट्ठा करने के लिए, नीचे बताई गई बातों के आधार पर, उस सीमा में रहने वाले सभी लोगों से सभी तरह के सवाल पूछ सकते हैं। जवाब देने वालों से व्यक्तिगत जानकारी मांगी जाएगी, जैसे कि वैवाहिक स्थिति, शादी के समय उम्र, जीवनसाथी का नाम, राष्ट्रीयता, धर्म, अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी), जाति, माता-पिता की जानकारी, विकलांगता, मातृभाषा और अन्य ज्ञात भाषाएं, साक्षरता और डिजिटल साक्षरता की स्थिति आदि।

आर्थिक गतिविधि की श्रेणी, पेशा, उद्योग, व्यापार या सेवा का प्रकार, कामगार की श्रेणी और क्या वे गैर-आर्थिक गतिविधि में शामिल हैं (सीमांत, अर्ध-सीमांत और गैर-कामगारों के लिए)। क्या वे काम के लिए उपलब्ध हैं (सीमांत, अर्ध-सीमांत और गैर-कामगारों के लिए) और क्या वे काम की जगह तक यात्रा करते हैं, यह भी प्रश्नावली का हिस्सा होगा।

श्रीकालाहस्ती मंदिर के 114 करोड़ रुपये के अपग्रेड प्लान को केंद्र की मंज़ूरी का इंतज़ार

तिरुपति, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मंदिर प्रशासन ने मशहूर श्रीकालाहस्तीश्वर मंदिर में तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने के मकसद से प्रसाद (तीर्थयात्रा का कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान) योजना के तहत केंद्र को 114.06 करोड़ रुपये का प्रस्ताव सौंपा है। केंद्र सरकार पहले ही अमरावती, श्रीशैलम और अन्नावरम के प्रमुख मंदिरों के लिए इस योजना के तहत फंड मंज़ूर कर चुकी है और श्रीकालाहस्ती को भी इस कार्यक्रम में शामिल करने पर विचार कर रही है।

श्रीकालाहस्ती के विधायक बोज्जाला सुधीर रेड्डी ने पहले केंद्रीय पर्यटन मंत्री को मंदिर और उसके आस-पास के इलाकों के विकास के लिए फंड की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा था। मंदिर प्रशासन ने पर्यटन विभाग के साथ मिलकर विकास की विस्तृत योजना तैयार की और मंदिर के बढ़ते आध्यात्मिक और पर्यटन महत्व का हवाला देते हुए इसे केंद्र को सौंपा। यह मंदिर देश-विदेश से तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है, खासकर राहु-केतु सर्प दोष निवारण पूजा के लिए।

वाईएसआरसीपी नेता जगन ने 'बदले की राजनीति और पुलिस केस के गलत इस्तेमाल को लेकर आंध्र सरकार पर निशाना साधा

कुरनूल, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश की गठबंधन सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में रेड बुक संविधान के तहत 'बदले की भावना और साजिश वाली राजनीति' पनप रही है। जगन ने पंचलिंगला जेल में आलूर के विधायक वीरुपक्षी से मुलाकात की। विधायक को नेनाकल गांव में हुई हिंसा के मामले में हिरासत में भेजा गया था। मुलाकात के दौरान, जगन ने वीरुपक्षी को पार्टी का पूरा समर्थन देने का भरोसा दिलाया और उनसे हिम्मत न हारने को कहा। बाद में मीडिया से बात करते हुए जगन ने आरोप लगाया कि कम समय में ही आलूर विधायक के खिलाफ तीन मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने सत्ताधारी गठबंधन पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार से सवाल पूछने वालों को पुलिस केस और गिरफ्तारी के जरिए डराया-धमकाया जा रहा है और पीड़ितों को ही आरोपी बनाया जा रहा है। वीरुपक्षी से जुड़े मामले का जिक्र करते हुए जगन ने कहा कि विधायक पार्टी कार्यकर्ता की सुरक्षा के लिए मौके पर गए थे, लेकिन बाद में उन्हें ही मामले में फंसा दिया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि 38 लोगों को जेल भेजा गया है। जगन ने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश में रेड बुक संविधान और गठबंधन का संविधान लागू किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू की सरकार पर अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी वीरुपक्षी और केस का सामना कर रहे पार्टी के अन्य नेताओं को पूरी कानूनी मदद देगी।

मंडी गोबिंदगढ़ में पुलिस हिरासत से फरार आरोपी चोर 24 घंटे में दबोचा

फतेहगढ़ साहिब, 14 अगस्त (एजेंसियां)। फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ में चोरी के आरोप में पकड़े गए एक व्यक्ति के पुलिस हिरासत से फरार होने के मामले में विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने फरार आरोपित को दोबारा 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में एएसआई जगरूप सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। मामला मंडी गोबिंदगढ़ के मोहल्ला शाम नगर का है। पुलिस के अनुसार विकास नगर निवासी पवन कुमार को मोहल्ला शाम नगर स्थित एक घर में चोरी करते हुए स्थानीय लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया था। इसके बाद लोगों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस आरोपित को थाने लेकर पहुंची, लेकिन इसी दौरान वह पुलिस को चकमा देकर हिरासत से फरार हो गया। आरोपित के फरार होने की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल उसकी तलाश शुरू कर दी। इसके साथ ही हिरासत से भागने के संबंध में आरोपित के खिलाफ अलग से मामला दर्ज किया गया।

'सत्र का समय बहुत कीमती लेकिन विपक्ष ने कई परेशानियां खड़ी कीं', विपक्ष पर भड़कीं सयोनी घोष

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। संसद का मॉनसून सत्र जोरदार हंगामे के बीच समाप्त हो गया। संसद के दोनों ही सदनों लोकसभा और राज्यसभा में इस मॉनसून सत्र में भी जोरदार बहस देखने को मिली। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई मद्दों पर नोकझोंक हुई। विपक्ष शुरू से ही दिल्ली के जंतर मंतर पर हुए छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर सरकार को घेरता रहा। खासकर छात्रों पर हुए पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विपक्षी नेता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे थे। कांग्रेस लगातार सदन में आकर गृह मंत्री से बयान देने की मांग कर रही थी। इसके अलावा राम मंदिर मुद्दे को लेकर भी विपक्ष लगातार मोदी सरकार को घेरता रहा। इन सब मुद्दों पर अब ममता बनर्जी की बागी सांसद और एनसीपीआई नेता सयोनी घोष का बयान आया है। सयोनी घोष ने कहा कि सत्र का समय मुद्दों को उठाने के लिए बहुत कीमती होता है लेकिन इस दौरान भी विपक्ष ने कई परेशानियां खड़ी कीं। उन्होंने कहा कि यह देश और सदन की गरिमा के लिए अच्छी बात नहीं है। अमित शाह के बयान मामले को लेकर घोष ने कहा कि गृह मंत्री अपना जवाब देने के लिए तैयार थे।

उन्होंने कहा कि गृह मंत्री कभी भी सवालों से पीछे नहीं हटते, लेकिन विपक्ष निश्चित रूप से उनके जवाबों से पीछे हटता है। बता दें कि बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद जब टीएमसी के 20 सांसद बागी हुए थे तो उनमें सबसे युवा सयोनी घोष सबसे ज्यादा ट्रोल हुई थीं। हाल ही में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इसके बाद दावा किया जा रहा है कि प्रमोशन लिस्ट में सयोनी घोष का भी नाम शामिल है।

प्रेम संबंधों के शक में गई जान

पटियाला, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पटियाला में अवैध प्रेम संबंधों के चलते युवक की लाठियों से पीट-पीट कर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान ऑफिसर कॉलोनी के रहने वाले अरुण के तौर पर हुई है। युवक के परिजनों का आरोप है कि अरुण के किसी विवाहित महिला के साथ प्रेम संबंध थे। महिला के पति ने ही अरुण की हत्या की है। फिलहाल पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है। मृतक की बहन अंजलि ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि अरुण का एक लड़की से प्रेम प्रसंग था।

लड़की की पहले शादी हो चुकी थी और उसके पति का नाम रवि शंकर है। अंजलि का आरोप है कि रवि शंकर ने अपने साथियों के साथ मिलकर अरुण को लाठियों से बुरी तरह पीटा। इसके बाद गंभीर रूप से घायल अरुण को टेंपो में डालकर अस्पताल ले जाया गया और आरोपी मौके से भाग गए। अंजलि के मुताबिक, दोनों परिवारों के बीच कई वर्षों से अच्छे संबंध थे। दोनों परिवार हर खुशी के मौके पर एक-दूसरे के घर आते-जाते थे। परिवार में उसका भाई ही इकलौता था। मृतक के परिवार ने पुलिस प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नेताजी पर विवादित टिप्पणी पड़ी भारी

'बंग विभूषण' अवॉर्ड छिनने के बाद बैकफुट पर आए बीजेपी सांसद अनंत महाराज; मांगी माफी

कोलकाता, 14 अगस्त (एजेंसियां)। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को लेकर लगातार की जा रही कथित अपमानजक टिप्पणियों के मामले में आखिरकार भाजपा के राज्यसभा सदस्य व कूचबिहार के राजवंशी नेता नागेंद्र नाथ राय उर्फ अनंत महाराज ने माफी मांग ली है।

राज्य सरकार द्वारा उनसे बंग विभूषण सम्मान वापस लिए जाने के बाद देर रात उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर अपने बयान पर खेद जताया। वीडियो संदेश में अनंत महाराज ने नेताजी के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि बोस के संबंध में मेरे अनिच्छित कुछ बयानों से किसी को मानसिक रूप से कोई आघात पहुंचा हो तो उसके लिए मैं हृदय से दुखी हूं। मालूम हो कि हाल के दिनों में नेताजी सुभाषचंद्र बोस को लेकर उनके बयानों पर राज्य में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नेताजी के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक बातें और प्रचार बंद करने को लेकर कड़ी चेतावनी दी थी। मुख्यमंत्री की चेतावनी के बाद नेताजी के संबंध में आपत्तिजनक सामग्री इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किए जाने के मामले में पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

एक आरोपित के इंटरनेट मीडिया खाते से पुलिस ने 100 से अधिक पोस्ट भी हटाए। राज्य सरकार ने अनंत महाराज से बंग विभूषण सम्मान वापस ले लिया था। इसके बाद रात में अनंत महाराज का माफी मांगते हुए वीडियो सामने आया। अनंत महाराज को पूर्ववर्ती ममता बनर्जी सरकार ने इस साल फरवरी में बंग विभूषण अवार्ड दिया था।

तिरुपति में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन विवाद। किसान ने आत्महत्या की कोशिश की

तिरुपति, 14 अगस्त (एजेंसियां)। तिरुपति जिले के थोट्टंबेडू सब रजिस्ट्रार ऑफिस में हादसा हुआ। किसान मुनिराजा ने प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन विवाद में आत्महत्या की कोशिश की। मुनिराजादी बुच्छिनायुदु कंद्रिग मंडलून वेणुगोपालपुरम। उसने अपने पिता की प्रॉपर्टी अपने छोटे भाई के नाम पर रजिस्टर करने पर आपत्ति जताई। इसी क्रम में, मुनिराजा अधिकारियों को रोकने के लिए रजिस्ट्रेशन ऑफिस आया था। इसी ऑफिस में वह गांजा पीने के बाद बेहोश होकर गिर पड़ा।

किसान को श्रीकालहस्ती प्राइवेट हॉस्पिटल में फर्स्ट एड दिया जा रहा है। बेहतर इलाज के लिए सिम्स में रेफर किया गया। किसान मुनिराजा की हालत गंभीर होने के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और इस घटना की जांच कर रही है।

15 हजार लेते रंगे हाथ पकड़ी गई एल/एचसी प्रियंका

मांगी थी 20 हजार की रिश्वत

नूंह, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो फरीदाबाद ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना सदर तावड़ू, जिला नूंह में तैनात महिला पुलिसकर्मी एल/एचसी प्रियंका को 15 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिसकर्मी ने शिकायतकर्ता से उसके खिलाफ दर्ज मामले की जांच से नाम हटाने के एवज में कुल 20 हजार की रिश्वत मांगी थी। मामले में शिकायतकर्ता ने एसवी और एसीबी को शिकायत दी थी कि थाना तावड़ू में दर्ज एफआईआर की जांच से उसका नाम हटाने के बदले में एल/एचसी प्रियंका द्वारा 20 हजार की रिश्वत मांगी जा रही है। आरोप है कि आरोपी पहले ही शिकायतकर्ता से 5 हजार बतौर रिश्वत ले चुकी थी तथा शेष 15 हजार की मांग की जा रही थी।

शिकायत की पुष्टि के बाद एसवी और एसीबी द्वारा विधिवत ट्रैप कार्रवाई की गई और आरोपी को शिकायतकर्ता से 15 हजार की रिश्वत स्वीकार करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में एफआईआर संख्या 30 दिनांक 13.08.2026, धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) के तहत थाना एसवी और एसीबी, गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है।

चलती ट्रेन से उतरा पिता लेकिन पहियों में फंस गया बेटा 7 साल के बच्चे की कटकर मौत

चेन्नई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले में रेलवे स्टेशन पर एक दर्दनाक घटना हो गई। यहां एक सात साल के मासूम का शरीर ट्रेन के पहियों में फंसकर टुकड़े-टुकड़े हो गया। खून से लथपथ मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं परिजनों ने इस घटना के संबंध में रेलवे रिजर्व पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर रेलवे रिजर्व पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, धर्मपुरी जिले के पैसु अल्ली इलाके के रहने वाले मुनियप्पन (34 वर्ष) अपने सात वर्षीय बेटे यासिर्यान के साथ अपने रिश्तेदारों को विदा करने धर्मपुरी रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। उनके रिश्तेदार बेंगलुरु-एर्नाकुलम एक्सप्रेस में चढ़ रहे थे। तभी वो भी ट्रेन में चढ़ गए। बाद में, जैसे ही ट्रेन चलने लगी, मुनियप्पन ने अपने बेटे को गोद में उठाकर ट्रेन से उतरने की कोशिश की।

'सरासर गलत था', नालसर के खिलाफ बार काउंसिल के आदेश पर भड़कीं पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने हैदराबाद के नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज (एनएएलएसएआर) लॉ कॉलेज के 2026 बैच के छात्रों को वकील के रूप में पंजीकरण करने से रोकने वाला अपना आदेश वापस ले लिया है। इससे कुछ घंटे पहले, बीसीआई ने सभी राज्य बार काउंसिल को निर्देश दिया था कि हैदराबाद के एनएएलएसएआर लॉ विश्वविद्यालय से 2026 में स्नातक होने वाले किसी भी छात्र को अगले आदेश तक वकील के रूप में पंजीकृत न किया जाए।

इस बीच पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, बार काउंसिल ऑफ इंडिया का शुरुआती फैसला,

जिसमें उसने एनएएलएसएआर के स्नातक छात्रों को अधिवक्ता के रूप में नामांकित करने से रोक दिया था, सरासर गलत था। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि नालसर ने अपने दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीजेपी के आने का विरोध किया था। विरोध के बाद यह फैसला वापस ले लिया गया, लेकिन इससे यह सवाल हल नहीं होता कि बीसीआई जैसी संस्थाओं का इस्तेमाल किस तरह राजनीतिक नियुक्तियों और भारत की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले शीर्ष नेताओं द्वारा एक हथियार के रूप में किया जा रहा है। बीसीआई अध्यक्ष मनन कुमार ने गुरुवार (13 अगस्त) की शाम एक बयान में कहा कि विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, बार काउंसिल इंडिया ने एनएएलएसएआर कार्यालय के संबंध में अपने पूर्व निर्देशों में संशोधन किया है।

एनएएलएसएआर के 2026 बैच के सभी उत्तीर्ण छात्र अब अपनी पसंद के राज्य बार काउंसिल में नामांकन करा सकेंगे। आदेश में

दो साल में दूसरी बार सुखबीर बादल पर हमला

उमर अब्दुल्ला ने जताई चिंता, बोले– लोकतंत्र में हिंसा की जगह नहीं

जम्मू, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने महाराष्ट्र के नांदेड स्थित एक गुरुद्वारे में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में इस तरह के हमलों के लिए कोई जगह नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने इंटरनेट मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वह अपने पिता और सहयोगियों के साथ मिलकर सुखबीर बादल पर हुए इस गंभीर हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि दिसंबर 2024 में अमृतसर में सुखबीर बादल पर हुए जानलेवा हमले के प्रयास के बाद भी उनकी

सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए पर्याप्त कदम क्यों नहीं उठाए गए। बताते चलें हुए कि गुरुवार को नांदेड के गुरुद्वारा माता साहिब देवन जी परिसर में एक निहंग ने कथित तौर पर सुखबीर सिंह बादल पर कृपाण से हमला किया। हमले में बादल के दाहिने हाथ में चोट लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहां उनके हाथ में दो से तीन टांके लगाए गए। सुखबीर बादल के मीडिया सलाहकार राज्यदीप के अनुसार, आरोपित उनके सीने पर वार करना चाहता था लेकिन सुखबीर की ओर से दायां हाथ आगे करने से उनकी बाजू पर गहरा घाव हो गया।

हमलावर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सुखबीर पर दो साल में हमले की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 4 दिसंबर 2024 को श्री हरिमंदिर साहिब परिसर के बाहर उन पर तब हमला हुआ था जब वे श्री अकाल तख्त साहिब के आदेश पर परिसर के मुख्य द्वार पर सेवादार की सजा भुगत रहे थे।

अब तक 7 लोगों की मौत,सीएम धामी ने किया टीएचडीसी टनल हादसा स्थल का निरीक्षण

चमोली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मायापुर (पीपलकोटी) स्थित टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में मलबा एवं पानी भरने की घटना के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान की प्रगति की जानकारी ली तथा अधिकारियों एवं बचाव दलों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने टनल के अंदर जाकर बचाव एवं राहत कार्यों का जायजा लिया और रेस्क्यू अभियान में जुटी टीमों से मौके पर आवश्यक जानकारी ली।

टीएचडीसी की विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के टीआरटी टनल की लंबाई लगभग 3 किलोमीटर है। टनल के लगभग 1.50 किलोमीटर हिस्से में भूधंसाव के कारण मलबा एवं पानी आने की स्थिति उत्पन्न हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रेस्क्यू अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी उपलब्ध संसाधनों एवं तकनीकी विशेषज्ञता का प्रभावी उपयोग किया जाए। उन्होंने बचाव कार्य में जुटी एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, पुलिस सहित सभी टीमों के साथ समन्वय बनाए रखने तथा टनल में फंसे शेष 3 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए।

'इस नेक काम से प्रभावित हूं'

सुखबीर बादल पर हुए हमले के बाद हरसिमरत ने पीएम का जताया आभार

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की पत्नी हरसिमरत कौर बादल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया। उन्होंने एसएडी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की सुरक्षा में हालिया चूक और उन पर हुए हमले के बाद मिले समर्थन और तुरंत जांच के आदेश के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मैं आपकी बहुत आभारी हूं कि आपने सरदार सुखबीर सिंह बादल की सेहत के बारे में जानने के लिए खुद फोन किया और महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक गुरुद्वारा साहिब के अंदर उन पर हुए कायराना हमले के बाद उनके जल्द ठीक होने की कामना की।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस मुश्किल समय में आपकी चिंता, समर्थन और शुभकामनाएं हम सभी परिवार वालों, हमारी पार्टी और पंजाब के लोगों के लिए बहुत मायने रखती हैं। आपके इस नेक काम से मैं बहुत प्रभावित हूं। मैं इस बात के लिए भी आपकी आभारी हूं कि आपने इस घटना का तुरंत संज्ञान लिया और जांच में महाराष्ट्र पुलिस के साथ तालमेल बिठाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों को निर्देश दिए।'

एक और एक्स पोस्ट में, हरसिमरत कौर बादल ने हालात का जायजा लेने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दिल से शुक्रिया अदा किया।

उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र में एक गुरु घर के अंदर सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले के बाद उनकी सेहत के बारे में पूछने के लिए मैं माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं। इस मुश्किल समय में आपकी व्यक्तिगत चिंता और दिलासा देने वाली बातों के लिए मैं आपकी आभारी हूं। इस दुखद घटना की असरदार जांच सुनिश्चित करने की आपकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद। यह घटना महान सिख धर्म के बुनियादी सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन है।'

सावन शुक्ल पक्ष शुरू, 28 अगस्त तक हरियाली तीज, नाग पंचमी, रक्षा बंधन

जैसे कई तीज-त्योहार और व्रत रहेंगे

सावन महीने का शुक्ल पक्ष शुरू हो गया है। यह महीना 28 अगस्त सावन पूर्णिमा तक रहेगा। इस पक्ष में हरियाली तीज, नाग पंचमी, रक्षा बंधन जैसे कई तीज-त्योहार और व्रत रहेंगे। जानिए सावन शुक्ल पक्ष के व्रत-पर्व और किस दिन कौन-कौन से शुभ काम करना चाहिए...

हरियाली तीज व्रतः 15 अगस्त, शनिवार को सावन शुक्ल तृतीया है। यह तिथि महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखती है। इस व्रत में महिलाएं शिव-पार्वती की पूजा करके पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं। माता पार्वती को मेहंदी, लाल चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर और सुहाग की अन्य चीजें अर्पित की जाती है। भगवान शिव को जल और बेलपत्र चढ़ाते हैं। इस दिन हरियाली तीज की कथा पढ़ने-सुनने की भी परंपरा है।

दुर्वा गणपति चतुर्थी व्रतः 16 अगस्त, रविवार को गणेश जी की कृपा पाने के लिए दूर्वा गणपति चतुर्ती व्रत किया जाएगा। भगवान गणेश को दूर्वा, हार-फूल, मौसमी फल और मोदक चढ़ाएं। पूरे दिन व्रत करें और भगवान से विघ्नों को दूर करने की प्रार्थना करें।

नाग पंचमी और सिंह संक्रांतिः 17 अगस्त, सोमवार को नाग पंचमी मनाई जाएगी। इसी दिन सिंह संक्रांति भी है। इस दिन सूर्य पूजा के साथ दिन की शुरुआत करें। इसके बाद नागदेवता और भगवान शिव का पूजन करें। शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और शिवलिंग पर विराजित नागदेवता पर हल्दी, कुमकुम और हार-फूल अर्पित करें। जीवित सांपों को दूध पिलाने से बचें, इस दिन नाग प्रतिमा की पूजा करनी चाहिए।

पुत्रदा एकादशीः तिथियों की घट-बढ़ की वजह से 23-24 अगस्त, रविवार-सोमवार को दो दिन भगवान विष्णु की कृपा पाने की कामना से पुत्रदा एकादशी व्रत किया जाएगा। यह व्रत करने से भक्तों को संतान से जुड़ी समस्याओं से मुक्ति मिलती है, ऐसी मान्यता है। इस तिथि पर फलाहार करते हुए विष्णु जी के मंत्रों का जप करना चाहिए। अपने-अपने क्षेत्र के प्रचलित पंचांगों और परंपराओं के अनुसार 23 या 24 अगस्त को यह व्रत कर सकते हैं।

भौम प्रदोष व्रतः 25 अगस्त, मंगलवार को शाम के समय यानी प्रदोषकाल में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करनी चाहिए। दीपक जलाकर ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। मंगलवार होने से इस दिन हनुमान जी का भी विशेष पूजन करना चाहिए।

रक्षाबंधन और सावन पूर्णिमाः 28 अगस्त, शुक्रवार को सावन की अंतिम तिथि यानी पूर्णिमा है, इस दिन रक्षाबंधन पर्व मनाया जाएगा। भाई-बहन इष्टदेव की पूजा करें। बहन भाई की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधकर मंगलकामना करे। भगवान को राखी अर्पित करके परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना करनी चाहिए।

भगवान शिव और माता सती के प्रसंग की सीख

जहां सम्मानपूर्वक आमंत्रित न किया गया हो, वहां जाने से पहले सोच-विचार जरूर करें, अपने आत्मसम्मान को महत्व दें

अभी सावन महीना चल रहा है। यह महीना भगवान शिव की भक्ति और उनकी कथाओं को सुनने-समझने का विशेष अवसर माना जाता है। शिव जी से जुड़ी कथाओं में केवल धार्मिक भाव ही नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर बनाने वाली कई महत्वपूर्ण सीख भी मिलती हैं।

जब माता सती का विवाह भगवान शिव से हुआ, तब उनके पिता प्रजापति दक्ष इस विवाह से प्रसन्न नहीं थे। वे शिव जी को पसंद नहीं करते थे। एक बार दक्ष ने एक यज्ञ का आयोजन किया। उन्होंने सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया, सिर्फ भगवान शिव और माता सती को निमंत्रण नहीं भेजा।

जब माता सती को अपने पिता के यज्ञ के बारे में पता चला, तो उन्होंने शिव जी से वहां जाने की इच्छा व्यक्त की। भगवान शिव ने उन्हें समझाया कि जब बुलावा नहीं आया है, तो वहां जाना उचित नहीं होगा, लेकिन माता सती अपने पिता के घर जाने की इच्छा पर अड़ी रहीं और अंततः यज्ञ स्थल पर पहुंच गईं।

वहां पहुंचकर माता सती को पता चला कि शिव जी को जानबूझकर आमंत्रित नहीं किया गया था। माता सती ने अपने पिता से इसका कारण पूछा। दक्ष ने भगवान शिव के प्रति अपमानजनक बातें कहीं। अपने पति का अपमान माता सती सहन नहीं कर सकीं और वहीं यज्ञ की अग्नि में देह त्याग दी। जब भगवान शिव को यह मालूम हुआ, तो वे अत्यंत क्रोधित और दुखी हुए। इसके बाद भगवान शिव ने वीरभद्र को भेजकर दक्ष प्रजापति को दंडित किया, उसका यज्ञ बर्बाद कर दिया।

प्रसंग की सीख

बिना बुलाए कहीं न जाएं हर जगह जाना जरूरी नहीं होता। जहां आपको सम्मानपूर्वक आमंत्रित न किया गया हो, वहां जाने से पहले परिस्थितियों पर विचार करें। आत्मसम्मान और मर्यादा को महत्व दें।

जीवनसाथी की सही सलाह सुनें

पति-पत्नी केवल भावनात्मक साथी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सलाहकार भी होते हैं। यदि साथी किसी निर्णय के संभावित नुकसान की ओर ध्यान दिला रहा है, तो उसकी बात शांत मन से सुनें और बात सही हो, तो उसे स्वीकार भी करें।

भावनाओं में आकर निर्णय न लें

गुस्सा, दुख या अपमान की भावना निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। कोई बड़ा कदम उठाने से पहले थोड़ा रुकें, सोचें और परिस्थिति को समझें।

रिश्तों में सम्मान सबसे जरूरी है

मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन अपमान को सामान्य नहीं मानना चाहिए। दूसरों का सम्मान करें और अपने सम्मान की रक्षा भी करें।

हर बात को व्यक्तिगत न बनाएं

किसी की नाराजगी या व्यवहार के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय यह समझने की कोशिश करें कि स्थिति क्या है। शांत प्रतिक्रिया कई बड़ी समस्याओं को बढ़ने से रोक सकती है। सुखी जीवन केवल प्रेम से नहीं, बल्कि सही समय पर सही सलाह सुनने, मर्यादा बनाए रखने और भावनाओं पर नियंत्रण रखने से बनता है।

ग्रंथ हमें प्रेरणा और जीवन में आगे बढ़ने का साहस देते हैं, इसलिए ग्रंथों को मित्र बनाना चाहिए

ग्रंथ हमें प्रेरणा और जीवन में आगे बढ़ने का साहस देते हैं। अच्छी पुस्तकें हमारे मन में सकारात्मकता पैदा करती हैं। इसलिए हमें ग्रंथों को अपना मित्र बनाना चाहिए। इनमें ऋषियों की सीख और प्रेरणा मिलती है। अच्छी पुस्तकों में त्याग, तपस्या, ऊंचे आदर्श, बलिदान और वीरता की कहानियां होती हैं। इनके माध्यम से हम अच्छे संस्कार सीखते हैं। पुस्तकें हमारे जीवन को सही दिशा दिखाकर सफल इंसान बनने में मदद करती हैं।

गंगाजल लाकर ही क्यों करते हैं शिवजी का अभिषेक

सावन का महीना चल रहा है और शिव भक्त भोलेनाथ की प्रसन्नता के लिए कांवड़ लेकर आ रहे हैं। हरिद्वार से लेकर सुल्तानगंज तक भक्त भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिए गंगाजल कांवड़ में लेकर लंबी पद यात्रा कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि सावन में कांवड़ के लिए केवल गंगाजल की ही क्यों लिया जाता है। इसके पीछे दरअसल कुछ धार्मिक और वैज्ञानिक कारण भी मौजूद है।

भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए शिवभक्त कई सौ किलोमीटर की पद यात्रा करके भी गंगाजल लेकर आते हैं। जबकि घर से गंगा तक पहुंचने के मार्ग में कई और भी नदियां होती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि सावन में भक्त केवल गंगाजल लाकर ही शिवजी का अभिषेक क्यों करते हैं। हरिद्वार हो या बिहार का सुल्तानगंज इस समय बड़ी संख्या में शिवभक्त बम भोले और हर हर महादेव का जयघोष करते हुए कांधे पर कांवड़ लिए शिवालय तक पहुंचते हैं। बिहार में सुल्तानगंज से जल लेकर श्रद्धालु देवघर में बाबा बैजनाथ का अभिषेक करते हैं। जबकि हरिद्वार से जल लेकर शिव भक्त नीलकंठ अथवा अपने अपने घर के आस-पास के शिवालय में अभिषेक करते हैं।

दरअसल इस कठिन कांवड़ यात्रा के पीछे भक्तों की शिवजी के प्रति अटूट श्रद्धा होती है। और शास्त्रों में बताया गया है कि, सावन से भाद्र तक सभी नदियां रजस्वला होती हैं। लेकिन स्कंद पुराण में बताया गया है कि, सिंधु, सूती, चंद्रभागा, सरयू, नर्मदा, यमुना, सरस्वती, और गंगा नदी रजोदोष से मुक्त होती है। इन नदियों का जल सभी अवस्था में शुद्ध रहता है। इसलिए इनका सावन में भी पूजन और जलाभिषेक के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

और जहां तक गंगा नदी की बात है तो यह भगवान विष्णु के चरणों से निकलकर शिव की जटाओं में वास करती हैं इसलिए धार्मिक दृष्टि से गंगाजल सभी नदियों के जल से पवित्र माना गया है। कथा यह भी है कि, देवी गंगा भी भगवान शिव से मन ही मन प्रेम करती थीं और भगवान शिव को पाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने भी तपस्या की थी। और इसी तपस्या के प्रभाव से उन्हें भगवान शिव की जटाओं मे स्थान मिला। गंगा भगवान शिव की भी प्रिय हैं इसलिए गंगाजल अर्पित करने से महादेव अत्यंत प्रसन्न होते हैं। इसलिए शिव भक्त सावन में कांवड़ में गंगाजल भरकर लाते हैं और शिवजी का अभिषेक करते हैं।

कांवड़ और गंगाजल की मान्यता

एक कथा के अनुसार परशुरामजी भगवान शिव के प्रति असीम भक्ति भाव रखते हैं। यह स्वयं भगवान के अवतार भी माने जाते हैं। इन्हों भक्ति भाव से प्रेरित होकर महादेव का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ में जल लाने का प्रण किया। इन्होंने गंगाजल कांवड़ में लाकर शिवजी का अभिषेक किया। और तब से ही शिवजी को कांवड़ में गंगाजल लाकर गंगाजल से अभिषेक करने की भी परंपरा शुरू हुई।

कांवड़ जल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण

वैज्ञानिक दृष्टि से गंगाजल बहुत ही शुद्ध होता है। इसमें बैक्टीरियोफेज पाया जाता है जो जीवाणुभोजी है इसकी वजह से गंगाजल शुद्ध रहता है। इसलिए सावन में शिवभक्त कांवड़ में गंगाजल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए।

हरियाली तीज पर पहली बार बेटी को सिंधारा देते समय न करें ये भूल

हरियाली तीज का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व बताया गया है। सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन यह पर्व मनाया जाता है। इस बार हरियाली तीज का त्योहार 15 अगस्त, शनिवार को पड़ रहा है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य के लिए व्रत करती हैं और कुवांरी कन्याएं भी अच्छे वर प्राप्ति के लिए इस व्रत को विधिपूर्वक रखती हैं। हरियाली तीज पर माताएं अपनी बेटी के ससुराल सिंधारा जरूर भिजवाती हैं, जिसमें कई प्रकार की सामग्री शामिल की जाती है। वहीं, अगर आप इस साल हरियाली तीज पर पहली बार अपनी बेटी को सिंधारा देने जा रही हैं, तो कुछ सामान को भूलकर भी सिंधारा में शामिल न करें।

हरियाली तीज पर सिंधारा का महत्व

हर साल हरियाली तीज का त्योहार सावन शुक्ल तृतीया तिथि को मनाया जाता है। यह भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक है। ऐसे में इस दिन महिलाएं शिवजी-मां पार्वती की विधि-विधान से पूजा करती हैं। इस अवसर पर विवाहित महिलाओं के मायके से उनके लिए सिंधारा भिजवाया जाता है, जो इस पर्व का विशेष हिस्सा है। इसमें कई प्रकार की सामग्री जैसे- मिठाई, श्रृंगार का सामान आदि शामिल किया जाता है। मनुस्मृति में विवाह के पश्चात बेटी को समय-समय पर वस्त्र, आभूषण आदि भिजवाना कर्तव्य माना जाता है। साथ ही, ये मायके के प्रेम और स्नेह का भी प्रतीक होता है। ऐसे में नवविवाहित महिलाओं को सिंधारा भिजवाते समय कुछ चीजों को शामिल जरूर करना चाहिए।

सिंधारा में जरूर शामिल करें ये चीजें

हरी चूड़ियां : हरियाली तीज पर हरे रंग का बहुत खास महत्व बताया गया है। ऐसे में इस दिन अपनी बेटी के ससुराल उसके लिए हरे रंग की चूड़ियां जरूर भिजवानी चाहिए।

हरे वस्त्र : हरियाली तीज पर हरी रंग की साड़ी, सूट अथवा दुपट्टा भी बेटी को जरूर भिजवाना चाहिए। इसे हरियाली का प्रतीक माना जाता है और हरियाली तीज हरियाली का ही त्योहार है।

श्रृंगार का सामान : सुहागिन महिलाए हरियाली तीज पर सोलह श्रृंगार अवश्य करती हैं। ऐसे में नवविवाहित कन्याओं को सिंघाड़ा में श्रृंगार का सामान- पायल, बिंदी, बिछिया, सिंदूर, आलता आदि भी भिजवाना चाहिए। क्योंकि हिंदू धर्म में सोलह श्रृंगार का बहुत खास महत्व बताया गया है।

मेहंदी : हरियाली तीज के अवसर पर मेहंदी लगाने का भी बहुत खास महत्व बताया गया है। ऐसे में सिंधारा में मेहंदी को शामिल करना बिल्कुल न भूलें क्योंकि, इसे सुहाग का भी प्रतीक माना गया है।

फल और मिष्ठान : सिंधारा में अनेक प्रकार के फल व मिठाइयां भी शामिल की जाती हैं। कहते हैं मीठे मिष्ठान रिश्तों में प्रेम का प्रतीक होता है और सिंधारा मायके से भेजा गया प्रेम और मां के आशीर्वाद का प्रतीक होता है।

सास के लिए श्रृंगार सामग्री व **वस्त्र :** यदि आप पहली बार अपनी नवविवाहित पुत्री के लिए सिंधारा भेजने वाली हैं, तो उसमें सास के लिए साड़ी और श्रृंगार का सामान भी अवश्य शामिल करना चाहिए।

सिंधारा में भूलकर भी शामिल न करें ये चीजें

मान्यता है कि गलती से भी सिंधारा में कुछ चीजों को शामिल नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

हरियाली तीज पर राशि अनुसार करें ये उपाय

अगर आप अपनी राशि के अनुसार कुछ आसान उपाय आजमाएंगे तो आपके जीवन में समृद्धि बनी रहेगी और माता पार्वती के साथ भगवान शिव का भी आशीर्वाद मिलेगा।

मेष और वृश्चिक राशि

यदि आपकी राशि मेष और वृश्चिक है तो हरियाली तीज के दिन लाल रंग के वस्त्र पहनें। यही नहीं इस दिन माता पार्वती को लाल चुनरी और लाल सिंदूर भी अर्पित करें। आप माता पार्वती को गुड़ या मेवे का भोग लगाएं। इस उपाय से आपका वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

वृषभ और तुला राशि

अगर आप हरियाली तीज के दिन सफेद या हल्के गुलाबी रंग के वस्त्र धारण करके माता पार्वती की पूजा करेंगी तो आपके ऊपर सदैव माता की कृपा बनी रहेगी। इस दिन माता पार्वती को सफेद बर्फी का भोग लगाएं और श्रृंगार सामग्री में इत्र व मखाने अर्पित करें।

मिथुन व कन्या राशि

मिथुन और कन्या राशि के लोग हरियाली तीज के दिन हरे रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनें। इस दिन आप माता पार्वती को दूर्वा और हरी इलायची चढ़ाएं। इससे आपके जीवन में समृद्धि बनी रहती है।

कर्क राशि

हरियाली तीज के दिन चांदी की कटोरी में खीर बनाकर शिव-पार्वती को समर्पित करें और सफेद चंदन से तिलक करें। इस उपाय से आपके जीवन में खुशहाली बनी रहेगी।

सिंह राशि

अगर आपकी राशि सिंह है तो आप हरियाली तीज के दिन नारंगी या लाल रंग के वस्त्र करें। इस दिन तांबे के पात्र से शिवलिंग पर जल व केसर अर्पित करें।

धनु और मीन राशि

हरियाली तीज के दिन धनु राशि के लोग पीले रंग के वस्त्र पहनें और माता पार्वती को हल्दी की गांठें, पीले फूल और बेसन के लड्डू चढ़ाएं। इससे आपके जीवन में सौभाग्य बना रहेगा।

मकर और कुंभ राशि

हरियाली तीज के दिन आप नीले या गहरे रंग के वस्त्र धारण करें और शिव-पार्वती को नीले पुष्प अर्पित करें। साथ ही, शिवलिंग पर शमी पत्र चढ़ाएं। इससे जीवन में खुशहाली बनी रहती है। अगर आप भी अपनी राशि अनुसार यहां बताए गए उपायों को आजमाएंगे तो वैवाहिक जीवन में सदैव खुशहाली बनी रहेगी।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 15 अगस्त - 2026

बदलते भारत में जनता के द्वार तक पहुंचता विकास...

सुरेश गांधी

भारत आज केवल बदल नहीं रहा, बल्कि अपने आत्मविश्वास, विकास और सांस्कृतिक चेतना के साथ एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। यह परिवर्तन केवल सरकारी फाइलों या भाषणों तक सीमित नहीं है; इसे गांव की सड़क, किसान के खाते, गरीब के घर, बेटी की शिक्षा, मंदिरों के पुनरुद्धार और युवाओं की आंखों में चमकते राष्ट्रगौरव में महसूस किया जा सकता है। लंबे समय तक देश में यह धारणा बनी रही कि योजनाओं का बड़ा हिस्सा रास्ते में ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है, लेकिन आज आम नागरिक पहली बार यह अनुभव कर रहा है कि सरकार की योजनाएं सीधे उसके दरवाजे तक पहुंच रही हैं। एक समय था जब 2जी, कोयला, कॉमनवेल्थ, संचार और रक्षा सौदों जैसे बड़े घोटाले राष्ट्रीय चर्चा का विषय होते थे। जनता के मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास घर कर गया था। आज स्थिति बदली हुई दिखाई देती है। तकनीक आधारित शासन, डिजिटल भुगतान, आधार आधारित पहचान और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने उस पुरानी व्यवस्था को काफी हद तक बदल दिया है जिसमें बिचौलियों की भूमिका अत्यधिक थी। करोड़ों लोगों के बैंक खातों में सहायता राशि सीधे पहुंचना केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि लोकतंत्र में विश्वास की पुनर्स्थापना है।सड़कें किसी भी राष्ट्र की प्रगति की धमनियां होती हैं। आज देश के अनेक हिस्सों में वह परिवर्तन प्रत्यक्ष दिखाई देता है जहां पहले दस घंटे की यात्रा अब चार-पांच घंटे में पूरी हो जाती है। एक्सप्रेसवे, फोरलेन, ग्रामीण सड़कें और पुल केवल निर्माण परियोजनाएं नहीं हैं; वे समय, ईंधन, श्रम और अवसर की बचत हैं। सड़क बनने से गांव बाजार से जुड़ता

है, किसान मंडी तक पहुंचता है, छात्र कॉलेज तक पहुंचता है और मरीज अस्पताल तक समय पर पहुंचता है। विकास का सबसे वास्तविक चेहरा सड़क पर ही दिखाई देता है। ग्रामीण भारत में आवास योजनाओं ने लाखों परिवारों को कच्चे घरों से पक्के घरों तक पहुंचाया है। छत केवल ईंट-पत्थर नहीं होती; वह सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक होती है। इसी तरह शौचालय निर्माण अभियान ने सामाजिक व्यवहार में बड़ा बदलाव लाया है। खेतों में जाने की विवशता से मुक्ति विशेष रूप से महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा से जुड़ा विषय है। स्वच्छता का यह अभियान स्वास्थ्य सुधार, आत्मसम्मान और आधुनिक जीवनशैली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कृषि क्षेत्र में भी परिवर्तन की नई तस्वीर

कृषि क्षेत्र में भी परिवर्तन की नई तस्वीर उभर रही है। किसान सम्मान निधि, सिंचाई परियोजनाएं, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, बीमा योजनाएं और डिजिटल जानकारी तक पहुंच ने किसान को केवल परंपरागत कृषि तक सीमित नहीं रखा। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, सड़क और इंटरनेट पहुंचने से कृषि आधारित उद्यमों के नए अवसर बने हैं। युवा अब गांव छोड़ने को ही प्रगति नहीं मानता; वह गांव में रहकर भी आधुनिक साधनों के साथ आगे बढ़ने की सोच विकसित कर रहा है। युवाओं की मानसिकता में आया परिवर्तन सबसे महत्वपूर्ण है। आज का युवा केवल नौकरी खोजने वाला नागरिक नहीं रह गया है; वह स्टार्टअप, नवाचार, खेल, रक्षा, अंतरिक्ष, तकनीक और राष्ट्रनिर्माण जैसे विषयों पर खुलकर सोच रहा है। सेना के प्रति सम्मान, तिरंगे के प्रति भावनात्मक जुड़ाव, राष्ट्रीय उपलब्धियों पर गर्व और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को लेकर उत्साह पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। यह सही है कि कुछ युवा भ्रम, प्रचार या साजिशों का शिकार हो जाते हैं, किंतु व्यापक स्तर पर राष्ट्र पहले की भावना मजबूत हुई है।

तीर्थस्थलों का कायाकल्प

भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण भी इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण आयाम है। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या, केदारनाथ, सोमनाथ और अनेक तीर्थस्थलों का कायाकल्प केवल धार्मिक परियोजनाएं नहीं हैं; वे भारत की सभ्यता स्मृति के पुनरुद्धार का प्रतीक हैं। जब कोई तीर्थ व्यवस्थित, स्वच्छ और आधुनिक सुविधाओं से युक्त होता है तो वहां देश-विदेश से श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। पर्यटन बढ़ता है, स्थानीय व्यापार बढ़ता है, होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, भोजनालय और सेवाक्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। सांस्कृतिक धरोहर आर्थिक शक्ति में बदलती दिखाई देती है। सुरक्षा के प्रश्न पर भी समाज का अनुभव बदला है। अनेक राज्यों में संगठित अपराध, अपहरण, फिरौती और खुलेआम दबंगई पर नियंत्रण के प्रयासों ने नागरिकों में सुरक्षा की भावना बढ़ाई है। कानून का भय और प्रशासन की सक्रियता लोकतांत्रिक समाज के लिए आवश्यक है। जब नागरिक रात में निश्चिंत होकर घर लौट सके, महिलाएं सार्वजनिक स्थानों पर अधिक आत्मविश्वास महसूस करें और व्यापारी भयमुक्त होकर कारोबार कर सके, तब विकास की गति स्वाभाविक रूप से तेज होती है।

भ्रष्टाचार की गुंजाइश को पहले की तुलना में काफी सीमित

भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त हो गया है, ऐसा दावा करना अतिशयोक्ति होगा; किसी भी बड़े लोकतंत्र में चुनौतियां बनी रहती हैं। किंतु यह कहना गलत नहीं होगा कि पारदर्शिता, डिजिटल निगरानी, ऑनलाइन भुगतान, ई-टेंडरिंग और जनजागरूकता ने भ्रष्टाचार की गुंजाइश को पहले की तुलना में काफी सीमित किया है। आज नागरिक सूचना के अधिकार, सोशल मीडिया और डिजिटल रिकॉर्ड के माध्यम से शासन से जवाब मांगने में अधिक सक्षम हुआ है। यह परिवर्तन लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब परिवारों को महंगे इलाज की चिंता से आंशिक राहत दी है। मुफ्त राशन योजना ने कठिन समय में करोड़ों परिवारों को खाद्य सुरक्षा प्रदान की। गैस कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, बैंक खाते और बीमा योजनाओं ने उस वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ा जिसे लंबे समय तक व्यवस्था के अंतिम छोर पर माना जाता था। जब राज्य की योजनाएं गरीब तक पहुंचती हैं तो लोकतंत्र की वास्तविक सार्थकता प्रकट होती है।

संसद शोर के लिए नहीं

लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद जनहित से जुड़े मुद्दों पर बहस का सर्वोच्च मंच है। इसलिए सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि वे सदन की उपयोगिता और गरिमा बनाए रखें। लेकिन विडंबना है कि संसद का सत्र शुरू होते ही असहमति कई बार टकराव में बदल जाती है। विपक्ष किसी मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगता है तो सरकार अक्सर ऐसी मांगों को अनदेखी करती दिखती है। नतीजा यह होता है कि हंगामे और सदन स्थगित होने के समानांतर विपक्ष का बहिर्गमन जारी रहता है और संसद की कार्यवाही औपचारिकता बन जाती है। दूसरी ओर, सरकार अपनी सुविधा के मुताबिक विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित करा लेती है। इससे लोकतांत्रिक विमर्श कमजोर होता दिखाई देता है। मानसून सत्र के तीन सप्ताह जिस तरह हंगामे और विपक्ष के बहिर्गमन के बीच बार-बार स्थगित होते हुए गुजर गए, उससे यही सवाल उठा कि क्या संसद अब केवल दिखावे का ठिकाना बनती जा रही है? विपक्ष ने नीट प्रश्नपत्र लीक, राम मंदिर दान राशि में कथित गड़बड़ी और विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा तथा संबंधित मंत्रियों से जवाबदेही की मांग की। दिल्ली में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई और पैलेट गन चलाने के सवाल पर भी विपक्ष ने जवाब मांगा। सरकार को इन गंभीर विषयों पर स्पष्टता देनी चाहिए थी, लेकिन गृह मंत्री ने अंतिम दिन थोड़ी सक्रियता दिखाई, जो विपक्ष को बेअसर करने की कोशिश से अधिक नहीं लगी। यदि यही रुख पहले अपनाया जाता तो कुछ मुद्दों और पेश किए गए विधेयकों पर सार्थक बहस संभव थी। संसद के गतिरोध का सीधा असर उसकी उत्पादकता पर पड़ा। अलग-अलग मुद्दों पर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध के कारण लोकसभा की कार्य उत्पादकता महज उन्नीस फीसदी और राज्यसभा की उनतालीस फीसदी रही। यह स्थिति केवल राजनीतिक खींचतान नहीं, जनता के पैसे और समय की भी बर्बादी है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि सदन में जरूरी कामकाज नहीं हो पाए तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हालांकि इसका दोष केवल विपक्ष के सिर मढ़ना भी उचित नहीं होगा। विरोध, मतभेद और बहिर्गमन लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा हैं, लेकिन सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि विपक्ष की जायज मांगों को सुना जाए। बहुमत का अर्थ यह नहीं है कि सरकार हर विधेयक बिना चर्चा पारित करा दे। जिन कानूनों का असर करोड़ों नागरिकों पर पड़ना है, उन पर व्यापक बहस, विशेषज्ञों की राय और विपक्ष के सुझाव जरूरी हैं। ऐसी परंपरा कमजोर होगी तो इसका सीधा असर जनता के अधिकारों और लोकतंत्र की सेहत पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। जनता ने प्रतिनिधियों को केवल विरोध के लिए नहीं, अपने क्षेत्र और देश के सवाल उठाने के लिए भेजा है। सत्ता पक्ष को संख्या बल को संवाद का विकल्प नहीं बनाना चाहिए। मजबूत लोकतंत्र वह है जिसमें बहुमत निर्णय ले, लेकिन अल्पमत की आवाज सुनी जाए। जरूरत है कि सत्र शुरू होने से पहले सर्वदलीय संवाद के जरिए जरूरी मुद्दों पर चर्चा का समय तय हो। सरकार विपक्ष को भरोसे में ले और विपक्ष भी हर विषय को हंगामे की भेंट चढ़ाने के बजाय बहस का रास्ता अपनाए। संसद में संवाद, असहमति और तर्क की जगह नारेबाजी नहीं ले सकती। संसद की कार्यवाही चलाना सभी दलों की जिम्मेदारी है, लेकिन पहल और जवाबदेही सरकार की अधिक है। उम्मीद है कि आगे से इस पर अमल जरूर होगा।

स्वतंत्र भारत की वो पहली सुबह

डॉ रघुवीर चारण

आज हम स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ मना रहे हैं इसी दिन के लिए, माँ भारती के उन लाखों वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुतियाँ दीं आज उनके शौर्य की अमर गाथा और बलिदान का दिवस है।वर्ष 2026 का स्वाधीनता दिवस विकसित भारत के लिए युवा शक्ति और ऐतिहासिक राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने की उपलब्धि पर मनाया जा रहा है आज़ादी के अमृत काल में हमारा राष्ट्र नित नए आयाम स्थापित कर रहा है।हर वर्ष की भांति इस बार भी गाँव चौपाल से लाल क़िले तक तिरंगे की आन बान और शान झलकेगी । ठीक आज से 79 साल पहले ब्रिटिश हुकूमत का अंत और स्वतंत्र भारत का वो ऐतिहासिक दिन जो हमारे लिए गर्व और गौरव का क्षण था उसी दिन नींव रखी गई उस राष्ट्र की जो मज़बूत लोकतंत्र का प्रतीक है।19वीं सदी से शुरू हुई विकास की यात्रा वर्तमान भारत की प्रगति और उत्थान को दिखाती है। वर्तमान में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं प्रौद्योगिकीय शक्तियों में से एक है, लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी।स्वतंत्रता के बाद भारत ने एक ऐसे लोकतांत्रिक देश का निर्माण किया जो अपने नागरिकों को समान अवसर और अधिकार प्रदान करता है। आज़ादी से पहले देश के इतिहास पर एक नज़र डालें तो भारत का अतीत विदेशी शक्तियों के निरंतर आगमन का केंद्र रहा। जिसमें मुगल साम्राज्य के पतन के बाद कई क्षेत्रीय शक्तियाँ उभरी उसके उपरांत ब्रिटिश शासन का उदय हुआ फिर करीबन 200 सालों तक अंग्रेजों का शासन रहा इस दौरान भारतीय लोगों को कई दमनकारी नीतियों का सामना करना पड़ा। इन नीतियों से पीड़ित और शोषित जनता ने 1857 में आज़ादी की जंग छेड़ी और ये पहला स्वतंत्रता संग्राम था फिर क्रमशः जलियाँवाला बाग हत्याकांड, ख़िलाफ़त आन्दोलन, असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन तक आज़ादी की राह में हज़ारो स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना बलिदान दिया।

14 अगस्त 1947 की वो शाम जहाँ एक तरफ़ विभाजन विभीषिका का दंश झेल रही जनता वहीं दूसरी तरफ़ गुलामी के डूबते सूरज और आज़ादी उदय के लिए आशावान थी।उसी शाम 17 यॉर्क रोड़ स्थित नेहरू जी के आवास पर आज़ादी की गुफ़्तगू होने लगी तभी लाहौर से आए एक फ़ोन कॉल ने नेहरूजी को भावुक कर दिया। क्योंकि लाहौर के नए प्रशासक ने हिंदू और सिख इलाकों की जलापूर्ति को बाधित कर दिया तथा प्यास से कराहती जनता का नरसंहार किया जा रहा था।नेहरूजी अपनी आज़ादी के ऐतिहासिक उद्बोधन में ख़ुशी के साथ साथ अंतर्मन से बहुत दुःखी थे । संसद के सेंट्रल हॉल में ठीक रात 11 बजे 20वीं सदी की वो महान आवाज़ गूँजी "नियति से वादा" जिसको सुनने के लिए भारतीय कई वर्षों से आतुर थे उस भाषण के कुछ अंश इस प्रकार थे- कई सालों पहले, हमने नियति के साथ एक वादा किया था, और अब समय आ गया है कि हम अपना वादा निभाएँ, पूरी तरह न सही पर बहुत हद तक तो निभाये। आधी रात के समय, जब दुनिया सो रही होगी, भारत जीवन और स्वतंत्रता के लिए जाग जाएगा। ऐसा क्षण आता है, मगर इतिहास में विरले ही आता है,जैसे ही रात के 12 बजे आज़ादी का शंखनाद हुआ सेंट्रल हॉल महात्मा गांधी जी के नारों से गूँज उठा और वहाँ खड़े हर शख़्स की आँखे भर आई।फिर सुचेता कृपलानी ने सारे जहाँ से अच्छा और वंदे मातरम गाकर आज़ादी का उद्घोष किया । स्वतंत्रता की उसी रात्रि वेला में नेहरूजी और डॉ राजेंद्र प्रसाद ने लॉर्ड माउंटबेटन को भारत के प्रथम गवर्नर जनरल बनने का न्यौता दिया।

पूँजीवादी शिक्षा का दुष्चक्र

डॉ. चक्रपाल सिंह

नीट परीक्षा पेपर लीक से शुरू हुए राष्ट्रव्यापी छात्र आन्दोलन ने प्रतियोगी परीक्षाओं की सुचिता, पारदर्शिता, समय पर परिणामों की घोषणा जैसे ज्वलंत प्रश्नों के साथ साथ भारतीय शिक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है. परिणाम स्वरूप संसद में चिंतनीय गतिरोध के बावजूद आनन फानन में भारी हंगामे के बीच लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक,2026 ध्वनि मत से पारित किया जा चुका है. संसद में संशोधन विधेयक पर सत्तापक्ष और विपक्ष की बहसों में व्यक्त चिन्ताओं से विषय की गंभीरता को समझा जा सकता है. लेकिन यहाँ यक्ष प्रश्न तो ये है कि नौकरी अथवा उच्च शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं तक पहुँचने अथवा बैठने या फिर इनमें सफल होने की बात तो बहुत बाद की है. सबसे महत्त्वपूर्ण तो यह है कि यहाँ तक पहुँचने के लिए जो रास्ता (शिक्षा व्यवस्था) है, वह कितना सर्वव्यापी पहुँच के साथ समता, गुणवत्ता एवं वहनीयता पूर्ण है ? इसी पर सब कुछ निर्भर करता है. इस विषय को लेकर सत्तापक्ष एवं विपक्ष की बहसों में न केवल गंभीरता का अभाव दिखाई दिया बल्कि समान शिक्षा एवं पूँजीवादी शिक्षा के दुष्चक्र पर कोई गंभीर विमर्श नजर नहीं आया. राजनैतिक गलगंजन में मुख्यधारा के प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया, बुद्धिजीवी, पत्रकार, इत्यादि इत्यादि इस बात को संज्ञान में लेने से बचते नजर आए. या फिर सचेत उपेक्षा के चलते न केवल नजरअंदाज कर दिया गया बल्कि इस पर कोई सार्थक चर्चा करने के लायक भी नहीं समझा गया. यदि वास्तव में शिक्षा एवं छात्रों के भविष्य को लेकर सत्तापक्ष एवं विपक्ष की चिंताएं इतनी ही सच्ची एवं घनीभूत हैं, तो एक साथ बैठकर शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त असमानता एवं उसके पूँजीकरण पर सार्थक बहस करनी चाहिए. इससे इनको को कौन रोक रहा है? कहीं ये लोग गुणवत्ता पूर्ण अंग्रेज़ी शिक्षा के नाम पर खोली गईं अपनी अपनी दुकानों को लेकर चिंतित तो नहीं हैं ? कब तक निजी शिक्षा को राष्ट्र एवं समाज का भला समझने व समझाने का दुष्प्रचार कर, असल समस्या से जनता जनार्दन का ध्यान भटकाते रहेंगे? आखिर कब तक? विषय पर आगे बढ़ने तथा किसी तार्किक निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले शिक्षा के पूँजीकरण तथा उसके दुष्चक्र को समझना अनिवार्य हो जाता है.पूँजीवादी शिक्षा के दुष्चक्र से आशय विभिन्न शक्तियों (सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक एवं राजनीतिक) के वर्तुल नक्षत्र (सर्कुलर कॉन्स्टिलेशन ऑफ फोर्सेज) से है, जो एक दूसरे पर इस प्रकार क्रिया तथा प्रतिक्रिया करती हैं कि किसी भी देश एवं समाज के बहुसंख्यक वर्ग में सिर्फ और सिर्फ साक्षरता तथा निम्न योग्यता की परिस्थितियां बनी रहती है. पूँजी प्रबल मुट्ठी भर योग्य-अयोग्य लोगों का शिक्षा, शासन एवं रोजगार पर कब्जा कायम रहता है, जिसमें पूँजीवादी व्यवस्था, सामाजिक विकास की वस्तुगत नियमितता आधारित सामाजिक लाभ सिद्धांत की जगह, स्वैच्छिक आत्मगत प्रणाली पर आधारित व्यावसायिक लाभ सिद्धांत पर कार्य करती है. अतः इसका उपयोग/दुरुपयोग आत्मगत निजी लाभ एवं लोभों के लिए किया जाता है. मौटे तौर पर पूँजीवादी शिक्षा से आशय ऐसी महंगी एवं अति मंहगी शिक्षा प्रणाली से होता है जिसमें धनिक वर्ग (पूँजीपति) पूरी शिक्षा व्यवस्था पर कब्जा जमाकर छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों (जनता) का अपने आर्थिक एवं व्यावसायिक हितों के लिए शोषण करता है. यह शोषण बहुआयामी प्रकृति एवं दूरगामी सामाजिक व आर्थिक दुष्प्रभावों वाला होता है. इसका दुष्प्रभाव देश के सभी धार्मिक, सामाजिक व जातिगत वर्गों पर समान रूप से पड़ता है. इस तरह जो दुष्चक्र बनता है वह कुछ इस प्रकार काम करता है. शैक्षिक एवं आर्थिक पिछड़ापन - निम्न योग्यता - रोजगार बाजार में निम्न मांग - निम्न रोजगार (निजी उद्योगों इत्यादि में) - निम्न आय - निम्न बचत- निम्न शैक्षिक निवेश - सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक पिछड़ापन. कहा जा सकता है कि कोई भी देश, समाज, वर्ग सामाजिक व आर्थिक रूप से सिर्फ इसलिए पिछड़ा है क्योंकि वहां सर्वसुलभ गुणवत्ता पूर्ण समान शिक्षा व्यवस्था नहीं है और उसके लोग शिक्षित नहीं हैं . आखिर यहाँ यक्ष प्रश्न यह है कि क्या पूंजीवादी शिक्षा के इस दुष्चक्र को तोड़ा जा सकता है? इस प्रश्न पर मतभेद हो सकता है, परंतु यह तय है कि इस दुष्चक्र को भेदा जा सकता है. बस! देश को एक विवेकशील धर्मनिष्ठ युधिष्ठिर की आवश्यकता है, जो अपने सगे भाइयों की जगह सौतेले भाइयों को जीवित रखने की दृढ़ इच्छा एवं प्राथमिकता रखता हो. कहने का आशय यह है कि उच्च शिक्षा में सुधार तभी संभव होगा जब प्राथमिक से माध्यमिक स्तर की शिक्षा का राष्ट्रीयकरण कर, गुणवत्ता पूर्ण समान शिक्षा को लागू किया जाएगा. इसका स्तर सही अर्थों में बेहतर होगा. बजाय इसके कि कुछ बच्चों (धनाढ्य वर्ग) को समाज से पृथक्करण कर उन्हें विशेष स्कूलों में पढ़ाया जाए. नैसर्गिक एवं उर्वर प्रतिभाएं तभी निकल कर आएंगी जब संपूर्ण राष्ट्र के हर वर्ग (गरीब -अमीर) के बच्चों में से चयन होगा, न कि मुट्ठी भर संभ्रांत बच्चों, जिन्हें विशेष सुविधा तथा विशिष्ट वातावरण युक्त स्कूलों में पढ़े हुए में से चयन किया जाए. इसे तभी सार्थक बनाया जा सकता है जब शिक्षा की जड़ें व्यापार में न होकर देश की सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों में होंगी. फिर वही प्रश्न कि कोई सरकार वर्ग (पूँजीपति, उद्योगपति, नौकरशाह, राजनीतिक, गरीब, अमीर) निरपेक्ष इक्कीसवीं सदी की निजी पूँजी से मुक्त सर्व सुलभ गुणवत्ता पूर्ण प्रभावी समान शिक्षा नीति बनाकर जिम्मेदारी एवं जवाबदेही के साथ, उसे पूरी ईमानदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ क्रियान्वित करने की नैतिक एवं राजनीतिक दृढ़ इच्छा शक्ति दिखाने की हिम्मत करेगी? राजनीतिज्ञों (सत्तापक्ष एवं विपक्ष) को क्या पूँजीवादी शिक्षा के दुष्चक्र के बहुआयामी सामाजिक खतरे दिखाई नहीं दे रहे हैं? यदि नहीं, तो वे इस खतरे को नीट पेपर लीक के बाद छात्रों द्वारा उठाए गए आत्मघाती कदमों में देख सकते हैं. यहाँ कहने का आशय सिर्फ और सिर्फ इतना भर है कि जब हम चीजों को किसी ख़ास चश्मे से देखने के लती हो जाते हैं और हमें सही और गलत में फर्क नजर आना बंद हो जाता है, तब-तब भ्रष्टाचार निरंकुश व व्यापक हो जाता है, तो उससे कोई अछूता नहीं रह सकता है. और यह निरंकुश एवं व्यापक भ्रष्टाचार यमराज का रूप ले लेता है. इसका अगला शिकार कौन होगा, कोई नहीं जानता है. यह अपने समय का बहुत ही दर्दनाक एवं चिंतनीय सच है. जिस पर हम सभी को चिंतित होना चाहिए. नीट परीक्षा पेपर लीक होने के बाद परीक्षा स्थगित होने तथा दोबारा परीक्षा आयोजित होने के निर्णय के सदमे में बाईस छात्रों द्वारा आत्महत्या करने में देखा जा सकता है. देखा जाए तो ये 22 छात्र कौन थे? किस वर्ग के थे? किस धर्म व जाति के थे ? इनकी दलगत (राजनैतिक दल) निष्ठाएं किसके प्रति थीं? कोई अर्थ नहीं रखती हैं. ये सिर्फ छात्र थे. छात्र तो छात्र हैं, और छात्र तो छात्र ही होते हैं. इनका धर्म शिक्षा ग्रहण करना तथा जाति सिर्फ और सिर्फ छात्र होती है.

स्वतंत्रता के 79 वर्षः उपलब्धियों का उत्सव, आत्ममंथन का अवसर

योगेश कुमार गोयल

15 अगस्त भारत की आत्मा, स्वाभिमान और सामूहिक संकल्प का उत्सव है। यह वह ऐतिहासिक क्षण है, जब सदियों की पराधीनता के बाद भारत ने स्वतंत्रता का अमृत प्राप्त किया और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक नए युग की शुरुआत की। स्वतंत्रता के 79 वर्षों की इस यात्रा में भारत ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं, अनेक चुनौतियों का सामना किया है और अनेक ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिन पर प्रत्येक भारतीय गर्व कर सकता है। आज जब पूरा देश तिरंगे के सम्मान में एकजुट होकर स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, तब यह अवसर केवल उपलब्धियों का उत्सव मनाने का ही नहीं बल्कि आत्ममंथन और भविष्य के संकल्प का भी है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह अपने आप में एक ऐसी उपलब्धि है, जिसकी मिसाल दुनिया में बहुत कम मिलती है। विविध भाषाओं, संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं से समृद्ध इस देश ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को न केवल सफलतापूर्वक अपनाया बल्कि उसे लगातार सशक्त भी बनाया। करोड़ों मतदाता नियमित रूप से चुनावों में भाग लेते हैं, सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होता है और संविधान सर्वोच्च मार्गदर्शक के रूप में देश को दिशा देता है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने विकास की जिस यात्रा का आरंभ किया था, वह आज वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान बना चुकी है। कभी खाद्यान्न संकट से जूझने वाला देश आज दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में शामिल है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान में भारतीय वैज्ञानिकों ने सीमित संसाधनों के बावजूद ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिन्होंने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। चंद्रयान और आदित्य जैसे मिशनों ने सिद्ध कर दिया है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं बल्कि ज्ञान और नवाचार का नेतृत्व करने वाला देश बन रहा है।

डिजिटल क्रांति ने लोकतंत्र को नई शक्ति प्रदान की है। आज सरकारी सेवाएं डिजिटल माध्यम से लोगों तक पहुंच रही हैं। डिजिटल भुगतान, आधार, यूपीआई, ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन और ई-गवर्नेंस जैसी व्यवस्थाओं ने शासन को अधिक पारदर्शी, तेज और नागरिक-केंद्रित बनाया है। ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन का सहभागी बन रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि लोकतंत्र को अधिक सहभागी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत की आर्थिक यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। आज देश विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार, विनिर्माण, हरित ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उद्यमिता की नई संस्कृति विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार कर रही है। निश्चित रूप से यह भी स्वीकार करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता। उसकी वास्तविक सफलता तब मानी जाती है, जब संसद, विधानसभाएं, न्यायपालिका, मीडिया और नागरिक समाज अपनी-अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। संसदीय बहसें जितनी सार्थक होंगी, नीतियां उतनी ही प्रभावी बनेंगी। स्वस्थ संवाद, रचनात्मक विपक्ष, जवाबदेह सरकार और जागरूक नागरिक, इन्हीं चार स्तंभों पर लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती निर्भर करती है। आज भारत अनेक नई चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियां, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, सामाजिक समरसता, रोजगार, शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी परिवर्तन जैसे विषय हमारे सामने हैं। इन चुनौतियों का समाधान केवल सरकारों से नहीं बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से संभव है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब नागरिक केवल अधिकारों की बात न करें बल्कि अपने कर्तव्यों के प्रति भी समान रूप से सजग रहें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रहें। विचारों का संघर्ष लोकतंत्र की शक्ति है लेकिन व्यक्तिगत कटुता और संस्थाओं के प्रति अविश्वास उसकी कमजोरी बन सकते हैं। संसद और विधानसभाएं केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के मंच नहीं बल्कि जनहित के सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान हैं। इनकी गरिमा बनाए रखना सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की समान जिम्मेदारी है। लोकतंत्र की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार नागरिकों का चरित्र होता है। यदि समाज ईमानदारी, अनुशासन, संवेदनशीलता और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है तो लोकतांत्रिक संस्थाएं भी स्वतः सुदृढ़ होती हैं। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक वैमनस्य और असहिष्णुता जैसी चुनौतियों का समाधान केवल कानून से नहीं, नैतिक जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व से भी संभव है। स्वतंत्रता दिवस हमें उन लाखों ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है, जिन्होंने बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के अपना सर्वस्व राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। उनका सपना केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था बल्कि ऐसा भारत बनाना था, जहां समान अवसर, सामाजिक न्याय, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, आर्थिक समृद्धि और मानवीय गरिमा प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध हो।

सम्मान का महापर्व

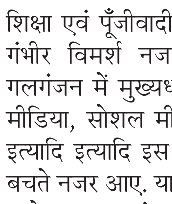

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

हमारे देश में ऋतुएँ अब केवल प्रकृति नहीं तय करतीं। समाज भी अपनी सुविधानुसार ऋतुएँ बना लेता है। कभी चुनाव की ऋतु आती है, कभी उद्घाटन की, कभी शिलान्यास की और इन सबसे ऊपर सम्मान की ऋतु। यह ऐसी ऋतु है जिसमें पेड़ों पर पत्तियाँ कम और लोगों के गले में मालाएँ अधिक दिखाई देती हैं।

एक समय था जब सम्मान किसी व्यक्ति के पीछे भागता था। अब व्यक्ति सम्मान के पीछे भागता है। पहले लोग अपने काम में इतने डूबे रहते थे कि उन्हें पता ही नहीं चलता था कि समाज उन्हें कब पहचानने लगा। आज लोग पहले अपनी पहचान छपवाते हैं, फिर उसके अनुरूप कोई काम खोजते हैं। सम्मान समारोहों का अपना अलग ही दर्शन है। मंच पर बैठे लोग इतने गंभीर दिखाई देते हैं जैसे अभी देश की अर्थव्यवस्था पर निर्णय लेने वाले हों। किंतु पाँच मिनट बाद वही लोग यह तय करने में व्यस्त हो जाते हैं कि पहले किसे शॉल ओढ़ाई जाए और किसे श्रीफल दिया जाए। राष्ट्र की दिशा कुछ देर के लिए शॉल की तहों में छिप जाती है।

मुझे एक सज्जन मिले। चेहरे पर संतोष ऐसा था जैसे उन्होंने हिमालय की सबसे ऊँची चोटी जीत ली हो। बोले, इस महीने मेरा सातवाँ सम्मान हुआ है। मैंने उत्सुक होकर पूछा, किस उपलब्धि के लिए। वे मुस्कुराए और बोले, उपलब्धि बाद में बताऊँगा, पहले फोटो देखिए। मैंने समझ लिया कि अब उपलब्धि तस्वीर में रहती है और परिश्रम एल्बम के बाहर खड़ा रह जाता है। आज सम्मान का सबसे बड़ा प्रमाणपत्र सोशल मीडिया है। समारोह समाप्त होने से पहले ही तस्वीरें उड़कर दुनिया भर में पहुँच जाती हैं। नीचे लिखा रहता है, अत्यंत विनम्रता के साथ सम्मान ग्रहण किया। मुझे हमेशा यह वाक्य पढ़कर आश्चर्य होता है। विनम्रता जितनी अधिक लिखी जाती है, उतनी ही कम दिखाई देती है।

सच्ची विनम्रता को कभी घोषणा की आवश्यकता नहीं पड़ती। समाज ने एक नया गणित खोज लिया है। आदमी की योग्यता उसके विचारों से नहीं, उसके सम्मान पत्रों की संख्या से मापी जाती है। दीवार पर जितने अधिक फ्रेम, उतना बड़ा विद्वान। किसी ने यह नहीं पूछा कि उन फ्रेमों के भीतर विचार भी हैं या केवल रंगीन कागज। कुछ संस्थाएँ तो सम्मान बाँटने में ऐसी दक्ष हो गई हैं कि लगता है मानो उनके पास सम्मान की खेती हो। हर सप्ताह नई फसल तैयार हो जाती है। पुरस्कारों की ऐसी वर्षा होती है कि बादलों को भी ईर्ष्या होने लगे। फर्क केवल इतना है कि बादल खेतों को सींचते हैं और ये सम्मान कई बार अहंकार को। सबसे अधिक दया उन लोगों पर आती है जो सचमुच काम कर रहे हैं। विद्यालय में चुपचाप पढ़ाने वाला शिक्षक, रात भर अस्पताल में सेवा करने वाली नर्स, सड़क पर धूप में खड़ा सफाईकर्मी, खेत में पसीना बहाता किसान। इनके हिस्से में सम्मान कम और जिम्मेदारियाँ अधिक आती हैं। दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे हैं जिनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि वे हर मंच पर समय से पहले पहुँच जाते हैं।अब तो परिचय भी अद्भुत हो गया है। नाम से पहले इतने विशेषण लगा दिए जाते हैं कि नाम तक पहुँचते पहुँचते श्रोता थक जाता है।

टीएमसी के 20 बागियों की बढ़ने वाली है टेंशन!

ममता बनर्जी ने लिया बड़ा फैसला

कोलकाता, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 20 बागी लोकसभा सांसदों पर बड़ा फैसला लिया है। ममता पार्टी छोड़कर 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) ज्वाइन करने को लेकर जल्द ही सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि अब उनके खिलाफ अयोग्यता की याचिकाएं अगले 7 से 10 दिनों में दायर की जाएंगी। यह कदम टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी की स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के एक दिन बाद उठाया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी ने बागी सांसदों के खिलाफ दायर अलग-अलग अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि अगर स्पीकर कानून और अदालती निर्देशों के तहत तय समय में याचिकाओं पर कोई फैसला नहीं ले पाते हैं, तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा और दखल की मांग करनी होगी। टीएमसी ने सबसे पहले जून में बिरला के सामने यह मुद्दा उठाया था, जब उन्होंने 20 सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं।

बनर्जी ने बुधवार को बताया कि 20 जुलाई को मॉनसून सत्र शुरू होने पर उन्होंने स्पीकर के सामने यह मामला फिर से उठाया था। अभिषेक बनर्जी ने टीएमसी के सीनियर सांसदों सौगत रॉय, कीर्ति आजाद और प्रतिमा मंडल के साथ मिलकर स्पीकर से इस बारे में बात की थी। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद मॉनसून सत्र के दौरान कोई फैसला नहीं लिया गया और सत्र गुरुवार को खत्म हो गया। बता दें कि बंगाल चुनाव में टीएमसी की हार के बाद 20 सांसदों ने पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी थी।

इसके बाद उन्होंने बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को समर्थन देते हुए एनसीपीआई में विलय की घोषणा की। बागी गुट में सुदीप बंद्योपाध्याय, काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय और मिताली बाग जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं। ये मूल रूप से टीएमसी के चुनाव चिह्न पर लोकसभा के लिए चुने गए थे। उनका तर्क है कि वे टीएमसी के 28 लोकसभा सदस्यों की कुल संख्या का दो-तिहाई से अधिक हिस्सा हैं। संविधान की 10वीं अनुसूची में अयोग्यता से छूट का प्रावधान है, जब किसी राजनीतिक दल के दो-तिहाई सदस्य किसी दूसरे दल में विलय करने पर सहमत होते हैं।

टीएमसी ने इसकी वैधता को चुनौती दी है और कहा है कि सांसद केवल किसी दूसरे दल के साथ विलय की घोषणा करके अयोग्यता से नहीं बच सकते। 10वीं अनुसूची के तहत स्पीकर ही यह तय करने के लिए अधिकृत है कि क्या कोई सदस्य दल-बदल के आधार पर अयोग्य हो गया है या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसी याचिकाओं पर फैसला करते समय स्पीकर न्यायिक या ट्रिब्यूनल जैसा काम करता है और उसके फैसले की न्यायिक समीक्षा हो सकती है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने फिर से कहा है कि अयोग्यता से जुड़ी याचिकाओं पर सबसे पहले फैसला लेने के लिए स्पीकर ही सही संवैधानिक अधिकारी है, लेकिन उसे निष्पक्ष, स्वतंत्र और बिना किसी भेदभाव के काम करना चाहिए।

एनआरएस अस्पताल में नर्स की मौत

पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की अलग-अलग टीमें कर रही जांच, मंत्री ने 7 दिन में मांगी रिपोर्ट

कोलकाता, 14 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के सरकार अस्पताल नीलरतन सरकार (एनआरएस) मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में एक नर्स का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग दोनों ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया है कि 30 साल की नर्स रूपाली दास अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की हाई-डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू)/विशेष निगरानी इकाई में अपनी शिफ्ट के लिए पहुंची थीं। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 10:30 बजे वह प्रसवपूर्व वार्ड के स्टाफ शौचालय में गयी थी। काफी देर तक वापस न आने पर सहकर्मियों ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो दरवाजा तोड़ा गया। अंदर जाने पर देखा कि नर्स फर्श पर अचेत अवस्था में पड़ी है।

तत्काल डॉक्टरों को बुलाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एंटाली थाना पुलिस और कोलकाता पुलिस के डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (डीडी) की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में नर्स के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। न ही उसके आसपास कोई सुसाइडल नोट बरामद हुआ है। शव के पास दवा की कई शीशियां थीं। पुलिस को संदेह है कि सिरिंज के जरिये एनेस्थेटिक दवा का अत्यधिक डोज लेने के कारण नर्स की मौत हुई होगी। जांच अधिकारी पता कर रहे हैं कि क्या वह ड्यूटी के दौरान उन शीशियों को अपने साथ शौचालय ले गयीं थीं। डिप्रेशन या किसी अन्य मानसिक तनाव के कोण से भी मामले की जांच की जा रही है।

'चच्चू को संभालिए, नहीं तो सत्ता में नहीं आने देंगे' योगी के मंत्री की अखिलेश यादव को नसीहत

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ में समाजवादी नेता शिवपाल यादव के एक बयान को लेकर योगी सरकार के मंत्री ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपने 'चच्चू' शिवपाल यादव को संभालना चाहिए, नहीं तो वह उन्हें कभी सत्ता में आने नहीं देंगे। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने आरोप लगाया कि शिवपाल यादव सपा की सरकार बनने पर अपने लोगों के मुकदमे वापस लेने और आजम खान को गृह मंत्री बनाने की बात कह रहे हैं। इसे लेकर उन्होंने सवाल उठाया कि सजा पाए व्यक्ति चुनाव कैसे लड़ सकता है और मंत्री कैसे बन सकता है।

ओपी राजभर ने इस पोस्ट में शिवपाल यादव के बयान को लेकर तंज कसते हुए कहा कि सपा के पीडीए को अपराध के लिए बढ़ावा देने जैसी बात कही जा रही है। भाजपा नेता ने अखिलेश यादव को विभीषण की कहानी पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि ओम प्रकाश राजभर ने अपने दफ्तर में गुंडा भेजे जाने के आरोप का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह भी जांच में सामने आ सकता है कि उनके दफ्तर में गुंडा भेजने के पीछे चाचा का हाथ हो। पोस्ट के अंत में भाजपा नेता ने तंज कसते हुए कहा कि कलयुग के रावण की लंका में आग भी लगेगी और जरिया विभीषण ही बनेगा। उन्होंने पोस्ट में अखिलेश यादव को टैग करते हुए जय भारत, जय श्रीराम, जय श्रीकृष्ण और महाराज सुहेलदेव भी लिखा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव बुधवार को वरिष्ठ नेता मो। आजम खान और उनके छोटे बेटे अब्दुल्ला आजम खान से मिलने के लिए रामपुर जेल गए थे।

हिमाचल, नासिक और अफगानिस्तान में भूकंप

मुंबई/शिमला, 14 अगस्त (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग हिस्सों और पड़ोसी अफगानिस्तान में शुक्रवार सुबह भूकंप के झटके दर्ज किए गए। उपलब्ध भूकंपीय आंकड़ों के मुताबिक नासिक, हिमाचल प्रदेश के चंबा और अफगानिस्तान में कुल चार भूकंप दर्ज हुए। इनमें अफगानिस्तान में आए एक भूकंप की तीव्रता सबसे ज्यादा 4.4 रही। महाराष्ट्र में इससे पहले पालघर में भी दो भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप के झटकों का सिलसिला रात करीब 12:05 बजे शुरू हुआ और सुबह 6:36 बजे तक अलग-अलग इलाकों में भूकंपीय गतिविधियां दर्ज होती रहीं। यानी करीब सात घंटे के दौरान नासिक, चंबा और अफगानिस्तान में कई बार धरती कांपी।

नासिक में कितनी तीव्रता का भूकंप आया?

महाराष्ट्र के नासिक में शुक्रवार सुबह 5 बजकर 32 मिनट 39 सेकंड पर भूकंप दर्ज किया गया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.4 रही। भूकंप की गहराई जमीन के भीतर करीब तीन किलोमीटर थी। दिए गए विवरण के मुताबिक भूकंप का केंद्र 20.461 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 73.748 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। झटके महसूस होने के बाद लोगों में डर जरूर पैदा हुआ, लेकिन फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की जानकारी नहीं दी गई है।

हिमाचल के चंबा में कितनी रही तीव्रता?

हिमाचल प्रदेश के चंबा में भी शुक्रवार सुबह भूकंप का झटका दर्ज किया गया। यहां सुबह 6 बजकर 36 मिनट 28 सेकंड पर 3.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई जमीन के भीतर पांच किलोमीटर थी। चंबा में आए भूकंप का स्थान 33.131 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.585 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। फिलहाल की जानकारी तक इस भूकंप से भी किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

अफगानिस्तान में कितनी बार कांपी धरती?

अफगानिस्तान में शुक्रवार तड़के दो भूकंप दर्ज किए गए। पहला झटका सुबह 4 बजकर 29 मिनट 30 सेकंड पर आया, जिसकी तीव्रता 4.0 रही। इसकी गहराई 147 किलोमीटर दर्ज की गई। इसके करीब 12 मिनट बाद सुबह 4 बजकर 41 मिनट 54 सेकंड पर दूसरा भूकंप आया। इसकी तीव्रता 4.4 रही और गहराई 136 किलोमीटर दर्ज की गई। उपलब्ध आंकड़ों में अफगानिस्तान में आए इन दोनों भूकंपों से हुए नुकसान की कोई जानकारी नहीं दी गई है।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर चिकन-मटन की दुकानें बंद कराने के खिलाफ याचिका खारिज, कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

प्रयागराज, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सावन माह में अमरोहा में चिकन और मटन की दुकानों को बंद कराने के लिए जारी नोटिस को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को खारिज कर दिया। अदालत ने याचिका दाखिल करने वाले अधिवक्ता नासिर फारूक की मंशा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह याचिका पब्लिक इंटरेस्ट नहीं, बल्कि पब्लिसिटी इंटरेस्ट में दाखिल की गई है। याचिका में सावन माह के दौरान चिकन शॉप और मटन शॉप बंद कराने के लिए जारी नोटिस की वैधानिकता को चुनौती दी गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता रामानंद पांडेय ने याचिका का विरोध किया। याची की ओर से अधिवक्ता मुस्तकीम अहमद ने अदालत को बताया कि अमरोहा में कांवड़ यात्रा मार्ग से हटकर स्थित चिकन की दुकानों को भी पुलिस ने बिना तारीख के नोटिस जारी कर बंद करा दिया है।

ड्रग्स रैकेट का हब बना ग्रेटर नोएडा! करोड़ों की ड्रग्स के साथ 2 नाइजीरियन युवती गिरफ्तार

मुंबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। एटीएस और ग्रेनो पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सेक्टर ओमिक्रॉन स्थित एक फ्लैट पर छापेमारी की, जहां से दो नाइजीरियन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने नाइजीरियन महिलाओं के कब्जे से 2688 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद की, जिसकी कीमत पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 5.40 करोड़ रुपये बताई है। फिलहाल अब पुलिस पूरे नेटवर्क को खंगालने के लिए महिलाओं के मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। साथ ही उनके संपर्क में रहने वाले लोगों, ड्रग्स की सप्लाई करने समेत अन्य एंगल से भी जांच करने में पुलिस लगी हुई है। साथ ही इस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

दरअसल, ड्रग्स तस्करों की जांच के दौरान मुंबई एटीएस को ग्रेटर नोएडा में एक गिरोह के छिपे होने की जानकारी मिली थी। जांच के दौरान एटीएस की टीम ग्रेटर नोएडा पहुंची। जहां एटीएस ने स्थानीय पुलिस से संपर्क कर कसाना क्षेत्र के ओमिक्रॉन सेक्टर में एक फ्लैट पर छापेमारी की। इस दौरान बड़ी संख्या में मौके से मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। मौके से पुलिस ने 32 वर्षीय डेबोरा ओबेसिडे ओमोवुमी और 33 वर्षीय एंजल ओसास जुलिएट को गिरफ्तार किया है। दोनों ही नाइजीरियन नागरिक हैं। साथ ही कार्रवाई करते हुए पुलिस ने फ्लैट को सील कर दिया है। दोनों आरोपी युवतियां करीब दो माह से फ्लैट में किराए पर रह रही थीं।

बताते चलें कि शहर में पहले भी ड्रग्स के रैकेट का खुलासा हो चुका है। इससे पहले भी जैतपुर, ओमिक्रॉन-2 सेक्टर समेत अन्य स्थानों से ड्रग्स बनाने की फैक्टी पकड़ी जा चुकी है। खुलासे के दौरान नाइजीरियन की संलिप्ता सामने आई है। जुलाई 2022 में ड्रग्स पार्टी के दौरान 10 नाइजीरियन नागरिक को गिरफ्तार किया गया था।

कर्नाटक सरकार में बढ़ी टेंशन! जमीर अहमद खान ने जिला प्रभारी मंत्री बनने से किया इनकार

बेंगलुरु, 14 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में मंत्रियों के बीच पोर्टफोलियो बंटवारे के बाद अब असंतोष के संकेत सामने आने लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक, मंत्री जमीर अहमद खान नए पोर्टफोलियो आवंटन से नाराज बताए जा रहे हैं। जमीर अहमद ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आने वाले दिनों में किसी भी जिले के प्रभारी मंत्री की जिम्मेदारी से उन्हें मुक्त रखने का अनुरोध किया है। मंत्री जमीर अहमद खान ने लेटर में जमीर ने आगामी बीबीएमपी और अन्य स्थानीय निकाय चुनावों, विधानसभा उपचुनावों और पार्टी संगठन से जुड़ी जिम्मेदारियों का हवाला दिया है।

उनका कहना है कि इन जिम्मेदारियों के चलते उनके पास जिला प्रभारी मंत्री के तौर पर पर्याप्त समय देना मुश्किल होगा। जमीर ने 15 अगस्त को विजयनगर में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की जिम्मेदारी से भी मुक्त करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगे। जमीर ने यह भी बताया कि इससे पहले उन्हें विजयनगर जिले में सूखे की स्थिति का अध्ययन कर रिपोर्ट सौंपने की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसे वह पहले ही सरकार को सौंप चुके हैं।

दुबई से भारत लाया गया 6000 करोड़ केस का आरोपी माफिया 'वीरेंदर बैसोया'

गृहमंत्री बोले- 'बेरहमी से इनका इकोसिस्टम खत्म कर रहे'

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। ड्रग्स सिंडिकेट के टॉप माफिया वीरेंदर बैसोया को दुबई से भारत लाया गया है। वह शुक्रवार को एयर इंडिया की फ्लाइट नम्बर 4310 से भारत लाया गया है। वीरेंदर के खिलाफ एनसीबी ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। इसके बाद उसे दुबई में गिरफ्तार किया गया था और भारत सरकार की पहल पर डिपोर्ट किया गया। वीरेंदर दिल्ली पुलिस के ड्रग्स के केस के मामले में मुख्य आरोपी संदीप धुनिया का करीबी है। वह पुणे के 6000 करोड़ केस का आरोपी है। यह ड्रग्स के खिलाफ भारत सरकार की बड़ी कामयाबी है। हालांकि, मुख्य आरोपी संदीप धुनिया दुबई से पाकिस्तान जाने में कामयाब हो गया और वह पुलिस की पहुंच से बाहर है।

गृहमंत्री अमित शाह ने वीरेंदर की गिरफ्तारी को लेकर एक्स पर लिखा, मोदी सरकार विदेशों में छिपे ड्रग तस्करों को लगातार ट्रैक कर रही है और बेरहमी से उनके पूरे इकोसिस्टम को खत्म कर रही है। नारकोटिक्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी में एक नया मील का पत्थर साबित करते हुए, एनसीबी ने यूएई से भगोड़े ड्रग किंगपिन वीरेंद्र सिंह बसोया को वापस लाने में कामयाबी हासिल की। टॉप-टू-बॉटम और बॉटम-टू-टॉप तरीके से क्रिमिनल का पता लगाकर, हमारी एजेंसियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि ड्रग तस्कर चाहे कहीं भी छिपे हों, वे भारतीय कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकते। जांच में सामने आया है कि आरोपी का संबंध अवैध ड्रग्स तस्करी के एक बड़े नेटवर्क से है। आरोप है कि वह मेफेड्रोन की खेप लंदन भेजने की साजिश में शामिल था। इस मामले में पुणे पुलिस ने 21 फरवरी 2024 को दिल्ली में कार्रवाई करते हुए दिवेश चरंजीत भूतानी और संदीपकुमार राजपाल बैसोया को गिरफ्तार किया था। दोनों के कब्जे से करीब 970 किलो मेफेड्रोन बरामद किया गया था। जांच के मुताबिक, बरामद मेफेड्रोन की यह बड़ी खेप लंदन भेजी जानी थी। इसके लिए डेल्टा लॉजिस्टिक्स के जरिए कंसाइनमेंट भेजने की तैयारी थी।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि दिवेश चरंजीत भूतानी और संदीपकुमार राजपाल बैसोया, वीरेंद्र सिंह बैसोया के निर्देश पर काम कर रहे थे। यानी ड्रग्स की इस पूरी सप्लाई और विदेश भेजने की व्यवस्था में वीरेंद्र सिंह बैसोया की अहम भूमिका बताई गई है। इस मामले में डेल्टा लॉजिस्टिक्स के मालिक संदीप हनुमानसिंह यादव और कंपनी के मैनेजर देवेंद्र रामफूल यादव को भी 21 फरवरी 2024 को गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसियों के मुताबिक, पूरा नेटवर्क मेफेड्रोन की बड़ी मात्रा को देश से बाहर भेजने के लिए लॉजिस्टिक्स और कंसाइनमेंट व्यवस्था का इस्तेमाल कर रहा था। 970 किलो मेफेड्रोन की बरामदगी इस पूरे नेटवर्क की गंभीरता को दिखाती है। वीरेन्द्र बसोया के बेटे ऋषभ के खिलाफ भी रेड कॉर्नर नोटिस निकला हुआ है, जो फिलहाल विदेश में बताया जाता है।

बड़ी वारदातः बदमाशों ने व्यापारी से पांच किलो सोना लूटा

चालाकी से पहले बस रुकवाई फिर बैग छीनकर भागे

रतलाम, 14 अगस्त (एजेंसियां)। महू-नीमच हाईवे पर रतलाम जिले के रेन-मऊ फंटे के पास बस में सवार रतलाम के सराफा व्यापारी के साथ बड़ी लूट होने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि व्यापारी उज्जैन जिले के बड़नगर से बस में सवार होकर रतलाम लौट रहा था, तभी रास्ते में बस में सवार कुछ बदमाश उसका सोने के जेवरों से भरा बैग लूट कर भाग निकले। पुलिस के अनुसार व्यापारी ने बताया कि बस में करीब पांच किलो सोने के जेवर थे। इन जेवरों की कीमत करीब साढ़े सात करोड़ रुपये है। लूट की खबर से सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार घटना स्थल के आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार रतलाम शहर की जैन कॉलोनी निवासी सराफा व्यापारी अर्पित चौरड़िया आसपास के क्षेत्रों में जेवर बेचने का जाते हैं। वे बड़नगर क्षेत्र में जेवर बेचने गए थे और गुरुवार रात करीब सवा आठ बजे बड़नगर से रतलाम आने के लिए एक बस में सवार हुए थे। बड़नगर से ही चार-पांच यात्री भी उनके साथ बस में सवार हुए थे।

घटना रात करीब सवा नौ बजे बिलपांक थाना क्षेत्र के रेन-मऊ फंटे के पास होना बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार व्यापारी अर्पित चौरड़िया ने बताया कि जब बस बिलपांक टोल नाके से कुछ दूरी पर रेन-मऊ फंटे के पास पहुंची, तब एक यात्री ने बस को रुकवाई और वह नीचे उतरा, इसी दौरान बस में सवार दो अन्य बदमाशों ने उससे सोने के जेवरों का बैग छीना और बस से उतरकर अन्य साथियों के साथ भाग निकले। इसके बाद बस चिकलिया टोल नाके के आगे धराड़ पुलिस चौकी के पास पहुंची तो व्यापारी वहां बस से उतरे तथा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर बिलपांक थाना प्रभारी अय्यूब खान व पुलिस बल के साथ धराड़ पहुंचे तथा व्यापारी से जानकारी लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलने पर डीआईजी निमिष अग्रवाल, एसपी अमित कुमार, एएसपी (रतलाम ग्रामीण) विवेक कुमार और एएसपी (रतलाम शहर) राकेश पंड्रा, एसडीओपी किशोर पाटनवाला आदि भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने अलग-अलग टीमें बनाकर नाकाबंदी कराई।

डॉग स्क्वाड की सहायता से घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में देर रात तक सर्चिंग की गई लेकिन बदमाशों का पता नहीं चल पाया। वारदात में पांच बदमाशों के होने की आशंका है। बिलपांक थाना प्रभारी अय्यूब खान ने बताया कि व्यापारी से घटना की जानकारी ली गई है। व्यापारी ने बताया कि वह बड़नगर से बस में सवार हुआ था। बैग में पांच किलो सोना था। रास्ते में एक यात्री ने बस को रुकवाया, इसके बाद बदमाश उसका जेवरों से भरा बैग लेकर भाग गए। घटना स्थल के आसपास के सभी रास्तों में नाकाबंदी कराई जाकर जांच की जा रही है।

'तेजस्वी यादव बीजेपी ज्वाइन कर लिए'

रामकृपाल यादव ने किया तंज प्रशांत किशोर पर कही ये बात

पटना, 14 अगस्त (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तिरंगा लेकर राजभवन मार्च निकालने वाले हैं। इसे लेकर सत्ता पक्ष ने उन पर निशाना साधा है। बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव ने तेजस्वी यादव के तिरंगा लेकर मार्च निकालने पर तंज कसते हुए कहा कि शायद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एनडीए ज्वाइन कर लिया होगा। शुक्रवार को पत्रकारों ने रामकृपाल यादव से सवाल किया कि तेजस्वी यादव राजद के झंडे की जगह तिरंगा लेकर राजभवन मार्च करने जा रहे हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि तिरंगा यात्रा तो हम लोगों की पहले से ही चल रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'हम लोगों का काम कर रहे हैं। भाजपा ज्वाइन कर लिए होंगे। एनडीए ज्वाइन कर लिए होंगे।'

रामकृपाल यादव ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर अच्छा काम कर रहे हैं और 10 हजार लोगों को नौकरी दे रहे हैं। उन्होंने जो वादा किया था, उसे पूरा कर रहे हैं। इससे पहले मंत्री रामकृपाल यादव ने तेजस्वी यादव के राजभवन मार्च को लेकर उन पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव मार्च की नौटंकी कर रहे हैं। जब उन्हें नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए थी, तब वे विदेश में अपनी भूमिका निभा रहे थे। रामकृपाल यादव ने कहा कि विदेश से लौटने के बाद तेजस्वी यादव को जनता के बीच विरोध का सामना करना पड़ा और पार्टी में भी खींचतान शुरू हो गई।

इसके बाद उनकी नींद खुली है। उन्होंने दावा किया कि राजद में टूट की स्थिति बन रही है और तेजस्वी यादव पार्टी नेताओं के प्रति अपनी जवाबदेही नहीं निभा रहे हैं। रामकृपाल यादव ने कहा कि अगर तेजस्वी यादव जनता के मुद्दों को लेकर मार्च कर रहे हैं तो इससे कोई असर नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्रों की समस्याओं को लेकर गंभीर है और उनकी पीड़ा को देखते हुए नया कानून भी लाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों से जुड़े मुद्दों पर लगातार काम कर रही है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

पंच सम्मेलन में मंच से भिड़े कलेक्टर और सरपंच, 'बंदूक' पर छिड़ी बहस

गुना, 14 अगस्त (एजेंसियां)। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के संवाद के लिए आयोजित पंच सम्मेलन तब सुर्खियों में आ गया, जब मंच से ही कलेक्टर और एक सरपंच के बीच तीखी झड़प हो गई। मुद्दा था पुराने लाइसेंसी हथियार को बदलने की अनुमति का। कांग्रेस नेता और दावतपुरा के सरपंच नरेंद्र सिंह ने खुली सभा में अपनी शिकायत रखी, तो कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने भी उसी लहजे में जवाब दिया। दोनों के बीच हुई नोकझोंक के बाद पूरे हॉल में देर तक चर्चा होती रही। मंच पर पहुंचते ही सरपंच नरेंद्र सिंह ने अपनी पुरानी लाइसेंसी बंदूक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हथियार काफी पुराना हो चुका है और अब काम नहीं कर रहा। उसे बदलने के लिए उन्होंने कई बार आवेदन दिया, लेकिन अनुमति नहीं मिली। सरपंच ने दावा किया कि इस मामले में उन्होंने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह से भी बात करवाई थी। इसके बावजूद फाइल आगे नहीं बढ़ी।

उन्होंने कलेक्टर से कहा कि हमारे क्षेत्र में वन्यजीवों का शिकार होता है। शिकारियों के पास हथियार हैं। ऐसे में गांव की सुरक्षा के लिए हमारे पास भी शस्त्र होना चाहिए। अगर अनुमति नहीं देनी है तो मैं अपनी बंदूक कार्यालय में जमा कर दूंगा। सरपंच की बात सुनने के बाद कलेक्टर कन्याल ने पंच-सरपंचों को संबोधित किया। उन्होंने शस्त्र लाइसेंस के मुद्दे पर अपना रुख साफ करते हुए कहा कि कानून के दायरे में रहकर ही अनुमति दी जाएगी। इसी दौरान उनका एक बयान चर्चा का केंद्र बन गया। कलेक्टर ने कहा, हम लाइसेंस बांटकर गुना को हथियारों के लिए बदनाम जिलों जैसा नहीं बनाना चाहते। गुना की मिट्टी और यहां का माहौल शांति का है। इसे हम इसी तरह रखेंगे। कलेक्टर के इस वाक्य के बाद सभागार में सन्नाटा छा गया। कई पंच-सरपंच आपस में इस बयान पर बात करने लगे। बहस यहीं नहीं रुकी। सरपंच ने नाराजगी जताते हुए कलेक्टर को राजनीति में आने तक का न्योता दे दिया। उनका कहना था कि जनप्रतिनिधियों की बात सुनी जानी चाहिए।

दूसरी ओर मंच पर मौजूद भाजपा नेताओं ने कलेक्टर के कामकाज की तारीफ की। उन्होंने कलेक्टर को जिले के लिए बेहतर प्रशासक बताया और कानून व्यवस्था को लेकर उनके सख्त रुख की सराहना की। पंच सम्मेलन का मकसद गांवों की समस्याएं और सरकारी योजनाओं पर चर्चा करना था। लेकिन हथियार लाइसेंस का मुद्दा बीच में आते ही माहौल बदल गया।

फीस प्रतिपूर्ति की 2,400 करोड़ रुपये की राशि अब विद्यार्थियों के खातों में होगी अग्रिम जमा : रेवंत रेड्डी

एक माह के भीतर विद्यार्थियों के बैंक खातों में पहुंचेगी फीस प्रतिपूर्ति की राशि

महात्मा ज्योतिबा फूले और सावित्रीबाई फूले की प्रतिमाओं का अनावरण

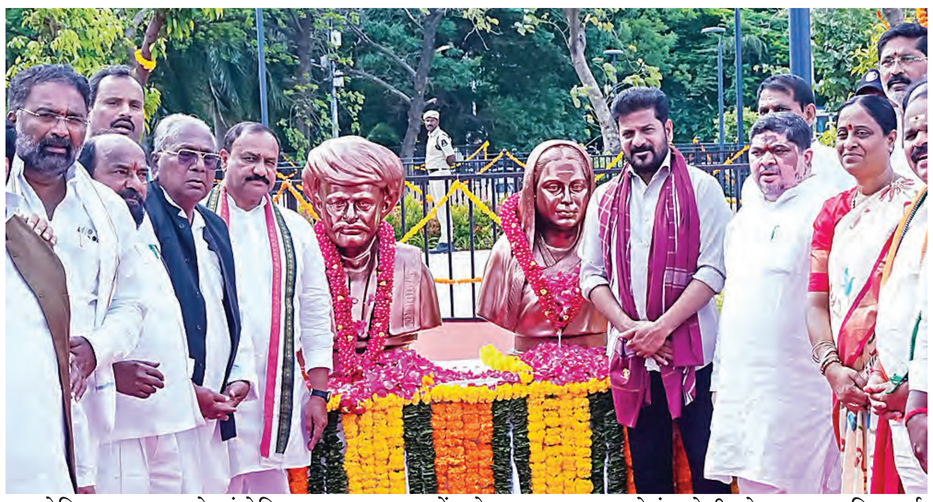

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार इस शैक्षणिक वर्ष से विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति की 2,400 करोड़ रुपये की राशि अग्रिम रूप से सीधे उनके बैंक खातों में जमा करेगी। उन्होंने कहा कि फीस प्रतिपूर्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 250 करोड़ रुपये पहले ही भुगतान के लिए उपलब्ध करा दिए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के बैंक खातों में एक महीने के भीतर फीस प्रतिपूर्ति की राशि जमा कर दी जाएगी।

हैदराबाद में महात्मा ज्योतिबा फूले और सावित्रीबाई फूले की प्रतिमाओं के अनावरण के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नई भुगतान व्यवस्था का उद्देश्य उन समस्याओं को समाप्त करना है, जिनमें फीस प्रतिपूर्ति जारी नहीं होने का हवाला देकर महाविद्यालय विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देने से इनकार करते थे। अब राशि सीधे विद्यार्थियों के खातों में जमा होने से इस समस्या का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों में कौशल विकसित करने पर जोर दे रही है। नर्सरी से 12वीं कक्षा तक विद्यार्थियों को शैक्षणिक शिक्षा के साथ विभिन्न कौशल सिखाने के लिए नया पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार नर्सरी स्तर से ही विद्यार्थियों को नाश्ते सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल प्रमाणपत्र हासिल करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोजगार प्राप्त करने के लिए तकनीकी कौशल भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम करने वाले लोग भी रोजगार गंवा रहे हैं और घर लौट रहे हैं। दूसरी ओर जर्मनी और जापान में करीब दो लाख नर्सिंग रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को रोजगार बाजार की जरूरत के अनुरूप कौशल हासिल करना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने बताया कि वर्ष 2024 में टाटा समूह के सहयोग से राज्य के 119 विधानसभा क्षेत्रों में उन्नत तकनीकी केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों में प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थियों को प्रतिमाह 2,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है।

इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को औपचारिक शिक्षा के साथ तकनीकी कौशल प्रदान करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रथम श्रेणी की सरकारी नौकरियों की भर्ती में चयनित उम्मीदवारों में 60 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग से हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है और बड़ी संख्या में विद्यार्थी पूर्ण अंक प्राप्त कर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने युवा भारत खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की है। खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकारी रोजगार देने की नीति भी लागू की गई है।

क्रिकेटर मोहम्मद सिराज, विश्व मुक्केबाजी चैंपियन निखत जरीन और दीप्ति को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सरकारी नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने कहा, ''खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार और सरकारी नौकरी उपलब्ध कराना मेरी जिम्मेदारी है।''

मुख्यमंत्री ने युवाओं से शिक्षा के माध्यम से उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से ज्योतिराव फुले के जीवन और विचारों से प्रेरणा लेकर विधानसभा और संसद जैसी लोकतांत्रिक संस्थाओं में पहुंचने तथा चिकित्सक और अभियंता बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मादिगा समुदाय ने अनुसूचित जाति के वर्गीकरण के लिए दशकों तक संघर्ष किया और तेलंगाना सरकार ने अनुसूचित जाति वर्गीकरण लागू कर इस दिशा में देश में पहल की है। मुख्यमंत्री ने महात्मा ज्योतिबा फूले और सावित्रीबाई फूले की प्रतिमाओं का अनावरण करते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत प्रसन्नता का अवसर है। उन्होंने कहा कि नेकलेस रोड चौराहे का अब भव्य रूप से विकास किया गया है, जहां महात्मा गांधी, डॉ. बी. आर. आंबेडकर, इंदिरा गांधी और पी. वी. नरसिंह राव जैसी महान विभूतियों की प्रतिमाएं भी मौजूद हैं। अनावरण समारोह में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, पीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़, मंत्री श्रीधर बाबू, वाकीति श्रीहरि, पोन्नम प्रभाकर, कोंडा सुरेखा और अज़हरुद्दीन, सचेतक आदि श्रीनिवास, सरकारी सलाहकार वी. हनुमंत राव और के. केशव राव; सांसद अनिल कुमार यादव, आर. कृष्णैया, और सुरेश शेतकर; विधायक दानम नागेंद्र, नवीन यादव, मंडुला सैमुअल, मक्कन सिंह राज ठाकुर, प्रकाश गौड़ और श्री गणेश, साथ ही बीसी संघों के नेता और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गोलकोंडा में यातायात प्रतिबंध

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 15 अगस्त को रानी महल लॉन, गोलकोंडा किले में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर गोलकोंडा किले के आसपास व्यापक यातायात प्रतिबंध और पार्किंग व्यवस्था की घोषणा की है। रामदेवगुडा से गोलकोंडा किले तक जाने वाली सड़क सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक आम वाहनों के लिए बंद रहेगी। आमंत्रित व्यक्तियों और आम जनता को जारी किए गए रंग-कोडित वाहन पासों के अनुसार अलग-अलग मार्ग और पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। गोल्ड पास धारकों को किले के मुख्य द्वार के पास पार्क करना होगा, जबकि क्रीम और ब्लू पास धारकों को गोलकोंडा बस स्टॉप के निर्धारित पार्किंग क्षेत्र का उपयोग करना होगा।

ग्रीन पास धारकों को ओवैसी/जीएचएमसी खेल के मैदान में पार्क करना होगा, जबकि रेड पास धारकों को एरिया हॉस्पिटल परिसर का उपयोग करना होगा। ब्लैक/ई पास वाले आम जनता के वाहनों को गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल, सेवन टॉम्ब्स, डेक्कन पार्क और गोलकोंडा लॉ एंड ऑर्डर पुलिस स्टेशन के पास फुटबॉल ग्राउंड के नजदीक निर्दिष्ट पार्किंग क्षेत्रों में निर्देशित किया जाएगा। समारोह समाप्त होने के बाद, आमंत्रितों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए वाहनों को निर्धारित निकास मार्गों से छोड़ा जाएगा। आमंत्रितों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे के बीच यातायात में बदलाव भी किया जाएगा। गोलकोंडा किले के आसपास रहने वाले लोगों से ट्रैफिक पुलिस ने अपील की है कि वे कार्यक्रम स्थल की ओर जाने वाली सड़कों पर वाहन पार्क न करें और ट्रैफिक संकेतों और डायवर्जन निर्देशों का पालन करें।

अवैध रूप से मिनी गैस सिलेंडर बनाने और परिवहन करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

राजेंद्रनगर टास्क फोर्स की कार्रवाई, चार आरोपी गिरफ्तार

750 मिनी गैस सिलेंडर, एक बोलेरो और सात निर्माण मशीनें जब्त

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के राजेंद्रनगर टास्क फोर्स ने अवैध रूप से मिनी गैस सिलेंडर के निर्माण और परिवहन के नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों मामलों में कुल 750 मिनी गैस सिलेंडर, एक बोलेरो वाहन और सिलेंडर निर्माण में इस्तेमाल सात मशीनें जब्त की हैं। पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त को राजेंद्रनगर क्षेत्र की टास्क फोर्स टीम को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि राजापुर से हैदराबाद बड़ी संख्या में मिनी गैस सिलेंडर अवैध रूप से लाए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने शमशाबाद के गगनपहाड़ मुख्य मार्ग पर, राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा थाना क्षेत्र में एक बोलेरो वाहन को रोककर तलाशी ली।

वाहन से 400 मिनी गैस सिलेंडर बरामद हुए और मोहम्मद अब्दुल हन्नान को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में अब्दुल हन्नान ने बताया कि वह मोहम्मद भोलेशा के निर्देश पर सिलेंडर राजापुर से हैदराबाद ला रहा था। इसके बाद टास्क फोर्स ने भोलेशा को भी पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बताया कि टूप बाजार, हैदराबाद निवासी मोहम्मद शकील मिनी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति करता था। शकील को भी गिरफ्तार कर तीनों आरोपियों को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा थाने के हवाले कर दिया गया। इस संबंध में अपराध संख्या 371/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया। आगे की पूछताछ में मोहम्मद शकील ने खुलासा किया कि मिनी गैस सिलेंडरों का अवैध निर्माण राजापुर गांव स्थित एक गोदाम में किया जा रहा था। वहां से बिना आवश्यक दस्तावेज और अनुमति के सिलेंडरों को हैदराबाद भेजा जाता था। सूचना के आधार पर टास्क फोर्स की टीम ने राजापुर गांव स्थित उक्त गोदाम पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान 45 वर्षीय मोहम्मद दिलशाद, पुत्र नौशाद, निवासी मोतीनगर, दिल्ली को गिरफ्तार किया गया।

टीम ने मौके से 350 मिनी गैस सिलेंडर और सिलेंडर निर्माण में इस्तेमाल सात मशीनें जब्त कीं। आरोपी और जब्त सामान को राजापुर थाने के हवाले कर दिया गया, जहां इस संबंध में मामला दर्ज किया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे और अवैध निर्माण स्थल से 750 मिनी गैस सिलेंडर, एक बोलेरो वाहन और सात निर्माण मशीनें जब्त की गई हैं। दोनों मामलों में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा थाना और राजापुर थाने में मामले दर्ज किए गए हैं।

टास्क फोर्स की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से मिनी गैस सिलेंडरों के अवैध निर्माण और परिवहन के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया तथा बिना अनुमति ऐसे सिलेंडरों के बाजार में पहुंचने और संभावित दुरुपयोग को रोका गया। यह कार्रवाई हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार, पुलिस उपायुक्त गायकवाड़ वैभव रघुनाथ की निगरानी तथा राजेंद्रनगर एवं शमशाबाद क्षेत्र के टास्क फोर्स के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त के. एस. राव के मार्गदर्शन में की गई। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा थाने के निरीक्षक बी. संजीवुलु, राजेंद्रनगर टास्क फोर्स के निरीक्षक के. रवि तथा टास्क फोर्स, शमशाबाद क्षेत्र और राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा थाने के कर्मचारियों ने कार्रवाई को अंजाम दिया। अधिकारियों ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए उचित पुरस्कार देने की घोषणा की।

मनोज पेरुशाद सेठी के निधन पर महेश कुमार गौड़ ने जताया शोक

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने चारमीनार विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 1999 में चुनाव लड़ चुके कांग्रेस नेता मनोज पेरुशाद सेठी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। महेश कुमार गौड़ ने मनोज पेरुशाद सेठी के निधन पर उनके परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने मनोज पेरुशाद सेठी के पार्थिव शरीर के दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

दक्षिण मध्य रेलवे के आरपीएफ उपनिरीक्षक को सराहनीय सेवा के लिए प्रतिष्ठित पदक

नागरीकांति गुरु प्रसाद को वर्ष 2019 में मिल चुका है रेल मंत्री पुरस्कार

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक नागरीकांति गुरु प्रसाद को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सराहनीय सेवाओं के लिए भारतीय पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान रेलवे यात्रियों और रेल संपत्ति की सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले नागरीकांति गुरु प्रसाद को बधाई दी और राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस मान्यता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह केवल रेलवे सुरक्षा बल ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने यात्रियों एवं रेल संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने में गुरु प्रसाद के योगदान की सराहना की। नागरीकांति गुरु प्रसाद ने रेलवे सुरक्षा बल में 25 वर्षों से अधिक समय तक सेवाएं दी हैं। इनमें आठ वर्षों से अधिक समय तक विशेष आसूचना शाखा में कार्य करते हुए उन्होंने आसूचना एकत्र करने, अपराध की रोकथाम, यात्री सुरक्षा, बच्चों के बचाव अभियान और प्रशासनिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी उल्लेखनीय सेवाओं में तुनी रेलगाड़ी आगजनी की घटना के दौरान महत्वपूर्ण आसूचना उपलब्ध कराना, अंतरराज्यीय गिरोहों को पकड़ना, संवेदनशील यात्री आंदोलनों से जुड़े मामलों को संभालना, दलाली एवं रेलवे संपत्ति संबंधी अपराधों का पता लगाने में योगदान देना तथा 'ऑपरेशन मुस्कान' में सक्रिय भागीदारी शामिल है। गुरु प्रसाद को वर्ष 2019 में रेल मंत्री पुरस्कार भी प्रदान किया जा चुका है, जिसके साथ एक लाख रुपये की नकद राशि दी गई थी। इसके अलावा उन्हें मंडल रेल प्रबंधक और रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक स्तर पर भी विभिन्न पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। वर्ष 2006 में आयोजित राष्ट्रपति ध्वज परेड तथा कई प्रमुख राष्ट्रीय आयोजनों में भी उन्होंने भाग लिया है। उनके 25 वर्षों से अधिक के सेवाकाल, पेशेवर दक्षता, ईमानदारी और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए भारतीय पुलिस पदक से सम्मानित किया जाना उनकी सेवाओं का उपयुक्त सम्मान माना जा रहा है।

'तेलंगाना भवन राज्य के अस्तित्व की पहचान' : डॉ. संजय

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भवन के निर्माण को 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत राष्ट्र समिति के विधायक डॉ. कल्वकुंतला संजय ने राज्य की जनता को शुभकामनाएं दीं। तेलंगाना भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि तेलंगाना भवन केवल एक इमारत नहीं, बल्कि तेलंगाना के अस्तित्व और आत्मसम्मान की पहचान है। डॉ. संजय ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की ओर से कथित तौर पर 'क्षुद्र पूजा' और 'जादू-टोना' जैसी भाषा का इस्तेमाल किए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि आधुनिक और विज्ञान के युग में मुख्यमंत्री को इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी विद्यार्थियों और भविष्य की पीढ़ियों को इससे क्या संदेश दे रहे हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री के बयानों को उनकी 'घटिया सोच' का परिचायक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की सोच और भाषा में बदलाव लाने के लिए उनके परिवार के सदस्यों को पहल करनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी के बयानों में कई बार परस्पर विरोधाभास दिखाई देता है और उन्हें जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए।

डॉ. संजय ने कहा कि नए पेंशन आवेदन में बीड़ी मजदूरों के लिए अलग कॉलम नहीं रखा गया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में तत्कालीन शासकों ने बीड़ी मजदूरों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया, जबकि के. चंद्रशेखर राव के मुख्यमंत्री बनने के बाद ही बीड़ी मजदूरों को पेंशन मिलना शुरू हुई। उन्होंने कहा कि कोरुटला विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में बीड़ी मजदूर हैं और सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या पहले से मिल रही बीड़ी मजदूरों की पेंशन बंद की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार में पेंशन के लिए भी पैसे वसूले जा रहे हैं। डॉ. संजय ने कहा कि सरकार प्रचार-प्रसार पर जो धन खर्च कर रही है, उससे बीड़ी मजदूरों को कई वर्षों तक पेंशन दी जा सकती है। उन्होंने दावा किया कि के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में करीब 45 लाख लोगों को पेंशन दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने के. चंद्रशेखर राव सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि 'केसीआर किट' योजना को बंद कर दिया गया और कल्याणलक्ष्मी योजना का स्वरूप भी बदल गया है। उनके अनुसार, विवाह के समय दिए जाने वाले कल्याणलक्ष्मी के चेक अब बच्चों के जन्म के बाद दिए जा रहे हैं। पत्रकार वार्ता में निगम के पूर्व अध्यक्ष वाई. सतीश रेड्डी और पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य उपेंद्र चारी भी मौजूद

वाहन चोरी के मामले में दो आदतन अपराधी गिरफ्तार

चोरी का वाहन और मोबाइल फोन बरामद

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टोलीचौकी पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले का पर्दाफाश करते हुए दो आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की महिंद्रा स्कॉर्पियो, दो मोबाइल फोन तथा वारदात में इस्तेमाल यामाहा आर-15 मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 3.50 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार महाराष्ट्र के औरंगाबाद निवासी मिन्हाज अहमद सिद्दीकी ने 12 अगस्त 2026 को टोलीचौकी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी महिंद्रा स्कॉर्पियो संख्या एमएच-20-सीएच-3020 और चालक का वनप्लस 11आर मोबाइल फोन चोरी हो गया है। शिकायत के मुताबिक, 12 अगस्त की तड़के करीब 3 बजे चालक टोलीचौकी के सूर्यनगर स्थित सफा टावर के पास खड़ी कार में सो रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने कार की चाबी और मोबाइल फोन चुरा लिया। चालक और चौकीदार चाबी की तलाश कर रहे थे, तभी दो अज्ञात व्यक्ति कार लेकर फरार हो गए। इस संबंध में टोलीचौकी थाने में अपराध संख्या 400/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(बी) में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर टोलीचौकी चौराहे के पास आरोपियों को उस समय पकड़ लिया, जब वे चोरी की संपत्ति बेचने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी चोरी की कार को सेकंड हैंड बाजार में बेचकर मुंबई भागने की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद मोक्तादिर उर रहमान उर्फ अयान मलिक उर्फ नॉटी (23) और शेख आकिफुद्दीन शरीफ (21) के रूप में हुई है। पहला आरोपी बंदलागुड़ा चंद्रायनगुट्टा स्थित अफजल मस्जिद के पास रहता है और रैपिडो चालक तथा कार विक्रेता है, जबकि दूसरा आरोपी चंद्रायनगुट्टा के शाहीननगर का निवासी है और वातानुकूलन उपकरणों की मरम्मत का काम करता है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की महिंद्रा स्कॉर्पियो, वनप्लस 11आर मोबाइल फोन, सैमसंग गैलेक्सी एम-04 मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल यामाहा आर-15 मोटरसाइकिल संख्या टीएस-04-टीआर-5471 बरामद की। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी आदतन संपत्ति अपराधी हैं और शहर के विभिन्न थानों में ध्यान भटकाकर चोरी करने सहित कई मामलों में शामिल रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक पहला आरोपी इस घटना से केवल आठ दिन पहले ही जमानत पर जेल से बाहर आया था। बाहर आने के बाद उसने दूसरे आरोपी के साथ मिलकर आसान पैसे कमाने के लिए फिर से संपत्ति संबंधी अपराध और ध्यान भटकाकर चोरी की वारदातें शुरू कर दीं। मामले का तेजी से खुलासा और चोरी की संपत्ति की बरामदगी टोलीचौकी थाने के निरीक्षक एल. रमेश नाइक, अतिरिक्त निरीक्षक जी. बलराज, उपनिरीक्षक एस. रवि कुमार और अपराध दल ने की। यह कार्रवाई टोलीचौकी संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त सैयद फियाज की निगरानी तथा गोलकोंडा क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त जे. राघवेंद्र रेड्डी के मार्गदर्शन में की गई।

इंदिराम्मा इल्लु-एलआईजी आवेदन की समय सीमा बढ़ाने की मांग की

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष सैयद खालिद सैफुल्लाह ने शुक्रवार को राजस्व और आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी से मुलाकात की और सरकार से इंदिराम्मा इंदलू - एलआईजी आवास योजना के लिए आवेदन की समय सीमा को 10 से 15 दिनों तक बढ़ाने का आग्रह किया। सैफुल्लाह ने आवेदन पत्र में तलाकशुदा श्रेणी को शामिल करने और तलाकशुदा महिलाओं को अपने पूर्व पति के आधार कार्ड की जानकारी जमा करने से छूट देने की भी मांग की। मंत्री ने कथित तौर पर उन्हें आश्वासन दिया कि अधिकारियों से परामर्श करके इन अनुरोधों पर विचार किया जाएगा। इससे पहले, डीसीसी प्रमुख ने तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड के उपाध्यक्ष और हाउसिंग कमिश्नर वीपी गौतम के समक्ष भी यही मुद्दे उठाए थे। सैफुल्लाह ने बताया कि आवेदन जमा करने की मौजूदा अंतिम तिथि 15 अगस्त, 2026 है और अब तक 16 विधानसभा क्षेत्रों में फैले 7,680 फ्लैटों के लिए केवल लगभग 46,000 आवेदन ही प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन की अपेक्षाकृत कम संख्या से पता चलता है कि कई पात्र परिवारों को अभी तक योजना के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि हाल ही में कई लोगों ने आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी और सहायता के लिए कांग्रेस कार्यालयों से संपर्क किया है और विस्तारित अवधि के दौरान व्यापक प्रचार-प्रसार की अपील की। सैफुल्लाह ने तलाकशुदा महिलाओं को होने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आवेदन पत्र में तलाकशुदा का विकल्प नहीं है और आवेदकों को अपने पति के आधार कार्ड की जानकारी देनी पड़ती है। उन्होंने आवास बोर्ड से तलाकशुदा आवेदकों के लिए इस अनिवार्यता को हटाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आवेदन की समय सीमा बढ़ाने, जागरूकता बढ़ाने और आवेदन संबंधी बाधाओं को दूर करने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि पात्र एलआईजी परिवारों को जानकारी की कमी या तकनीकी कठिनाइयों के कारण आवास लाभ से वंचित न किया जाए।

नई 'चेयुथा' पेंशन योजना में चार कैटेगरी को शामिल नहीं किया

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार जल्द ही अलग-अलग कैटेगरी के लोगों को नई पेंशन देने का अभियान शुरू करने जा रही है, लेकिन इस बीच सीनियर सिटिज़न, एचआईवी मरीज़ और दो अन्य कैटेगरी के लोगों को आर्थिक मदद के लिए एनरोल करने का मौका नहीं दिया गया है।

राज्य में अभी 'चेयुथा' योजना के तहत लगभग 41 लाख लोग पेंशन पा रहे हैं। इस योजना में 11 कैटेगरी शामिल हैं, जिनमें सीनियर सिटिज़न, विधवाएं, दिव्यांग लोग, ताड़ी निकालने वाले, बुनकर, एचआईवी मरीज़, फाइलेरिया मरीज़, डायलिसिस मरीज़, बीड़ी वर्कर, अकेली महिलाएं और बीड़ी ठेकेदार शामिल हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस चरण में तीन लाख आवेदन आएंगे।

हालांकि, अभी सिर्फ़ सात कैटेगरी के लिए ही नई पेंशन के आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। एनरोलमेंट प्रोसेस में सीनियर सिटिज़न, एचआईवी मरीज़, बीड़ी वर्कर और बीड़ी ठेकेदारों को शामिल नहीं किया गया है।

बीआरएस सरकार ने बुढ़ापा पेंशन के लिए पात्रता की उम्र 2014 में 65 साल से घटाकर 2022 में 57 साल कर दी थी। साथ ही, मासिक पेंशन को भी 2014 में 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2022 में 2,016 रुपये कर दिया था।

बीआरएस सरकार के समय, लगभग 16.44 लाख सीनियर सिटिज़न 2,016 रुपये की मासिक पेंशन पा रहे थे। अब अलग-अलग कारणों से यह संख्या घटकर 14.31 लाख रह गई है। अधिकारियों का कहना है कि सीनियर सिटिज़न से आवेदन तो मिल रहे हैं, लेकिन उनकी जानकारी ऑनलाइन अपलोड नहीं की जा रही है। सोसाइटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ़ रूरल पॉवर्टी (SERP) के एक अधिकारी ने कहा कि सरकार की ओर से बुज़ुर्गों की पेंशन के बारे में कोई निर्देश नहीं मिले हैं। अधिकारी का अनुमान है कि अगले चरण में आवेदनों पर कार्रवाई की जा सकती है और उन्हें मंज़ूरी दी जा सकती है। बीड़ी बनाने वाले मज़दूरों और ठेकेदारों को भी नई पेंशन के लिए रजिस्ट्रेशन का मौका नहीं दिया गया है। अभी लगभग 4.20 लाख बीड़ी मज़दूर और 3,749 बीड़ी ठेकेदार पेंशन पा रहे हैं। जब पूछा गया कि बीड़ी मज़दूरों को नए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस से क्यों बाहर रखा जा रहा है, तो अधिकारियों ने कहा कि ये मज़दूर ज़्यादातर पुराने निज़ामाबाद, आदिलाबाद और करीमनगर ज़िलों के कुछ हिस्सों में ही हैं।

बाइक की टक्कर के बाद कार की चपेट में

आने से 26 साल के युवक की मौत

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को रंगारेड्डी ज़िले के कदथल मंडल के बाहरी इलाके में हैदराबाद-श्रीशैलम नेशनल हाईवे पर एक सड़क दुर्घटना में 26 साल के युवक की मौत हो गई। यह दुर्घटना तब हुई जब हाईवे पर दो मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं। टक्कर के कारण पीड़ित शिवा यादव (26), जो नागरकुर्नूल ज़िले के कलवाकुर्थी मंडल के टंड्रा गाँव का रहने वाला था, सड़क पर गिर पड़ा। उसी समय, पीछे से आ रही एक कार कथित तौर पर शिवा के ऊपर से गुज़री और उसे कुछ दूर तक घसीटती हुई ले गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर कदथल पुलिस मौके पर पहुँची और दुर्घटना की जांच शुरू की। दुर्घटना में शामिल दूसरे बाइकर और कार ड्राइवर की पहचान करने और उन्हें पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

मां-बेटी ने पिता की हत्या करके शव दफनाया

बॉयफ्रेंड से बात करने से रोकता था रायबरेली में एक महीने तक जुर्म छिपाया

रायबरेली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मां ने बेटी के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को घर से 50 मीटर दूर एक गड्ढे में दफना दिया। आरोपी मां ने गुजरात में नौकरी करने वाले बेटे को बताया कि पिता लड़ाई-झगड़ा करके कहीं चले गए हैं। कई दिनों तक पिता से बात न होने पर बेटा घर लौटा और पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। गांव वालों से पूछताछ के दौरान पुलिस को मां-बेटी पर शक हुआ। शुरुआत में दोनों पुलिस को गुमराह करती रहीं, लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया।

पूछताछ में आरोपी मां ने बताया कि पति शराब के नशे में अक्सर मारपीट करता था। बेटी के अफेयर की जानकारी होने पर वह उसके साथ भी मारपीट करने लगा। उसे किसी से बात नहीं करने देता था। रोज-रोज की प्रताड़ना से तंग आकर हम दोनों ने लोहे की रॉड से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

'अब मोहन भागवत को आरक्षण पर सोचना चाहिए'

मायावती ने मल्लिकार्जुन खरगे के मामले में आरएसएस मुखिया को घेरा

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद कार्यक्रम स्थल का कथित रूप से 'शुद्धीकरण' किया गया। इस घटना को लेकर कांग्रेस बीजेपी और केंद्र व उत्तराखंड सरकार के खिलाफ आक्रामक है। इस घटना की बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख मायावती ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने यह निंदनीय कृत्य करने वालों को जेल भेजने की मांग की है। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से भी इस घटना को संज्ञान में लेने के लिए कहा है। बीएसपी प्रमुख मायावती ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है,

'उत्तराखंड राज्य के हल्द्वानी में अभी हाल ही में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रोग्राम के बाद उनके मंच का दलित होने की वजह से शुद्धिकरण किया गया है। यह जानकारी कल संसद के जरिए भी देश को मिली है। यह मामला अति निंदनीय और चिंतनीय है। वहां की सरकार बिना कोई देरी किए हुए ऐसे जातिवादी और सामंती तत्वों के विरुद्ध सख्त कानूनों के तहत उचित कार्रवाई करके उन्हें जेल भेजे।'

घटना का आरएसएस के मुखिया भी संज्ञान लें

मायावती ने कहा है कि, 'इस घटना के सम्बंध में आरएसएस के मुखिया को भी संज्ञान लेकर जरूर गंभीरता से सोचना चाहिए, जो कि दलितों के आर्थिक तौर पर थोड़ा मजबूत हुए लोगों को आरक्षण से वंचित करने की बात कर रहें हैं। इसके अलावा अभी हाल ही में महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर किए गए हमले की घटना भी अति दुखद व चिंतनीय है। केंद्र व महाराष्ट्र की सरकार इस घटना को पूरी गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करे।'

खरगे ने संसद में उठाया सवाल

उत्तराखंड के हल्द्वानी में स्थित रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की 8 अगस्त को रैली हुई थी। इस आयोजन के बाद कथित तौर पर कार्यक्रम स्थल का 'शुद्धिकरण अनुष्ठान' किया गया। यह मामला संसद तक पहुंच गया। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस घटना को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में किसी व्यक्ति के साथ उसके सामाजिक या जातीय परिचय के आधार पर इस तरह का व्यवहार गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या सार्वजनिक मंच पर इस तरह की कार्रवाई संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का उदाहरण मानी जा सकती है।

कांग्रेस ने बीजेपी को बनाया निशाना

कांग्रेस ने इस को लेकर बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा। कांग्रेस ने इसे दलित-विरोधी सोच का प्रमाण बताया। कांग्रेस की महासचिव एवं उत्तराखंड की प्रभारी सैलजा ने कहा कि खरगे ने हल्द्वानी के रामलीला मैदान में रैली को संबोधित किया और प्रशासन की ओर से रैली रोकने की कथित कोशिशों के बावजूद कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि, 'भाजपा ने अपनी ओछी मानसिकता का सबूत भी हल्द्वानी में दिया है। खरगे जी का जहां कार्यक्रम हुआ, उस जगह का शुद्धिकरण किया गया। ये पूरी तरह से भाजपा-आरएसएस की दलित-विरोधी सोच का प्रमाण है।'

बाबाधाम से लौट रहे थे 30 श्रद्धालु, पटना में हुआ भीषण सड़क हादसा; बस की छत पर बैठे 2 कांवड़ियों की मौत

सारण, 14 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के अमनौर थाना क्षेत्र के कासिमपुर गांव में शुक्रवार को मातम पसरा रहा। बाबा बैद्यनाथ धाम से जलाभिषेक कर लौट रहे गांव के दो कांवरियों की पटना जिले के फतुहा में हुए सड़क हादसे में मौत की खबर जैसे ही गांव पहुंची, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को दोनों के शव गांव पहुंचते ही स्वजन की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। जानकारी के अनुसार कासिमपुर गांव से करीब 30 श्रद्धालु बस से बाबा बैद्यनाथ धाम गए थे। दर्शन-पूजन के बाद सभी श्रद्धालु बस से अपने गांव लौट रहे थे।

इसी दौरान फतुहा के समीप एक अनियंत्रित हाइड्रा ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के समय कुछ यात्री बस की छत पर भी सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस की छत पर बैठे दो श्रद्धालु दुर्घटना की चपेट में आ गए। गंभीर रूप से घायल होने के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान कासिमपुर गांव निवासी 60 वर्षीय राजदेव भगत तथा 30 वर्षीय पूजन राय के रूप में हुई है।

देश के बंटवारे पर सीएम योगी का कांग्रेस पर बड़ा हमला

कहा- "हमें आपस में बंटने की गलती नहीं करनी"

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश 1947 में विभाजन की उस भीषण त्रासदी के स्मृति दिवस के साथ जुड़ा हुआ है जो विश्व मानवता के इतिहास में सबसे काले अध्यायों में से एक है। जब करोड़ों हिंदुओं को अपने ही मातृभूमि से अपनी ही जन्म भूमि से विस्थापित होना पड़ा था और लाखों की संख्या में शून्य और संवेदना की बात तो दूर, अपनी स्वयं की सत्ता प्राप्त होने की लिपसा इस हद तक एक सनातन राष्ट्र को विभाजन की ओर धकेल करके उसके टुकड़े कर दिए गए।

यानी भारत विभाजन के त्रासदी उसी दिवस की ओर हम सबका ध्यान आकर्षित कराती है। सीएम योगी ने कहा कि यह दिवस केवल एक स्मृति दिवस मात्र नहीं है। यह इतिहास के पन्नों को उलटने जैसा नहीं है। यह दिवस इतिहास के उन काले अध्यायों से हमें बहुत कुछ सीखने की एक प्रेरणा भी प्रदान कर रहा है। क्योंकि यह केवल उसका स्मरण भर मात्र करने भर से इसकी समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। ये समस्या क्यों पैदा हुई? किन लोगों के कारण पैदा हुई? इसके कितने दोषियों को सजा दी गई? और आखिर कब तक देश इसकी कीमत चुकाता रहेगा। ये प्रश्न आज भी हम सबके सामने उसी मजबूती के साथ खड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाजन की कीमत भारत को चुकानी पड़ी। निर्दोष नागरिकों को चुकानी पड़ी। वो कीमत आज तक भारत चुका रहा है। लगातार चुका रहा है।

ये वही कीमत है जो कभी आतंकवाद के रूप में, कभी नक्सलवाद के रूप में, कभी माओवाद के रूप में, कभी उग्रवाद के रूप में लगातार भारतीयों को डस रहा है। लेकिन ये 1947 के पहले के उस षड्यंत्र पर हम सबकी चुप्पी की ओर भी हम सबका ध्यान आकर्षित करता है और ये लोग आज भी अपने साफगोई का प्रमाण लेकर के समाज के सामने ऐसे घूमते हैं जैसे कि भारत इन्होंने बनाया है। जैसे कि भारत अगर ये नहीं होते तो भारत नहीं बनता।

मातृत्व अवकाश पर लखनऊ हाई कोर्ट का अहम फैसला, उम्र के अंतर पर नहीं होगा इनकार

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने दो बच्चों के बीच उम्र का अंतर दो साल से कम होने के आधार पर महिला कर्मचारी को मातृत्व अवकाश देने से इन्कार करने के आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने संबंधित प्राधिकारी को याची को 17 जून से 13 दिसंबर तक मातृत्व अवकाश मंजूर करने और इसके सभी परिणामी सेवा लाभ देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने याची सीमा की ओर से दाखिल रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याची ने 20 जुलाई के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसके 17 जून से 13 दिसंबर तक के मातृत्व अवकाश के आवेदन को केवल इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि उसके दोनों बच्चों की उम्र में दो वर्ष से कम का अंतर है। आदेश में कोर्ट ने कहा कि इसी मुद्दे पर वह पहले ही मनीषा यादव बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य मामले में 16 अप्रैल को फैसला दे चुकी है।

सरकारी जमीन से एक सप्ताह में हटाएं चर्च

कब्जा नहीं हटा तो चलेगा बुलडोजर, नोटिस चस्पा

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मोहनलालगंज के नया खेड़ा भदुसेवा में सरकारी जमीन पर बनाए गए चर्च के बाहर बृहस्पतिवार को प्रशासन ने नोटिस चस्पा कर एक सप्ताह का अल्टीमेटम दे दिया। रायबरेली के इंद्रपुरी कॉलोनी निवासी जो जू मैथ्यूज के नाम पर नोटिस जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि तय समय में खुद कब्जा हटाकर सरकारी जमीन को खाली कर दें। ऐसा न होने पर रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ राजस्व विभाग अवैध चर्च पर बुलडोजर भी चलाएगा।

पैमाइश में राजस्व अभिलेखों में दर्ज नवीन परती की जमीन पर आंशिक रूप से अतिक्रमण मिला है। तहसील प्रशासन ने डीएम को रिपोर्ट भेजी, जिसके बाद कार्रवाई के निर्देश दिए गए। नोटिस की प्रति भूमि प्रबंधक समिति को भेजी गई है। प्रशासन ने संबंधित पक्ष से जमीन के संबंध में अभिलेख और अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है। ग्रामीणों का कहना है कि भदेसुवा गांव निवासी राजेश कुमार ने वर्ष 2008 में उक्त जमीन की बिक्री चर्च से संबंधित संस्था के पक्ष में की थी। इसके बाद वर्ष 2011 में जमीन पर चर्च का निर्माण कराया गया। प्रशासन की ओर से कार्रवाई शुरू किए जाने के बाद स्थानीय लोग धर्मांतरण गिरोह के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं।

ग्रामीणों ने पुलिस की पूछताछ में खुलकर पक्ष रखा है। यह भी कहा कि गिरोह पहले लोगों के बीच प्रभाव बनाता था। बाद में उन्हें धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया जाता था। ग्रामीणों ने दावा किया कि गांव में अब तक 55 लोग धर्म परिवर्तन कर चुके हैं। प्रशासन की कार्यवाही के बाद पुलिस भी सक्रिय हो गई है। पुलिस पता लगा रही है कि चर्च में हर रविवार को बाहर से आने वाले लोग कौन थे।

खुद को आईएएस बताकर महिला डॉक्टर को प्रेमजाल में फंसाया, 3 लाख रुपये ठग लिया; वाराणसी से फर्जी एसडीएम गिरफ्तार

नरसिंहपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। फर्जी आईएएस बनकर महिला चिकित्सक से धोखाधडी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जीवनसाथी डॉट कॉम के माध्यम से महिला चिकित्सक से संपर्क कर स्वयं को चिकित्सक एवं आईएएस अधिकारी बताया। एमबीबीएस, एमडी, डीएम और यूपीएससी चयनित होकर मध्यप्रदेश कैडर मिलने का झूठा दावा किया।

आरोपी ने जिला धार में एसडीएम पद पर पदस्थ होने एवं वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध होने की बात कहकर विश्वास में लिया। सहायता करने का झांसा देकर लगभग 3 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। तकनीकी साक्ष्यों एवं पतासाजी के आधार पर वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

ब्यूटी पार्लर में सेक्स रैकेट ; 5000 में फुल बॉडी मसाज

कस्टमर को फोटो भेजकर डील करते; झांसा देकर बंगाल से बुलाते थे लड़कियां

मुजफ्फरपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में ब्यूटी पार्लर की आड़ में चल रहे देह व्यापार के नेटवर्क का पुलिस ने खुलासा किया है। 5 ब्यूटी पार्लर से 12 महिलाएं और एक पुरुष को पकड़ा गया है। ये गिरोह सेक्स रैकेट में नाबालिग लड़कियों का भी इस्तेमाल करते थे। फुल बॉडी मसाज के नाम पर कस्टमर से 5000 तक लिए जाते थे। बताया जाता है कि गिरोह के लोग पहले लड़कियों की तस्वीर कस्टमर को भेजते थे। उसके बाद डील डन होने पर ब्यूटी पार्लर बुलाते थे। ये लोग बंगाल और बिहार के अन्य जिलों से लड़कियों को काम झांसा देकर यहां बुलाते थे। बीच शहर चल रहे सेक्स रैकेट तक पुलिस कैसे पहुंची, क्या क्लू मिला, ये लोग कैसे नाबालिग लड़कियों को अपने जाल में फंसाते थे।

दरअसल मामले की शुरुआत जिले के पानापुर करियात थाना क्षेत्र से एक नाबालिग के लापता होने के बाद हुई। पुलिस के अनुसार, बच्ची की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए बेंगलुरु के एक युवक से दोस्ती हुई थी। 12 जुलाई को वह युवक से मिलने के लिए घर से निकली और मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। इसी दौरान स्टेशन के पास उसकी मुलाकात संजय साह उर्फ सूरज साह से हुई। पुलिस के अनुसार, संजय ने बच्ची को झांसा देकर अपने साथ ले आया और उसे देह व्यापार के नेटवर्क में धकेल दिया। बच्ची के लापता होने के बाद परिजनों ने उसी दिन पानापुर करियात थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद विशेष टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने जांच के बाद संजय साह को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में मिली जानकारी और उसकी निशानदेही के आधार पर पुलिस टीम ने काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी की। पुलिस के अनुसार, वहां से लापता नाबालिग को बरामद किया गया। पूछताछ में बच्ची ने बताया कि उसे काम दिलाने के बहाने ब्यूटी पार्लर में लाया गया था। इसके बाद उसे बंधक बनाकर उसके कस्टमर के पास भेजा जाने लगा। बच्ची से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने दूसरे ठिकानों पर पहुंची।

पहली बच्ची की निशानदेही पर पुलिस टीम ने काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के नया टोला स्थित एक और पार्लर में छापेमारी की। यहां से माया देवी और पूनम देवी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, मौके से आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए गए।

रायबरेली में विवाहिता की मौत पर हंगामा, ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाकर किया प्रदर्शन

रायबरेली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। संदिग्ध परिस्थिति में करंट की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई थी। मृतका के पिता ने पति समेत ससुरारीजन पर दहेज के लिए बेटी की हत्या किए जाने का आरोप लगाया था। मामले में कोई कार्रवाई न होने पर गुरुवार को आक्रोशित परिवारजन ने मनीरामपुर नहर पुल व कस्बा स्थित थाना चौराहा पर शव रखकर राजमार्ग जाम कर दिया। पुलिस ने पति समेत चार लोगों पर मुकदमा दर्ज किया तो परिवारजन माने, जिसके बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया।

नदौरा माफी मजरे पयागपुर नदौरा गांव में टुल्लू पंप में प्रवाहित करंट की चपेट में आकर रत्ना देवी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। सलोन कोतवाली क्षेत्र के गोड़वा हसनपुर निवासी मृतका के पिता श्यामलाल ने ससुरालीजन पर दहेज की मांग न पूरी होने पर करंट लगाकर बेटी की हत्या किए जा का आरोप लगाते हुए पुलिस को मामले की तहरीर दी थी।

संदिग्ध डॉ. शाहीन की गिरफ्तारी के बाद

लखनऊ तक पहुंची एटीएस, भाई डॉ. परवेज से की पूछताछ

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। डॉक्टर शाहीन शाहिद और उसके भाई डॉ। परवेज अंसारी तक जांच एजेंसियों का पहुंचना फरीदाबाद में सामने आए संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल और दिल्ली लाल किला क्षेत्र में हुए कार धमाके की जांच से जुड़ा था। फरीदाबाद में बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने डॉक्टरों के नेटवर्क की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। इसी दौरान डॉ। शाहीन शाहिद का नाम सामने आया, जिसे फरीदाबाद में गिरफ्तार किया गया था। बाद में जांच की कड़ी लखनऊ तक पहुंची। शाहीन के लखनऊ कनेक्शन और उसके भाई डॉ. परवेज अंसारी की गतिविधियों की जानकारी मिलने पर यूपी एटीएस, जम्मू-कश्मीर पुलिस और लखनऊ पुलिस की संयुक्त टीम ने 11 नवंबर 2025 को लालबाग स्थित पुश्तैनी घर और मड़ियांव क्षेत्र के आइआइएम रोड स्थित परवेज के आवास पर छापा मारा।

लालबाग में पिता व भाई से पूछताछ की गई थी। आइआइएम वाले घर में कोई मौजूद नहीं था। टीम ने वहां तलाशी के दौरान लैपटाप, मोबाइल फोन और संदिग्ध दस्तावेज समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कब्जे में लिए थे। इसके बाद डा। परवेज को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई थी। परवेज इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर था। उसने छह नवंबर को ड्यूटी की और सात नवंबर को अचानक ई-मेल के जरिये इस्तीफा भेज दिया था। उसने दूसरी जगह बेहतर नौकरी मिलने की बात कही थी।

दिल्ली धमाके से ठीक पहले इस्तीफा देने की वजह ने जांच एजेंसियों का संदेह बढ़ाया। इसके बाद एटीएस ने विश्वविद्यालय पहुंचकर उसके नौकरी के दस्तावेज, डिजिटल रिकार्ड और अन्य जानकारियां जुटाईं। जांच में एजेंसियों ने शाहीन और परवेज के संपर्कों, बैंक लेनदेन, मोबाइल व डिजिटल डाटा व अन्य संदिग्ध कड़ियों को खंगालना शुरू किया। इस कार्रवाई के बाद लखनऊ कनेक्शन से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में आई थी।

'मां से कोई लगाव नहीं, पापा को मारा है फांसी दे दो', पिता की हत्या पर बेटी ने मां के लिए मांगी सजा, पत्नी और प्रेमी को उम्रकैद

अलीगढ़, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पति सुरेश की हत्या में अदालत ने पत्नी बीना और उसके प्रेमी मनोज को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय तोष कुमार शर्मा ने दोनों पर 35-35 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। सजा सुनाए जाने से पहले अदालत ने मृतक की छोटी बेटी रोशनी से पूछा कि वह क्या चाहती है। इस पर वह फूट-फूटकर रो पड़ी और बोली- जज अंकल, मुझे मम्मी से कोई लगाव नहीं है। इसने मेरे पापा को मारा है, इसे फांसी दे दो। मामले में अभियोजन के सामने सबसे अहम कड़ी सुरेश के 15 वर्षीय बेटे नीतेश की गवाही रही। नीतेश ने अदालत में उस घटना के बारे में बयान दिया, जिसका वह प्रत्यक्षदर्शी था।

उसके अलावा सुरेश के भाई विजय सिंह समेत आठ गवाहों के बयान दर्ज किए गए। पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट के साथ हत्या में इस्तेमाल तमंचा, कारतूस और मोबाइल को भी साक्ष्य के तौर पर पेश किया गया। अभियोजन के मुताबिक, 10 जुलाई 2025 की सुबह करीब साढ़े आठ बजे सुरेश अपने घर पर था। उसका भाई विजय सिंह भी घर के बाहर मौजूद था। इसी दौरान मनोज वहां पहुंचा। आरोप है कि बीना ने मनोज को सुरेश की तरफ इशारा करते हुए उसे गोली मारने के लिए कहा। इसके बाद मनोज ने तमंचा निकाला और सुरेश के सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही सुरेश की मौके पर मौत हो गई। घटना बरला थाना क्षेत्र के कस्बे में कोठी आंबेडकर स्कूल के पास हुई थी। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन ने आठ गवाहों को अदालत में पेश किया। सुरेश के भाई विजय सिंह और उसके बेटे नीतेश की गवाही को महत्वपूर्ण माना गया।

कोडीनयुक्त कफ सीरप में लाइसेंस का दुरुपयोग हुआ

इसलिए एनडीपीएस एक्ट में चलेगा केस: इलाहाबाद एचसी

प्रयागराज, 14 अगस्त (एजेंसियां)। बहुचर्चित कोडीन युक्त कफ सीरप मामले में राज्य सरकार ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में कहा है कि आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत ही मुकदमा चलेगा। तर्क दिया गया है कि भले ही संबंधितों के पास ड्रग एंड कास्मेटिक एक्ट का लाइसेंस है, लेकिन उन्होंने उसकी शर्तों का खुला उल्लंघन कर कोडीन युक्त कफ सीरप का इस्तेमाल नशे के कारोबार में किया है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ में गुरुवार को मामले से जुड़े 80 से अधिक आरोपियों की जमानत अर्जियों पर सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी और एजीए (प्रथम) परितोष कुमार मालवीय ने पक्ष रखा।

कहा कि आरोपियों को कफ सीरप बेचने का लाइसेंस जरूर ड्रग एंड कास्मेटिक एक्ट के तहत मिला था, लेकिन उस लाइसेंस की शर्त थी कि दवा का इस्तेमाल केवल चिकित्सकीय उद्देश्य से होगा। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने भंडारण और बिक्री अवैध रूप से नशे के तौर पर की। यह कफ सीरप सिर्फ प्रदेश तक सीमित नहीं था। इसकी तस्करी देश के कई राज्यों में की जा रही थी। पड़ोसी देश बांग्लादेश तक सप्लाई के सुबूत मिले हैं। लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन और नशीले पदार्थ के रूप में बिक्री के कारण सभी मुकदमे एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किए गए हैं। आरोपियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जीएस चतुर्वेदी, निपुन सिंह, सुशील शुक्ला और रघुवंश समेत अन्य वकीलों ने दलील दी। कहा कि याचियों के पास वैध लाइसेंस है, जो राज्य सरकार ने ही ड्रग एंड कास्मेटिक एक्ट के तहत जारी किया है। इसलिए मामले को एनडीपीएस एक्ट में नहीं डाला जा सकता।

सरकार ने अनुचित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने हर जमानत अर्जी पर अलग-अलग मेरिट के आधार पर सुनवाई शुरू कर दी है। गुरुवार को मुख्य आरोपित भोला प्रसाद की जमानत अर्जी पर सुनवाई पूरी हुई। अब सोमवार को अन्य आरोपियों की अर्जियों पर बहस होगी। कोडीन कफ सीरप मामले के आरोपितों की जमानत अर्जियों पर पहले न्यायमूर्ति कृष्णपहल की पीठ में सुनवाई चल रही थी। कुछ याचियों द्वारा निजी तौर पर न्यायमूर्ति से संपर्क करने की कोशिश की गई। इसके बाद न्यायमूर्ति ने तल्ख टिप्पणी करते हुए खुद को इस मामले की सुनवाई से अलग कर लिया। इसके बाद मुख्य न्यायमूर्ति के निर्देश पर सभी जमानत याचिकाएं न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की पीठ को नामित की गईं।

अतिक्रमण हटाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने किया पथराव हमले में 7 पुलिसकर्मी घायल, 2 गाड़ियां भी तोड़ीं

मोतिहारी, 14 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी में पुलिस बुलडोजर लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंची तो ग्रामीणों ने पुलिस पर ही हमला बोल दिया। इस घटना में 7 पुलिस कर्मी घायल हो गए और पुलिस के 2 वाहनों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस घटना के बाद मोतिहारी पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कानून तोड़ने वाले हमलावरों को जल्द से जल्द को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पुलिस ने मामले में दो हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। ये घटना फेनहारा थाना क्षेत्र के खान पिपरा गांव की है। जहां बीते दिनों अतिक्रमण हटाने के बाबजूद ग्रामीणों ने फिर से जमीन पर अतिक्रमण कर लिया था। अब दूसरी बार फेनहारा पुलिस बुलडोजर लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंची तो पुलिस और प्रशासन की टीम को देखकर गांव के लोग आक्रोशित हो गए और हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया।

इस घटना में 7 पुलिसकर्मी घायल हो गए और आक्रोशित लोगों ने दो गाड़ियों को भी तोड़ दिया। इस घटना में एक महिला पुलिसकर्मी गंभीर रुप से घायल हो गई। जिसे सीएचसी मधुबन में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि खान पिपरा गांव में प्रशासन करीब 2 महीने पहले भी अतिक्रमण हटाकर जगह को खाली करा चुका था, लेकिन दोबारा वहां अतिक्रमण करने पर फिर से अतिक्रमण हटाने फेनहारा पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंची थी। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस ने अतिक्रमण हटाने के दौरान गांव की एक महिला को धक्का मारा था।

चीन की ढाल बना भारत! ट्रंप टैरिफ से ड्रैगन को बचाने का लगा आरोप

यूएस ने 40 देशों की लिस्ट में इंडिया को भी जोड़ा

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत समेत 40 देशों पर आरोप लगाया है कि वे चीन को अमेरिकी टैरिफ से बचाने में मदद कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार समेत 40 से ज्यादा देशों पर चीन को भारी टैरिफ से बचने में मदद करने के लिए एक शैडो ट्रांस-शिपमेंट नेटवर्क चला रहे हैं।

अमेरिका ने ऐसी गतिविधियों का पता लगाने और उन पर जुर्माना लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने की योजना का ऐलान किया। भारत सरकार ने अभी तक इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे में एक सवाल यह उठ रहा है कि क्या भारत चीन की ढाल बन रहा है?

रिपोर्ट जारी कर अमेरिका ने लगाया आरोप

राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के मुख्य व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने 'द ग्रेट ट्रांसशिपमेंट स्कैम' नाम की एक रिपोर्ट जारी की। नवारो ने कहा कि यह चलन 2018 के बाद ज्यादा आम हो गया, जब ट्रंप प्रशासन ने चीन की व्यापारिक गतिविधियों को अनुचित मानते हुए उन पर पहली बार सेक्शन 301 के तहत टैरिफ लगाए थे।

अमेरिका ने कई बड़े देशों पर लगाए चीन की मदद करने के आरोप

जिन देशों को नवारो ने चीन का 'शैडो ट्रांसशिपमेंट नेटवर्क' कहा है, उनकी सूची में अमेरिका के कई सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार शामिल हैं। इनमें मेक्सिको और कनाडा से लेकर यूरोपीय संघ, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया तक शामिल हैं।इस रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में हर साल तीसरे देशों के जरिए भेजे जाने वाले गैर-कानूनी रूप से ट्रांसशिप किए गए सामान की सालाना कीमत लगभग 40 अरब डॉलर से 303 अरब डॉलर के बीच हो सकती है।नवारो ने रिपोर्ट में कहा, चीन ने इन तीसरे देशों का इस्तेमाल मामूली प्रोसेसिंग, री-लेबलिंग, री-पैकेजिंग, री-इनवॉइसिंग या रूटिंग में बदलाव के लिए करना शुरू कर दिया, जिससे ऐसा लगता था कि सामान किसी नए देश का है, जबकि असल में उसमें चीनी सामान या सामग्री का बड़ा हिस्सा वैसा ही बना रहता था।

ऐसी गतिविधियों को पकड़ने के लिए एआई का इस्तेमाल करेगा अमेरिका

अमेरिका ऐसी गतिविधियों का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करेगा। 'डिटेक्टिव बॉर्डर' शिपमेंट डेटा, रूटिंग हिस्ट्री, प्रोडक्ट क्लासिफिकेशन, ओनरशिप संबंध, प्रोडक्शन-क्षमता के इंडिकेटर, गड़बड़ी का पता लगाने वाले सिस्टम, कंप्यूटर विजन और दूसरे एनालिटिकल टूल्स को एक साथ लाकर यू .एस. कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन की मदद करेगा।

आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति पूछी जाएगी

कोविड वैक्सीन कहां लगवाई, कितने बैंक अकाउंट जैसे 40 सवाल पूछेंगे; लिस्ट जारी

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 के लिए 40 सवालों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें लोगों से एससी, एसटी या अन्य जाति के बारे में पूछा जाएगा। आजादी के बाद यह पहली बार होगा जब सभी समुदायों की जाति की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाएगी।इससे पहले 2011 की जनगणना के फॉर्म में 29 सवाल थे। इसमें जाति से जुड़ी जानकारी के लिए सिर्फ एससी/एसटी का विकल्प था। जनगणना-2027 के सवालों की लिस्ट में जाति से जुड़ा सवाल नंबर 10 पर है, जिसमें एससी/एसटी के साथ जाति शब्द भी जोड़ा गया है।

खास बात यह है कि लोगों से कोविड वैक्सीन कहां लगवाई थी, यह सवाल भी पूछा जाएगा। इसके साथ मोबाइल नंबर, आधार, वोटर आईडी और बैंक अकाउंट से जुड़े सवाल भी होंगे। जनगणना में व्यक्ति का नाम, परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्मतिथि और उम्र पूछी जाएगी। साथ ही वैवाहिक स्थिति, शादी के समय उम्र, पति या पत्नी का नाम, राष्ट्रीयता, धर्म और एससी/एसटी/जाति की जानकारी ली जाएगी। माता-पिता की जानकारी भी दर्ज होगी।

2. शिक्षा और भाषा: 5 सवालों में पढ़ाई और डिजिटल साक्षरता

इस हिस्से में दिव्यांगता, मातृभाषा और दूसरी भाषाएं, साक्षरता और डिजिटल साक्षरता की जानकारी ली जाएगी। साथ ही शैक्षणिक संस्थान में पढ़ाई की स्थिति और उच्चतम शैक्षणिक योग्यता, स्ट्रीम या विषय पूछा जाएगा।

3. रोजगार: 8 सवालों में काम और नौकरी की जानकारी

व्यक्ति ने पिछले एक साल में काम किया या नहीं, उसकी आर्थिक गतिविधि, व्यवसाय और काम का क्षेत्र पूछा जाएगा। इसके अलावा कामगार की श्रेणी, गैर-आर्थिक गतिविधि, काम की तलाश या उपलब्धता और काम की जगह तक आने-जाने की जानकारी भी ली जाएगी।

4. जन्म और माइग्रेशन: 8 सवालों में जन्मस्थान से बच्चों तक की जानकारी

इस सेक्शन में जन्म स्थान, पिछला निवास स्थान, माइग्रेशन का कारण और वहां रहने की अवधि पूछी जाएगी। स्थायी निवास का पता भी दर्ज होगा। महिलाओं से जीवित बच्चों, अब तक जन्मे बच्चों और पिछले एक साल में जन्मे बच्चों की संख्या भी पूछी जाएगी।

5. बैंक डिटेल्स और आधार नंबर: 7 सवालों में डॉक्यूमेंट्स की जानकारी

इसमें कोविड-19 वैक्सीन कहां लगवाई, कुल बैंक अकाउंट और मोबाइल नंबर पूछा जाएगा।

साथ ही आधार नंबर, वोटर आईडी, पासपोर्ट नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध है या नहीं इसकी जानकारी भी ली जाएगी।

देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी

जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। डेटा डिजिटल माध्यम से दर्ज किया जाएगा और लोगों को खुद अपनी जानकारी देने यानी सेल्फ-एन्यूमरेशन का विकल्प भी मिलेगा। जनगणना की कानूनी प्रक्रिया सेंसस एक्ट, 1948 और सेंसस रूल्स, 1990 के तहत होगी।केंद्र के मुताबिक, लोगों की दी गई व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। सेंसस एक्ट की धारा 15 के तहत इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, आरटीआई के तहत नहीं दिया जा सकता और किसी कोर्ट में सबूत के तौर पर भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जनगणना पहले 2021 में होने वाली थी। इसे कोरोना महामारी के कारण टाल दिया गया था।

शेयर बाजार में कमजोरी बरकरार

सेंसेक्स 70 अंक टूटा, निफ्टी 24400 के नीचे

मुंबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 70.71 अंक गिरकर 78,009.25 पर आ गया। वहीं, एनएसई निफ्टी भी 29.85 अंक की गिरावट के साथ 24,366.00 पर बंद हुआ रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त के साथ 95.42 (अस्थायी) के स्तर पर पहुंच गया। तेल की कीमतें 87 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर होने के बावजूद भारतीय बाजार एक सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। बाजार में व्यापक कमजोरी देखने को मिली। अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक नकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। तेल की कीमतों में स्थिरता के बावजूद बाजार एक सीमित दायरे में ही घूमता रहा। जियो फिन के शेयर में 3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। एशियन पेंट्स के शेयर भी दो फीसदी नीचे बंद हुए। निवेशकों का समग्र रुख सतर्क बना रहा। बाजार में बिकवाली का दबाव व्यापक रूप से देखा गया। यह स्थिति निवेशकों के बीच अनिश्चितता को दर्शाती है।

किन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा गिरावट आई?

धातु क्षेत्र के शेयर सबसे ज्यादा पिछड़ने वाले रहे। इसके बाद सूचना प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता वस्तुएं और सीमेंट क्षेत्र में भी कमजोरी दिखी। वित्तीय कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गई। तेल और गैस, दवा तथा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के शेयर भी नीचे आए। यह बाजार में फैली व्यापक कमजोरी को दर्शाता है।

किन क्षेत्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया?

उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं क्षेत्र ने प्रमुख रूप से बेहतर प्रदर्शन किया। इस क्षेत्र के शेयरों में मजबूती देखने को मिली। निजी बैंक और रियल्टी क्षेत्र भी अपेक्षाकृत मजबूत बने रहे। इन क्षेत्रों ने बाजार की गिरावट के बावजूद कुछ हद तक अपनी पकड़ बनाए रखी। हालांकि, समग्र बाजार का रुख नकारात्मक ही रहा।

वैश्विक बाजारों का क्या हाल रहा?

टोक्यो समय अनुसार दोपहर 12:50 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा में थोड़ा बदलाव आया। जापान का निक्केई 225 वायदा 0.7 फीसदी बढ़ा। जापान का टॉपिक्स भी 0.6 फीसदी की वृद्धि के साथ बंद हुआ। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 सूचकांक 0.9 फीसदी नीचे आया। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.9 फीसदी गिरा। शंघाई कंपोजिट में 0.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। यूरो स्टॉक्स 50 वायदा 0.3 फीसदी ऊपर रहा।

जुलाई में थोक महंगाई दर घटकर 9.78% हुई, लेकिन खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़े, सरकार ने जारी किया डेटा

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत की थोक महंगाई दर जुलाई 2026 में थोड़ी कम होकर 9.78% रही। जून में यह 9.87% थी। यानी थोक महंगाई में मामूली कमी आई है, लेकिन यह अब भी काफी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। इन आंकड़ों के लिए 2022-23 को आधार वर्ष माना गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार जुलाई में सभी वस्तुओं का थोक मूल्य सूचकांक 110.0 रहा, जबकि जून में यह 110.2 था।

किन चीजों के दाम बढ़े?

जुलाई में प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई बढ़कर 8.52% हो गई, जो जून में 7% थी। इसी तरह

विनिर्मित उत्पादों की महंगाई भी 7.48% से बढ़कर 8.29% हो गई। ईंधन और ऊर्जा की महंगाई में कमी आई। जून में यह 27.41% थी, जो जुलाई में घटकर 20.05% रह गई। हालांकि, यह अभी भी काफी ऊंचे स्तर पर है। जुलाई में प्राथमिक वस्तुओं का सूचकांक 117.2, ईंधन और ऊर्जा का 105.4 और विनिर्मित उत्पादों का 108.4 रहा।

खाने-पीने की चीजों की महंगाई बढ़ी

जुलाई में खाद्य वस्तुओं की महंगाई में बढ़ोतरी हुई। डब्ल्यूपीआई फूड इंडेक्स की महंगाई दर 6.65% रही, जबकि जून में यह 6.14% थी। जुलाई में महंगाई बढ़ाने वाली प्रमुख चीजों में पेट्रोलियम उत्पाद, खाद्य वस्तुएं, बेसिक मेटल्स, गैर-खाद्य प्राथमिक वस्तुएं, खाद्य उत्पाद, रसायन और रासायनिक उत्पाद शामिल रहे।

मई की महंगाई के आंकड़ों में भी बदलाव

सरकार ने मई 2026 के थोक महंगाई के आंकड़ों में भी संशोधन किया है। मई का डब्ल्यूपीआई पहले 109.9 रहने का अनुमान था, जिसे अब बढ़ाकर 110.1 कर दिया गया है। इसके साथ ही मई की डब्ल्यूपीआई महंगाई दर भी 9.68% से बढ़कर 9.88% कर दी गई है। सरकार के मुताबिक, मई के अंतिम आंकड़े 98.14% वेटेड रिस्पॉन्स रेट के आधार पर तैयार किए गए हैं।

पीपीआई के आंकड़ों में भी संशोधन

सरकार ने मई 2026 के आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स के आंकड़े में भी बदलाव किया है। इसका अंतिम आंकड़ा 109.9 रहा, जबकि पहले 109.6 का अनुमान था। वहीं, जुलाई 2026 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का ऑल इंडिया ट्रायल इनपुट पीपीआई 105.9 रहा। मई का अंतिम इनपुट पीपीआई भी संशोधित होकर 106.5 हो गया है, जबकि पहले इसका अनुमान 104.9 था।

नए सीजन में 2 महीने भी नहीं चलेगी चीनी?

एनएफसीएसएफ के एमडी ने की स्टॉक का आंकड़ा सार्वजनिक करने की मांग! सरकार के कड़े कदम

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। देश में चीनी का स्टॉक इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। हाल ही में चीनी की कीमतों में तेजी से उछाल भी देखने को मिला है। सरकार की ओर से घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। अब नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज के एमडी प्रकाश नाइकनावारे ने सरकार से चीनी के मौजूदा स्टॉक का खुलासा करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सीजन के अंत में यानी 30 सितंबर तक चीनी का स्टॉक करीब 35 लाख टन रह जाने की आशंका है।

नए सीजन के 2 महीने तक नहीं चलेगी चीनी

एनएफसीएसएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रकाश नाइकनावारे ने कहा कि 15 दिन के फिजिकल वेरिफिकेशन के बाद सरकार को चीनी के अनुमानित स्टॉक की जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। उन्होंने ये मांग ऐसे समय में की है जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि 30 सितंबर को मौजूदा सीजन के अंत तक चीनी का स्टॉक

घटकर लगभग 35 लाख टन रह जाएगा, जो अगले सीजन के पहले दो महीनों (अक्टूबर-नवंबर) की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

स्टॉक सीमा लागू होने से घटे चीनी के दाम

नाइकनावारे ने मीडिया को बताया कि चीनी के स्टॉक की जानकारी सभी शेयरहोल्डर्स तक पहुंच चुकी है और आवंटित कोटे से अधिक चीनी बेची जा रही है। उन्होंने इन दोनों कारकों को चीनी की बढ़ती कीमतों का कारण माना है। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि स्टॉक सीमा लागू होने के बाद थोक मूल्य लगभग 48 प्रति किलो से घटकर लगभग 46 प्रति किलो हो गया है।

ओवरसेलिंग से बढ़ी कीमतें

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीनी की कीमतों में अचानक तेजी ने बाजार के साथ-साथ सरकार की भी चिंता बढ़ा दी है। एनएफसीएसएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर के मुताबिक बाजार में चीनी की कमी की आशंका और सुपर अल नीनो के चलते गन्ने की पैदावार पर संभावित असर के साथ तय कोटे से ज्यादा बिक्र होने के कारण तेजी से कीमतें बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि चीनी की कमी को लेकर उपभोक्ताओं, मिलों, किसानों, कारोबारियों और सरकार समेत सभी पक्षों में धारणा बन गई है। तय कोटे से ज्यादा चीनी बिकने से बाजार में असंतुलन पैदा हुआ है।

56 किलो तक पहुंची थी चीनी की कीमत

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के की मानें तो पिछले एक महीने में देशभर में चीनी की औसत खुदरा कीमत में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि थोक भाव भी 7 प्रतिशत तक बढ़े हैं। इसके साथ ही दिल्ली-एनसीआर और कुछ अन्य इलाकों में कीमतों में इससे कहीं ज्यादा तेजी आई है।

माइनिंग सेक्टर में वेदांता की बड़ी जीत

मिल गई 152 हेक्टेयर की यह खदान, क्यों खास है 'पुन्नम मैंगनीज ब्लॉक'?

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। देश की दिग्गज माइनिंग और मेटल कंपनी वेदांता लिमिटेड के हाथ एक बड़ी कामयाबी लगी है। दरअसल, कंपनी ने आंध्र प्रदेश में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। स्कोटॉक एक्सचेंज को दी सूचना में कंपनी ने बताया है कि उसे आंध्र प्रदेश के 'पुन्नम मैंगनीज ब्लॉक' के लिए सफल बोलीदाता घोषित किया गया है।

वेदांता लिमिटेड की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, आंध्र प्रदेश सरकार के खान और भूविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ई-नीलामी के माध्यम से कंपनी ने यह बोली जीती है। सभी आवश्यक वैधानिक अनुपालनों को पूरा करने के बाद वेदांता को सफल घोषित किया गया।

ब्लॉक की खासियत और विस्तार

यह मैंगनीज ब्लॉक आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित है और कुल 152 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। वर्तमान में यह ब्लॉक अन्वेषण के जी4 चरण में है। इस अधिग्रहण के साथ वेदांता अपने विविध धातु और माइनिंग पोर्टफोलियो को और अधिक विस्तार देने की राह पर है।

देश और कंपनी के लिए क्यों है खास?

वेदांता का मानना है कि इस मैंगनीज ब्लॉक के अधिग्रहण से न केवल कंपनी की स्थिति मजबूत होगी, बल्कि यह भारत की बढ़ती मैंगनीज जरूरतों को पूरा करने में भी सहायक सिद्ध होगा। क्योंकि, इससे देश के भीतर संसाधनों की उपलब्धता बढ़ेगी। वर्तमान में भारत मैंगनीज के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। इस तरह के प्रोजेक्ट्स से विदेशों पर निर्भरता कम होगी। वेदांता के पास पहले से ही कई धातुओं का बड़ा पोर्टफोलियो है, जिसमें अब मैंगनीज की पकड़ और मजबूत होगी।

फॉरेक्स रिजर्व में जोरदार उछाल, 67.32 लाख करोड़ पर पहुंचा, गोल्ड रिजर्व भी बढ़ा

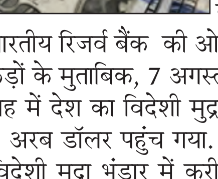

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक हफ्ते में 14.13 अरब डॉलर की बड़ी बढ़ोतरी हुई है. भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 7 अगस्त 2026 को खत्म हुए सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर करीब 707 अरब डॉलर पहुंच गया. भारतीय रुपये में देखें तो विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 1.20 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 67.32 लाख करोड़ रुपये हो गया.विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा फॉरेन करेंसी एसेट्स होता है. इसमें इस हफ्ते 9.94 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह 574.62 अरब डॉलर हो गया. इसी तरह भारत के गोल्ड रिजर्व में भी अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली. सोने का भंडार 3.99 अरब डॉलर बढ़कर 108.73 अरब डॉलर हो गया. वहीं, स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स 79 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.745 अरब डॉलर पहुंच गया. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ में भारत की रिजर्व पोजिशन भी 116 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.894 अरब डॉलर हो गई. मार्च 2026 के अंत की तुलना में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब 15.894 अरब डॉलर ज्यादा है. वहीं, पिछले एक साल में इसमें 13.384 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है. विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने के बावजूद शुक्रवार को भारतीय रुपये पर दबाव बना रहा. रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 3 पैसे मजबूत होकर 95.42 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ.

एटीएम से उड़ गए 80000, एसबीआई नहीं दे पाया सीसीटीवी फुटेज

कंज्यूमर कोर्ट का आदेश– ग्राहक को 1.30 लाख लौटाओ

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को बड़ा झटका दिया है। आयोग ने जिला कंज्यूमर फोरम के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें एसबीआई को पीड़ित ग्राहक को 1.30 लाख रुपये का भुगतान 6% ब्याज के साथ करने का निर्देश दिया गया था। साल 2018 में ग्राहक के बैंक अकाउंट से बिना अनुमति के चार बार में 80,000 रुपये की एटीएम निकासी और 50,000 रुपये का ऑनलाइन ट्रांसफर हुआ था। बैंक न तो इन लेनदेन का प्रमाण दे सका और न ही एटीएम का सीसीटीवी फुटेज पेश कर पाया।

सरकारी स्कूल में लैब असिस्टेंट के पद पर कार्यरत ग्राहक का साल 2002 से एसबीआई में बैंक अकाउंट था। 11 अक्टूबर 2018 को सैलरी आने के बाद उनके खाते में कुल 1,30,012 रुपये का बैलेंस था। 22 अक्टूबर 2018 को जब उन्होंने एटीएम से पैसे निकालने की कोशिश की, तो बैलेंस कम होने के कारण ट्रांजेक्शन फेल हो गया। जब उन्होंने पासबुक अपडेट कराई तो बैंक अकाउंट से निकले पैसों के बारे में पता चला। 12 अक्टूबर 2018 को एटीएम से 20-20 हजार रुपये करके 4 बार में कुल 80 हजार रुपये निकाले गए थे। उसी दिन किसी सोनू नाम के व्यक्ति के खाते में 40,000 रुपये और 10,000 रुपये (कुल 50,000 रुपये) ट्रांसफर किए गए थे।

पीड़ित ने 22 अक्टूबर को ही तुरंत बैंक में लिखित शिकायत दर्ज कराई और मयूर विहार फेज-I थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई। लेकिन बैंक और पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद ग्राहक ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया।राज्य उपभोक्ता आयोग ने माना कि समय पर शिकायत मिलने के बावजूद बैंक ने निष्पक्ष जांच नहीं की, जो कि सेवा में गंभीर लापरवाही है। अदालत ने एसबीआई को निर्देश दिया है कि वह पीड़ित ग्राहक को 1.30 लाख रुपये 12 अक्टूबर 2018 से अब तक 6% वार्षिक ब्याज के साथ लौटाए।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-56
सूर्यास्त 18-48
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष शनिवार 15 August 2026
तिथि - तृतीया 17-29 तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 03-25 रात्रि तक उप हस्त
योग - शिव 07-08 तक उप सिद्ध
करण - तैतिल 06-03 तक उप गर

विशेष: हरियाली तीज
स्वतंत्रता दिवस

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य	कर्क	मे	कर्क----	04-00 बजे
चंद्र	सिंह	मे	सिंह----	06-11 बजे
मंगल	मिथुन	मे	कन्या----	08-18 बजे
बुध	कर्क	मे	तुला----	10-22 बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक----	12-33 बजे
शुक्र	कन्या	मे	धनु----	14-48 बजे
शनि	मीन	मे	मकर----	16-52 बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ----	18-44 बजे
केतु	सिंह	मे	मीन----	20-21 बजे
			मेष----	21-57 बजे
			वृष----	23-41 बजे
			मिथुन----	01-44 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
09-10 से
10-45 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-01 - 07-35	अशुभ	लाभ	18-42 - 20-06	शुभ
शुभ	07-35 - 09-10	शुभ	उत्पात	20-06 - 21-31	अशुभ
रोग।।	09-10 - 10-45	अशुभ	शुभ	21-31 - 22-56	शुभ
उत्पात	10-45 - 12-21	अशुभ	अमृत	22-56 - 00-21	शुभ
चंचल.	12-21 - 13-56	शुभ	चंचल	00-21 - 01-46	शुभ
लाभ.	13-56 - 15-31	शुभ	रोग	01-46 - 03-11	अशुभ
अमृत	15-31 - 17-06	शुभ	काल	03-11 - 04-36	अशुभ
काल	17-06 - 18-42	अशु	लाभ	04-36 - 06-01	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं । अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें । पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें । आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी । इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितत्ता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
एकरसता आपको अच्छी न लगती |इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा । अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे । दोस्तों और परिवार के साथ आनंद लें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सादुलशहर में आयोजित तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

श्रीगंगानगर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को सादुलशहर में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने देशभक्ति के नारों की गूंज के बीच हाथ में तिरंगा थामकर अंबेडकर सर्किल से अरूट चौक तक तिरंगा यात्रा में भागीदारी की। इससे पहले जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा यात्राओं में नागरिकों का जोश और जुनून इस बात का प्रमाण है कि तिरंगा हमारे दिलों में बसता है। साथ ही, यह हमारे गौरव और राष्ट्रीय चेतना की विरासत और पहचान है।

जो हमें स्वतंत्रता और उससे जुड़े इतिहास को याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत आयोजित हो रही तिरंगा यात्राओं से नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना तथा राष्ट्र सेवा और राष्ट्र प्रथम के संकल्प को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि तिरंगे के साथ राजस्थान का गहरा संबंध है। आजाद भारत में फहराया गया पहला तिरंगा प्रदेश में बना था। दौसा के आलूदा गांव के बुनकरों ने उस तिरंगे के लिए खादी का कपड़ा बुना और गोविंदगढ़ में इसे रंगकर तिरंगे का रूप दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आजादी का 'अमृत महोत्सव' के अवसर पर वर्ष 2022 से प्रारंभ किया गया 'हर घर तिरंगा अभियान' जनआंदोलन बन चुका है। इस वर्ष का अभियान राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्षों पूरे होने की भावना को समर्पित है।

उन्होंने कहा कि आज का दिन विभाजन विभीषिका दिवस भी है। देश के विभाजन की त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए थे। इस घटना ने सीमावर्ती इलाकों के लोगों का जीवन हमेशा के लिए बदल दिया। जनसभा में मुख्यमंत्री ने सादुलशहर के चूनावढ़ में मिल्क चिलिंग प्लांट की घोषणा की। तिरंगा यात्रा से पहले उन्होंने सादुलशहर में ही राजकीय उप जिला चिकित्सालय के नवीन भवन का शिलान्यास किया।

माकपा का जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

वामपंथी नेताओं की धरपकड़ के खिलाफ आक्रोश

श्रीगंगानगर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आज जिले में आगमन के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा पूरे जिले में वामपंथी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं की व्यापक धरपकड़ किए जाने के खिलाफ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर अपना कड़ा आक्रोश व्यक्त किया।

माकपा के जिला सचिव वकीलसिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता दोपहर को रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पंचायती धर्मशाला से रोष जुलूस लेकर निकला। शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए जुलूस जिला कलेक्ट्रेट पहुंचा। मुख्यमंत्री की वीआईपी ड्यूटी के कारण जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकांश अधिकारी तथा कर्मचारी बाहर होने से कलेक्ट्रेट परिसर लगभग खाली था।

स्वतंत्रता दिवस से पहले राजस्थान पुलिस अलर्ट

ड्रग्स और ड्रोन तस्करी पर रखी जा रही नजर : राजीव शर्मा

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर राजस्थान में पुलिस प्रशासन ने कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में राजस्थान के डीजीपी राजीव शर्मा ने अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

डीजीपी राजीव शर्मा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार देश से ड्रग्स को खत्म करने की बात कह रहे हैं। इसी भावना के साथ राज्य सरकार और पुलिस भी हर स्तर पर नशे के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में यदि जनता का सहयोग मिलता है तो पुलिस के प्रयास और अधिक मजबूत होंगे। बैठक में विशेष रूप से सीमावर्ती इलाकों में नशे की तस्करी, हथियारों की सप्लाई और ड्रोन गतिविधियों पर निगरानी को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में नशे की तस्करी और हथियारों की सप्लाई रोकने के लिए स्थानीय नागरिकों को भी अभियान से जोड़ा गया है।

श्रीगंगानगर और बीकानेर पुलिस लगातार आम लोगों के संपर्क में है और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच सूचना के आदान-प्रदान से तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई में मदद मिल रही है। डीजीपी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान की ओर से आने वाले ड्रोन के मामलों में भी कमी आई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) लगातार निगरानी कर रहा है। इसके अलावा इंटेलिजेंस एजेंसियां, राजस्थान पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीमें भी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियों के समन्वित प्रयास और लगातार निगरानी के कारण ड्रोन के जरिए होने वाली तस्करी के मामलों में कमी देखने को मिली है। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए पुलिस की ओर से संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सांसद महोदय! अब चुनाव ड्यूटी संभालिए

ढाई साल पहले वीआरएस ले चुके रावत को निर्वाचन विभाग का फरमान

उदयपुर/जोधपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सरकारी रिकॉर्ड में डेटा अपडेट नहीं होने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उदयपुर से भाजपा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत को जोधपुर जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से चुनाव ड्यूटी से जुड़ा नोटिस भेज दिया गया। नोटिस में चुनाव संबंधी जानकारी अपडेट नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। खास बात यह है कि रावत करीब ढाई साल पहले सरकारी सेवा से वीआरएस लेकर लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं और वर्तमान में सांसद हैं।

पूरा मामला जोधपुर जिला निर्वाचन शाखा के सरकारी रिकॉर्ड से जुड़ा है। डॉ. मन्नालाल रावत अक्टूबर 2023 में जोधपुर में परिवहन विभाग में संयुक्त यातायात आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। इसके बाद उनका प्रमोशन एडिशनल कमिश्नर पद पर हुआ और उनका तबादला जयपुर कर दिया गया था। रावत ने एक मार्च 2024 को सरकारी सेवा से वीआरएस ले लिया था। इसके बाद उन्होंने भाजपा के टिकट पर उदयपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल कर सांसद बने। इसके बावजूद जोधपुर जिला निर्वाचन शाखा के रिकॉर्ड में उनका नाम सरकारी कर्मचारियों की सूची में दर्ज बताया जा रहा है।

आठ बार फेल होकर भी बन गए डॉक्टर

राजस्थान में फर्जी रैकेट का खुलासा, बिना परीक्षा पास किए कर रहे थे इलाज

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने फर्जी फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट (एफएमजी) स्क्रीनिंग परीक्षा प्रमाण पत्र के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने और मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप हासिल करने के मामले में तीन और विदेशी एमबीबीएस डिग्रीधारी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। इस फर्जीवाड़े की जांच में अब तक 100 से अधिक संदिग्धों की पहचान की जा चुकी है। राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार सहित 30 आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं।

फर्जीवाड़े के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश

पुलिस के अनुसार, भानाराम माली, शुभम गुर्जर और इंद्रराज गुर्जर फर्जी प्रमाण पत्र तैयार कराने तथा राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के लिए प्रति व्यक्ति 20 से 30 लाख रुपये वसूलते थे। इस मामले में 4 फरवरी 2026 को मामला दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि विदेश से एमबीबीएस करने वाले ऐसे लोगों के फर्जी एफएमजी स्क्रीनिंग परीक्षा प्रमाण पत्र तैयार किए गए, जो निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाए थे। इन प्रमाण पत्रों के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन और विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप कराई गई।

लाखों रुपये देकर खरीदे फर्जी दस्तावेज

गिरफ्तार आरोपियों में डीग निवासी आशीष कुमार शर्मा भी शामिल है। उसने वर्ष 2021 में कजाकिस्तान से एमबीबीएस किया था। एफएमजी स्क्रीनिंग परीक्षा तीन बार देने के बावजूद वह उत्तीर्ण नहीं हो सका। इसके बाद उसने आरोपी शुभम गुर्जर के माध्यम से 25 लाख रुपये में फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया और राजकीय मेडिकल कॉलेज, करौली से इंटर्नशिप की। आरोपी शुभम गुर्जर पहले ही गिरफ्तार होकर न्यायिक अभिरक्षा में है। दूसरे आरोपी मुरलीपुरा निवासी राजेंद्र कुमार यादव ने चीन से वर्ष 2006 से 2012 के बीच एमबीबीएस किया और वर्ष 2012 में भारत लौटा। उसने आठ बार परीक्षा दी, लेकिन सफल नहीं हुआ। इसके बाद उसने बहरोड़ निवासी संदीप के माध्यम से 29 लाख रुपये में फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर पंजीयन के लिए आवेदन किया। वर्तमान में वह अपनी डॉक्टर पत्नी के अस्पताल में प्रबंधन का काम देख रहा है।

स्कूल में 12वीं के छात्र की संदिग्ध हालात में मौत

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के झोटवाड़ा स्थित महाराणा प्रताप स्कूल में 12वीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। छात्र की मौत के बाद परिजन और अभिभावक संघ लगातार स्कूल प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगा रहे हैं। मामले को लेकर शुक्रवार शाम छात्र के परिजन और अभिभावक संघ स्कूल के बाहर कैंडल मार्च निकालेंगे और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेंगे।

पुलिस के अनुसार, बृजमंडल कॉलोनी निवासी प्रिंस सोनी कांटा चौराहा स्थित महाराणा प्रताप स्कूल में 12वीं कक्षा का छात्र था। बुधवार सुबह करीब 11 बजे लंच के समय उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह स्कूल परिसर में ही बेहोश हो गया। सूचना मिलने पर परिजन उसे नजदीकी निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर छात्र को मणिपाल अस्पताल रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

आरएएस पिंकी मीणा की दौसा में पोस्टिंग के 48 घंटे बाद ही एपीओ

यहीं से घूसकांड में गईं थी जेल

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) की अधिकारी पिंकी मीणा की दौसा में नई पोस्टिंग के महज 48 घंटे बाद ही सरकार ने उन्हें एपीओ कर दिया। कार्मिक विभाग ने गुरुवार रात इसके आदेश जारी किए। आदेश में कार्रवाई की वजह 'प्रशासनिक कारण' बताई गई है। एपीओ अवधि के दौरान पिंकी मीणा को कार्मिक विभाग में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी।

दौसा से शुरू हुआ था प्रशासनिक सफर

पिंकी मीणा 2017 बैच की आरएएस अधिकारी हैं। उनकी पहली पोस्टिंग दौसा जिले के बांदीकुई में उपखंड अधिकारी (एसडीएम) के तौर पर हुई थी। वर्ष 2021 में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जुड़े एक मामले में 10 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में एसीबी ने उनके खिलाफ कार्रवाई की थी। उन्हें गिरफ्तार किया गया था और बाद में जेल भी जाना पड़ा। रिश्वत प्रकरण के बाद पिंकी मीणा लंबे समय तक निलंबित रहीं। बाद में राजस्थान हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद सरकार ने उन्हें 21 मई को बहाल किया था।

बहाली के बाद सवाई माधोपुर, फिर दौसा में मिली पोस्टिंग

बहाली के बाद सरकार ने पिंकी मीणा को प्रशासनिक जिम्मेदारी देते हुए सवाई माधोपुर में पोस्टिंग दी थी। इसके बाद 11 अगस्त को जारी आरएएस अधिकारियों की तबादला सूची में उन्हें दौसा में सहायक कलक्टर (मुख्यालय) की जिम्मेदारी सौंपी गई। दौसा की यह पोस्टिंग इसलिए भी चर्चा में रही, क्योंकि यही जिला उनके प्रशासनिक करियर की शुरुआत का स्थान रहा है और इसी जिले में उनके खिलाफ रिश्वत का मामला सामने आया था।

पोस्टिंग को लेकर चर्चा, दो दिन बाद सरकार का फैसला

दौसा में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद पिंकी मीणा की नियुक्ति प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बन गई थी। हालांकि नियुक्ति के महज दो दिन बाद ही सरकार ने उन्हें एपीओ कर दिया। कार्मिक विभाग के आदेश में किसी विशेष प्रकरण या आरोप का उल्लेख नहीं किया गया है। इसमें केवल प्रशासनिक कारणों का हवाला दिया गया है।

अब एपीओ अवधि में पिंकी मीणा को कार्मिक विभाग में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। सरकार के इस फैसले के बाद उनकी नई पोस्टिंग को लेकर भी अटकलें तेज हो गई हैं।

अपनी जमीन पर भी पेड़ काटे तो लगेगा 1 लाख का जुर्माना!

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्य वृक्ष खेजड़ी सहित अन्य विशेष महत्व वाले पेड़ों को काटने पर अब एक साल की जेल हो सकती है। राजस्थान की भजनलाल सरकार आगामी विधानसभा सत्र में इस संबंध में बिल लाने वाली है।

बिल पारित होने के बाद जब उसे राज्यपाल की मंजूरी मिलेगी तो वह कानून का रूप ले लेगा। नया कानून लागू होने के बाद को भी व्यक्ति खेजड़ी, पीपल और बरगद जैसे पेड़ों को नहीं काट सकेंगे। अगर वे पेड़ काटने के दोषी पाए गए तो उन्हें एक साल के कारावास की सजा हो सकती है। राजस्थान में अगले सप्ताह विधानसभा सत्र शुरू होने वाला है।

'तुम किस काम के हो?' राजस्थान कांग्रेस में निकाय चुनाव से पहले फूटा 'कलह' का घड़ा, 5 नेताओं का सामूहिक इस्तीफा

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय चुनाव की सरगर्मियों तेज होने के साथ ही कांग्रेस में आपसी कलह का घड़ा फूटने लगा है। हाल ही में पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के बयान को लेकर भी काफी विवाद हुआ था। उनके बयान को पूर्व मुख्यमंत्री को ललकारने जैसे आरोप लगे थे। अब कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग में भी बड़ी फूट सामने आई है। आपसी खींचतान इतनी बढ़ गई कि अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एमडी चौपदार और अन्य पदाधिकारी आमने-सामने हो गए हैं। गुरुवार को प्रदेश स्तर के पांच पदाधिकारियों ने अपने अपने पदों से इस्तीफा भी दे दिया।

इन पदाधिकारियों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

राजस्थान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के 5 प्रदेश पदाधिकारियों हाजी मोहम्मद इकबाल काजी (प्रदेश महासचिव एवं उदयपुर देहात जिला प्रभारी), सोनू खां कायमखानी (प्रदेश सचिव एवं पाली जिला प्रभारी), मोहम्मद मुनीर लोहार (प्रदेश सचिव एवं सह प्रभारी अजमेर ग्रामीण), आरिफ मोहम्मद बिसायती (प्रदेश कोऑर्डिनेटर एवं सह प्रभारी प्रतापगढ़) और फारूक मोहम्मद मंसूरी (प्रदेश कोऑर्डिनेटर एवं सह प्रभारी अजमेर शहर) ने अपने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। सामूहिक इस्तीफा देने वाले पदाधिकारियों का आरोप है कि अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एमडी चोपदार संगठन में प्रोटोकॉल की पालना नहीं कर रहे हैं। विभाग के अन्य अहम पदों पर बैठे पदाधिकारियों को चोपदार कोई तवज्जो नहीं देते हैं।

पदाधिकारियों ने अपने सामूहिक त्यागपत्र में जिला स्तरीय कार्यक्रमों में प्रदेश पदाधिकारियों को नहीं बुलाने, बैठकों में नजरअंदाज करने, ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले पदाधिकारियों को उनके गृह क्षेत्रों में पर्याप्त तवज्जो नहीं देने और जिला कार्यकारिणी में उनकी राय को नजरअंदाज करने सहित कई आरोप लगाए हैं।

दुकान से गायब हो रहे थे काजू-बादाम और कैश

सीसीटीवी में देखा लाइव फुटेज तो अंदर दिखा चोर; जांच शुरू

अलवर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक दुकान से दो-तीन महीने में करीब 10 लाख रुपये मूल्य के काजू, बादाम और इलायची की चोरी का मामला सामने आया है। चोरों ने दुकान से दो लाख रुपये नकद और एक मोबाइल फोन भी पार कर दिया। दुकान से लगातार हो रही इस बड़ी चोरी का खुलासा पीड़ित व्यापारी द्वारा मोबाइल पर सीसीटीवी कैमरों की लाइव रिकॉर्डिंग देखने के बाद हुआ, जब उन्हें दुकान के भीतर एक संदिग्ध चोर दिखाई दिया।

लाइव फुटेज में दिखा चोर

पीड़ित दुकानदार अमित जसौरिया ने दुकान से बार-बार सामान और नकद गायब होने पर सुराग पाने के लिए काफी प्रयास किया था। जब कोई सुराग नहीं मिला तो 7 अगस्त को फिर से सामान चोरी होने के बाद उन्होंने दुकान में सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए। 10 अगस्त की रात करीब 11 बजे अमित दुकान बंद करके अपने घर पहुंचे और मोबाइल पर कैमरों की लाइव रिकॉर्डिंग चेक करने लगे। तभी उन्हें दुकान के अंदर एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आया। पीड़ित ने तुरंत पड़ोस के एक दुकानदार को फोन किया और खुद भी दुकान पर पहुंच गए। दुकानदार के पहुंचने की आहट मिलते ही चोर दुकान की छत पर गया और वहां से नीचे कूदकर भाग निकला। सीसीटीवी फुटेज में भागता हुआ संदिग्ध व्यक्ति लंगड़ाकर चलता नजर आ रहा है। पीड़ित ने आसपास पूछताछ के आधार पर पास में ही 'श्री ट्रेडर्स' फर्म में काम कर चुके पूर्व कर्मचारी टिंकू सैनी, निवासी मीणा पाड़ी, पर चोरी का संदेह जताया है। इसके साथ ही पीड़ित ने दुकान के अंदरूनी कर्मचारी की मिलीभगत की आशंका भी जताई है।

घर-घर दूध बेचने वाला निकला पेपर लीक माफियाओं का एजेंट

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। रोज सुबह आपकी चौखट पर दूध लेकर आने वाला व्यक्ति अगर किसी गैंग का एजेंट निकले तो आपका चौंकना लाजमी है। जयपुर के मानसरोवर में घर-घर जाकर दूध बेचने वाला युवक ऐसा ही शातिर निकला। काम था घर-घर जाकर दूध बेचना लेकिन वह पेपर लीक माफियाओं का एजेंट निकला। एसओजी ने 32 साल के अभिषेक खंडेलवाल जेईएन भर्ती 2020 के पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया है।

खुद बेचता था दूध, भाई बेचता था शराब

एसओजी की गिरफ्त में आया अभिषेक खंडेलवाल मूलरूप से दौसा जिले के सैंथल थाना क्षेत्र के जसोता मेसरा गांव का रहने वाला है। जयपुर में वह मानसरोवर के न्यू सांगानेर रोड स्थित राजीव विहार कॉलोनी में किराए पर रहता था। वह घर-घर जाकर दूध बेचा करता था लेकिन अभिषेक का छोटा भाई शराब ठेके का मैनेजर था। यानी एक भाई दूध बेचता था और दूसरा शराब।

दूध बेचने के दौरान आया माफियाओं के संपर्क में

एसओजी के एडीजी विशाल बंसल का

एसओजी ने दबोचकर किया बड़ा खुलासा

गिरफ्तार अभिषेक खंडेलवाल

कहना है कि जेईएन भर्ती 2020 पेपर लीक मामले का केस जनवरी 2026 में दर्ज किया गया था। इस केस में गिरफ्तार अभिषेक खंडेलवाल परीक्षा के दौरान मानसरोवर इलाके में रहता था। उसी इलाके में भीम सिंह यादव रहता था। नियमित रूप से दूध बेचने के दौरान भी अभिषेक का संपर्क भीमसिंह यादव से हुआ था। दोनों में दोस्ती हो गई थी। भीमसिंह यादव ने ही भूपेंद्र सारण के साथ मिलकर जेईएन भर्ती 2020 का पेपर लीक किया था। दोनों ने दर्जनों अभ्यर्थियों से लाखों रुपए लेकर सॉल्वड पेपर पढ़ाया था। पेपर लीक माफिया भीमसिंह ने जब अभिषेक को जेईएन भर्ती 2020 का पेपर लीक करने की बात कही तो अभिषेक भी एजेंट की भूमिका में आ गया। उसने भीमसिंह से डील करते हुए कई अभ्यर्थियों से संपर्क किया और 14-14 लाख रुपए में सॉल्वड पेपर पढ़ने का वादा किया। कई अभ्यर्थी अभिषेक के संपर्क में आए जिन्हें माफियाओं ने सॉल्वड पेपर पढ़ाया था। मानसरोवर के जिस मकान में कई अभ्यर्थियों को सॉल्वड पेपर पढ़ाया, वह मकान भी अभिषेक ने ही किराए पर लेकर उपलब्ध कराया था।

कई परीक्षाओं के पेपर लीक कर चुके माफिया

एसओजी के डीआईजी कुंदन कांवरिया ने बताया कि भीम सिंह पूर्व में शराब ठेकों पर लोडिंग और अनलोडिंग का ठेके लेता था। तब वह अभिषेक खंडेलवाल के छोटे भाई के संपर्क में आया जो कि एक शराब ठेके पर सेल्स मैनेजर था। भीम सिंह की अभिषेक और उसके भाई दोनों से दोस्ती हो गई थी। भीमसिंह और भूपेंद्र सारण कई प्रतियोगिता परीक्षाओं के पेपर लीक कर चुके हैं। वे पेपर लीक गैंग के सरगना हैं। दोनों फिलहाल जेल में है। अब दुधिया अभिषेक खंडेलवाल भी पेपर लीक मामले में जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गया है।

पेपर लीक होने के बाद रद्द हुई थी परीक्षा

जेईएन भर्ती 2020 की लिखित परीक्षा सितंबर 2021 में हुई थी। जब पेपर लीक का मामला सामने आया और व्यापक स्तर पर पेपर लीक हुआ तो सरकार ने इस भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया था। एक साल बाद नए सिरे से भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया था। पूर्व की भर्ती परीक्षा भले ही रद्द हो गई हो लेकर पेपर लीक करने वालों को एसओजी चुन चुन कर गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे भेज रही है।

राइस मिलर पर 15 करोड़ रुपये के सीएमआर डायवर्जन के लिए पीडी एक्ट लागू

मंचेरियल, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने लिंगापुर गांव में सीएमआर चावल को डायवर्ट करने के आरोप में एक राइस मिलर के खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट लागू किया। रामागुंडम के पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। हिरासत में लिए गए मिलर, लिंगापुर गांव के गम्पा संतोष कुमार पर आरोप है कि उन्होंने लगभग 15 करोड़ रुपये के चावल को डायवर्ट किया और उसे ब्लैक मार्केट में बेच दिया। उन्हें तुरंत हैदराबाद की चेरलापल्ली सेंट्रल जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि 2022-23 और 2024-25 रबी सीजन में संतोष की सह-स्वामित्व वाली रामलक्ष्मण राइस मिल इंडस्ट्रीज को 9,244 मीट्रिक टन धान सौंपा गया था। मिल ने अनिवार्य मात्रा 6,286 मीट्रिक टन के मुकाबले 1,833 मीट्रिक टन चावल वापस किया। जांच से पता चला कि संतोष ने 6,170 मीट्रिक टन धान डायवर्ट किया, जिससे सरकार को 15.14 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। संतोष पर पहले से ही 2025 और 2026 के कृषि सीजन से संबंधित सीएमआर के कथित डायवर्जन के मामले दर्ज थे। इन मामलों के बावजूद, संतोष चावल डायवर्ट करते रहे। इसके बाद, 'ब्लैक मार्केटिंग की रोकथाम और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखने का अधिनियम, 1980' की धारा 3 (1) और 3 (2) के तहत मिलर के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/28/2026, दि.13-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

1-निविदा सं.-ई-14-दक्षिण-बीजेडए-2026, कार्य विवरणःनेल्लोर -स्टेशनों का उन्नयन अर्थात् एडीइएन/एनएलआर सब-डिवीजन (एमबीएल & पीजीयु स्टेशन्स) में प्लेटफार्म्स को उंचा उठाना।
कार्य पूरा करने की अवधिः09 (नौ महिने), निविदा मूल्य रु.2,77,48,769.00, अग्रधन रु.5,55,000.00, बंद करने की तिथिः28-08-2026

2-निविदा सं.-ई-15-दक्षिण-एनएलआर-सेफ्टी-2026, कार्य विवरणःबीजेडए-जीडीआर सेक्शनः एसआर. डीइएन/दक्षिण/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एनएलआर सब-डिवीजन में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य & अन्य छिटपुट ट्रैक कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः12 (बारह महिने), निविदा मूल्य रु.3,24,96,921.00, अग्रधन रु.6,49,900.00, बंद करने की तिथिः04-09-2026

3.निविदा सं.-ई-16-दक्षिण-ओजीएल-सेफ्टी-2026, कार्य विवरणःविजयवाडा डिवीजनः बीजेडए-जीडीआर सेक्शनः एसआर. डीइएन/दक्षिण/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/ओजीएल सब-डिवीजन में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य & अन्य छिटपुट ट्रैक कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः12 (बारह महिने), निविदा मूल्य रु.4,93,45,302.00, अग्रधन रु.9,86,900.00, बंद करने की तिथिः04-09-2026

4. निविदा सं.-ई-17-दक्षिण-बीजेडए--2026, कार्य विवरणः 2 वर्ष हेतु एसआर.डीइएन/दक्षिण/बीजेडए, एसआर. डीइएन/उत्तर/बीजेडए, डीइएन/पूर्व/बीजेडए & डीइएन/मध्य/बीजेडए क्षेत्राधिकारों के तहत विभिन्न यार्ड्स पर पी एण्ड सी स्लीपर्स के एमसीआई इन्सर्ट्स की रि-कंडीशनींग करना। कार्य पूरा करने की अवधिः 24 (चौबीस महिने), निविदा मूल्य रु.6,02,76,871.00, अग्रधन रु.12,05,500.00, बंद करने की तिथिः03-09-2026

5. निविदा सं.-ई-14-मध्य-बीजेडए-2026, कार्य विवरणःविजयवाडा डिवीजनः बीजेडए सेक्शनः वर्ष 2026-27 के लिए डीइएन/मध्य/बीजेडए क्षेत्राधिकार के एडीइएन/बापट्ला सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/पी.वे/टीइएल, एसएसइ/पी.वे/एनडीओ & एसएस/पी.वे/बीपीपी सेक्शन्स में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य & अन्य छिटपुट ट्रैक कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः12 (बारह महिने), निविदा मूल्य रु.6,41,78,468.00, अग्रधन रु.12,83,600.00,

बंद करने की तिथिः28-08-2026
1-वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे कार्य की पूरी जानकारी, उपरोक्त कार्यो का समानान्तर कार्य, पात्रता मानदंड आदि उपलब्ध है।
2- भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।
3- यह निविदा सूचना, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), दक्षिण मध्य रेलवे का कार्यालय, विजयवाड़ा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है तथा विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल आफिसों में भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है।
4- रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक, (कार्य), विजयवाडा

निविदा सूचना सं. वीएसकेपी-इएलइसीटीजी-26-27-डब्ल्यूसी-11

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः वीएसकेपी-इलइसीटीजी-26-27-डब्ल्यूसी-11, कार्य विवरणः वाल्टेर डिवीजन के केटीवी-वीएसकेपी काम्प्लेक्स तथा केके लाइन के बीच मेन लाइन पर मौजूदा लिमिटेड सबवेज की रोशनाई या इल्लुमिनेशन। मात्राः निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार, कार्य पूरा करने की अवधिः 240 दिन, निविदा मूल्य रु.96,98,559.36 (रु.छियानवे लाख अट्ठानवे हजार पांचसौ उनसठ & छत्तीस पैसे मात्र), बोली सुरक्षा/ जमा की जानेवाली पूधरा या अग्रधनः रु.1,94,000.00 (रु.एक लाख चौरानवे हजार मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, प्रस्ताव या आफर की वैधताः निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकारः कार्यो हेतु जीसीसी-2022 द्वारा अधिशासित कार्य निविदा। निविदाकरण की प्रणालीः खुली निविदा-सिंगल पैकेट

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 10-09-2026 के 13.30 बजे

निविदा दस्तावेज तथा शुध्दिपत्रः वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in देखें।

पत्राचार हेतु डाक का पताः एसआर.डीईई/जी/वीएसकेपी का कार्यालय, डीआरएम आफिस बिल्डिंग, दोंडापर्थी, विशाखापत्तनम-530004, आंध्र प्रदेश

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/जी/विशाखापत्तनम

ई-निविदा सूचना सं. इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-02-2026-27, दि.11-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.03-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

1 निविदा संख्याः बी/ई.221/टीआरएस/आरसी/581 ई-टेंडर नं. इएलएस-बीजेडए-ईटीएन-02-2026-27, दि.11-08-2026, कार्य विवरणः इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज के आईओएच & टीओएच हेतु स्पेयर्स की उत्पत्ति या जनरेट करने के लिए 1000 एलपीएम इएलजीआय मेक कम्प्रेस्सर्स की मरम्मत/पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन/ओवरहालिंग करना। कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्य रु.2,11,65,398.62, अग्रधन रु.4,23,300,00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, निविदा बंद करने की तिथि & समयः 03-09-2026 के 15.00 बजे

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे कार्य की पूरी जानकारी, उपरोक्त कार्यो का समानान्तर कार्य, पात्रता मानदंड आदि उपलब्ध है।
2- भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.iॲeps.gov.in पर जाएं।
3-यह निविदा सूचना, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता का कार्यालय, ट्रैक्शन रोल्लिंग स्टाक, इलेक्ट्रिक लोको शेड तथा विजयवाड़ा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है तथा विजयवाडा पर भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है।
4- रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरएस/इएलएस/विजयवाड

निविदा सूचना संख्याः जी/ई.29/टीआर./टेंडर नोटिस/15/2026-27

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-47-2026-27, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-एचएक्स-केएनएलपी सेक्शन में मल्टिपल स्प्लाइसेज सहित पैटिनाइड कैटेनरी का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट करना। अनुमानित मूल्य रु.46,53,562.58, अग्रधन रु.93,100.00 निविदा बंद करने की तिथि & समयः 31-08-2026 के 15.00 बजे

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-53-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः — जीटीएल-डब्ल्यूडी सेक्शन में पात्रता सुधार के दृष्टिगत लूप लाइन्स & क्रासओवर्स पर ओएचइ व्यवस्था का परिवर्तन या माडिफिकेशन।
अनुमानित मूल्य रु.2,91,35,382.00, अग्रधन रु.5,82,700.00

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-54-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः -डीएचएनइ-जीटीएल-बीएवाय सेक्शन में विश्वसनीयता व सुरक्षा में सुधार करने हेतु ओएचइ/पीएसआई इनफ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन। अनुमानित मूल्य रु.1,86,52,891.50, अग्रधन रु.3,73,100.00

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-48-2026-27, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः जीटीएल डिवीजन के स्टेशन्स/एसपी/एसएसपी/टीएसएस वर्क्स पर जन सुरक्षा या पब्लिक सेफ्टी।
अनुमानित मूल्य रु.67,27,806,.16, अग्रधन रु.1,34,600.00

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-50-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल-डीएमएम-पीएके सेक्शन पर प्लेटफार्म्स के उच्च स्तर पर उठाने के स्थान पर ओएचइ परिवर्तन तथा इमामपुरम (आइएमए), गुल्लापालायमु (जीपीयु), कुराबालाकोटा (केबीए), पुरीचेर्ला (पीसीएल) व मंगलमपेटा (एमपीटी) स्टेशनों पर नया 3 एम एफओबी का प्रावधान।अनुमानित मूल्य रु.1,04,68,866,.50, अग्रधन रु.2,09,400.00

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-51-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः डीएचएनइ-जीटीएल-बीएवाय सेक्शन पर प्लेटफार्म्स के उच्च स्तर पर उठाने के स्थान पर ओएचइ परिवर्तन तथा गुंटकल (जीटीएल), बेवीनहलु (बीएनएल) व लिंगानेनीडोड्डी (एलएमडी) स्टेशनों पर नया 3 एम एफओबी का प्रावधान।
अनुमानित मूल्य रु.1,15,59,455,.62, अग्रधन रु.2,31,200.00

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-52-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः जीवाय-आरयु सेक्शन पर प्लेटफार्म्स के उच्च स्तर पर उठाने के स्थान पर ओएचइ परिवर्तन तथा रायलचेरुवु (आऱएलओ), जुटुरु (जेयुआर), कलामल्ला (केएमएच), ओबुलावारीपल्ली (ओबीवीपी), नंदलूर (एनआरई), पुल्लमपेट (पीएमटी) व हस्तावरम (एचएक्यू) स्टेशनों पर नया 3 एम एफओबी का प्रावधान।
अनुमानित मूल्य रु.1,26,23,873.70, अग्रधन रु.2,52,500.00
निविदा बंद करने की तिथि & समयः 02-09-2026 के 15.00 बजे

टिप्पणीः निविदाकार निविदा दस्तावेज को वेबसाइटः www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।
निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

निविदा सं. जीटीएल-ईएम-01 व 22-2026-26, दि.11-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः जीटीएल-इएम-01-26-27, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः एडी, डीएचएनइ, जीवाय, एचएक्स,एनआरइ, पीएके व आरयु सेक्शंस पर सर्विस बिल्डिंग्स, स्टेशन बिल्डिंग्स व स्टाफ क्वार्टर्स के लिए स्मार्ट मीटर्स का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.74,07,533.00

निविदा बंद करने की तिथि & समयः 03-09-2026 के 15.00 बजे
2- निविदा संख्याः जीटीएल-इएम-22-26-27, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः ऊर्जा या पावर आपूर्ति विश्वसनीयता के सुधार हेतु एडी, डीएचएनइ, डीएमएम, जीवाय, एचएक्स, एनआरइ, पीएके तथा आरयु आऱसी सेक्शंस पर एलटीयुजी केबुल्स कवरिंग सर्विस बिल्डिंग्स/कालोनियों सहित ओएच लाइन का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना। अनुमानित मूल्य रु.7,98,65,848.94

निविदा बंद करने की तिथि & समयः 03-09-2026 के 15.00 बजे
निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।
टिप्पणीः ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/एम/गुंटकल

SCoR-A201

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://www.iॲeps.gov.in या www.scor.indianrailways.gov.in देखें।

निजामाबाद में महेश बैंक की शाखा प्रारम्भ करने के संदर्भ में संवाद बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आन्ध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि. द्वारा सत्र 2026-27 में पाँच शाखा खोलने का विचार है। उसी सन्दर्भ में बैंक के चेयरमैन सीए मुरलीमनोहर पलोड, निदेशकगण देवेन्द्र झँवर, पवन लोहिया, सीए अल्का झँवर, डीजीएम अजीत वर्मा, अमरनाथ ने निजामाबाद का दौरा किया। बैंक के प्रतिनिधि मण्डल ने निजामाबाद में शाखा प्रारम्भ करने के लिए कई स्थलों का निरीक्षण किया। अतिशीघ्र शाखा के लिए स्थान निश्चित कर शाखा को दशहरा तक प्रारम्भ करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

निजामाबाद में शाखा प्रारम्भ करने के संदर्भ में निजामाबाद स्थित माहेश्वरी भवन में क्षेत्रीय बन्धुओं के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बैंक की ओर से चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड, निदेशक मण्डल के सदस्य देवेन्द्र झँवर, पवन लोहिया, सीए अल्का झँवर सहित बैंक के स्टेट्स विभाग के डीजीएम अजीत वर्मा एवं अमरनाथ ने भाग लिया।

बैठक में माहेश्वरी समाज चैरीटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कुंजबिहारी मून्दड़ा, मैनेजिंग ट्रस्टी ओमनारायण अट्टल, कोषाध्यक्ष रामकिशोर जाजू, चैम्बर्स ऑफ कामर्स के अध्यक्ष राजाजी, मंत्री श्रीनिवास, राइस मिलर्स असोसिएशन के उपाध्यक्ष लाभशेट्टी श्रीनिवास, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष बालकिशन बंग, मर्चेन्ट्स असोसिएशन के अध्यक्ष कमल इन्नाणी, रामदेव सेवा संस्था के केसर सिंह राजपुरोहित व रघुनाथ जालोरी, अग्रवाल समाज से सुशील केडिया उपस्थित थे।

बैठक को सम्बोधित करते हुए सीए मुरलीमनोहर पलोड ने सभी समाज बन्धुओं, व्यापारी वर्ग, चैम्बर्स ऑफ कामर्स, राइस मिल्लर्स असोसिएशन, मर्चेन्ट्स असोसिएशन के सभी सदस्यों से बैंक को समर्थन व सहयोग प्रदान करने की अपील की। उन्होंने बताया की बैंक का कुल नेट वर्थ 486 करोड़ रुपये है और बैंक का सकल व्यापार 3150 करोड़ का है। बैंक निरन्तर लाभ कमा रही है और अपने अंशधारकों को निरंतर डिवीडेंड भी दे रही है।

तिरंगा का सम्मान केवल उत्सवों तक सीमित न रखें : स्वच्छता कर्मचारी

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद राष्ट्रीय ध्वज को सड़कों, नालियों या कूड़ेदानों में न फेंकने की भावुक अपील की है। हाथों में तख्तियां लिए कर्मचारियों ने भारत के ध्वज संहिता के अनुसार तिरंगे का सम्मानपूर्वक उपयोग करने और उसका निपटान करने का आह्वान किया।

असम बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दवाइयों का संग्रह

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भरोसा मंच के अध्यक्ष एवं हैदराबाद के जामबाग डिवीजन के पूर्व कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल के नेतृत्व में हैदराबाद में असम के बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए दवाइयों के दान एवं संग्रह अभियान का आयोजन किया गया। इस मानवीय अभियान में राजू यादव, विनोद यादव, महेश यादव, अनिल यादव, शंकर कुबेर, अमित, बाबन्ना, सुरेश एवं शरद ने सहयोगी के रूप में सक्रिय सहभागिता निभाई। संग्रहित दवाइयां असम के बाढ़ प्रभावित लोगों तक भेजी जाएंगी, ताकि जरूरतमंद लोगों को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

पत्रकार की पहचान का दुरुपयोग कर महिला को धमकाने और वसूली का आरोप

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेहदीपट्टनम पुलिस ने पत्रकार की पहचान का कथित रूप से दुरुपयोग कर एक महिला को धमकाने, डराने और उसके साथ मारपीट करने के आरोप में 32 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान आरिफ हुसैन के रूप में हुई है, जो एक समाचार यूट्यूब चैनल से जुड़ा पत्रकार बताया गया है। पुलिस के मुताबिक, 31 वर्षीय महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि हुसैन ने अपनी पत्रकार की पहचान का दुरुपयोग करते हुए महिला को धमकाया और उसके मन में भय पैदा किया। इसके बाद उसके साथ कथित रूप से मारपीट भी की। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2)(एम) और 123 तथा बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम की धारा 7 और 8 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मेहदीपट्टनम के पुलिस निरीक्षक एस. मल्लेश ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा आधिकारिक या पेशेवर पद अथवा पहचान का दुरुपयोग कर धमकाए जाने पर भयभीत न हों। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं की जानकारी तत्काल पुलिस को दें और आपात स्थिति में 112 पर संपर्क करें।

फसल में पानी देते समय पिता-पुत्र की करंट लगने से मौत

जयशंकर भूपालपल्ली, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार शाम कोंडापेट गाँव में धान की फसल में पानी देते समय एक व्यक्ति और उसके बेटे को करंट लग गया। यह घटना शुक्रवार को सामने आई।

पुलिस ने बताया कि खेत के कुएँ पर मोटर चालू करने की कोशिश करते समय जीवित तार (लाइव वायर) के संपर्क में आने से बापू (48) और उनके बेटे मनोज (23) की मौके पर ही मौत हो गई। आगे की जानकारी का इंतज़ार है।

विदेश में नौकरी का झांसा देकर भाई-बहन को ठगने के आरोप में तीन गिरफ्तार

आदिलाबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विदेश में नौकरी दिलाने का वादा करके एक महिला और एक पुरुष को ठगने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को पत्रकारों को जानकारी देते हुए आदिलाबाद के डीएसपी एल. जीवन रेड्डी ने बताया कि मोहम्मद ख्वाजा मोइनुद्दीन, गोरेमिया और बाले श्रीनिवास ने आदिलाबाद शहर की रहने वाली महिला और उसके भाई से 3 लाख रुपये लिए थे। एक आरोपी, शेख यास्मीन, अभी भी फरार है।

तीनों ने कथित तौर पर नौकरी चाहने वाले इन दो लोगों से 7 लाख रुपये की मांग करने के बाद 3 लाख रुपये लेने की बात कबूल की। उन्होंने बताया कि नौकरी न दिला पाने के बाद उन्होंने प्रॉमिसरी नोट और खाली चेक दिए थे। जब पीड़ितों को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है, तो वे पुलिस के पास पहुंचे।

स्वतंत्रता दिवस और गुरुदेव के नगर आगमन हेतु विशेष बैठक

हैदराबाद, 14 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के सत्संग व मीडिया प्रभारी राजकुमार दायमा द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ती के अनुसार विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में 15 अगस्त को सुबह 10:30 बजे अमृतधाम आश्रम के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस आयोजित किया गया है। मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव में राष्ट्रीय गान के साथ-साथ वंदेमातरम का सामूहिक गायन किया जाएगा। समस्त गुरूभक्तो के लिए अल्पाहार प्रसाद की व्यवस्था मिशन द्वारा की गई है। बहुत ही जल्द गुरुदेव का 4 दिवसीय विराट-भक्ति-सत्संग हेतु भाग्यनगर में आएंगे। एक विशेष आवश्यक बैठक मिशन के केंद्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड की अध्यक्षता में अमृतधाम आश्रम में आयोजित की जाएगी। समस्त सत्संग धर्म प्रेमी,गुरूभक्त,दीक्षित भाई-बहन सहपरीवार ईष्ट मित्रो सहित समयानुसार पधार कर महोत्सव का लाभ उठाने की अपील हैदराबाद मंडल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल ने की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

सिंधु जल संधि ...

विरासत और विकास के समन्वय को प्राथमिकता दी है, तथा विकास में बाधक दशकों पुराने अनेक अवरोधों को दूर किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाने में सफलता मिली है। विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश की योजना प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत लगभग 59 करोड़ खाताधारक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ चुके हैं। उनमें 32 करोड़ से अधिक महिला खाताधारक शामिल हैं।

80 करोड़ लोगों के लिए निशुल्क राशन की व्यवस्था द्वारा उनकी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के तहत 60 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए तक की निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- आर्थिक सहयोग बढ़ाने तथा पारस्परिक सम्बन्धों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए, हमने अनेक देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स किए हैं। ग्लोबल साउथ के देशों में हम अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। विश्व पटल पर हमारे देश का सम्मान बढ़ा है।

हमें यह सुनिश्चित करना है कि हमारे किसी भी कार्य से, आने वाली पीढ़ियों द्वारा इस अधिकार के प्रयोग में तनिक भी कमी न हो। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम उनको और अधिक समृद्ध प्राकृतिक संपदाएं प्रदान करें। पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी आस्था हमारी परंपरा का हिस्सा है।

राष्ट्रपति भवन में होने वाले एट होम रिसेप्शन का आयोजन अमृत उद्यान परिसर में होगा। इवेंट में करीब 650 मेहमानों को बुलाया गया है। इसमें से 100 वीवीआईपी गेस्ट होंगे।

इस बार खास क्या है: इस साल के आयोजन में चार राज्यों महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विरासत को प्रमुखता दी गई है। थीम में संस्कृति, समुदाय और प्रकृति के बीच संबंध और पर्यावरण संरक्षण पर जोर है।

'भारत की सहनशीलता ...

भारत जोखिम उठा सकता है, भारत कड़ा प्रहार कर सकता है, चाहे नतीजे कुछ भी हों। डिस्कवरी ने एक बयान में कहा कि दो हिस्सों वाली यह डॉक्यूमेंट्री सीरीज ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े फैसलों और घटनाक्रम को सामने लाने के लिए भारत के सैन्य और राष्ट्रीय सुरक्षा नेतृत्व को एक साथ लेकर आती है। इसमें उन लोगों के प्रत्यक्ष अनुभव भी शामिल हैं, जिन्होंने भारत की जवाबी कार्रवाई की निगरानी की थी। डिस्कवरी के मुताबिक, शो में अजीत डोभाल सैन्य जवाबी कार्रवाई के पीछे लिए गए फैसलों और उसे अंजाम देने के संकल्प के बारे में विस्तार से बताएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर पिछले साल 7 मई की सुबह शुरू किया गया था। इसका मकसद 22 अप्रैल को हुए घातक पहलगाम आतंकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई करना था। इसके तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए।

बाद में पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले किए। भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई भी ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा रही। परमाणु हथियार रखने वाले इन दोनों पड़ोसी देशों के बीच करीब 88 घंटे तक सैन्य टकराव चला। 10 मई की शाम दोनों पक्षों के बीच समझौता होने के बाद यह सैन्य कार्रवाई रुक गई।

भारत आज 600वां टेस्ट खेलेगा

गिल बोले-वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए 7 टेस्ट जीतने होंगे

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारत 15 अगस्त से अपना 600वां टेस्ट मैच खेलेगा। यह मैच श्रीलंका के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में सुबह 10 बजे से खेला जाएगा। अगर इंडिया इस मुकाबले को जीत लेता है, तो सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने के मामले में वेस्टइंडीज की बराबरी कर लेगा।

इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ 48% मैच जीते

भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ 46 मैच खेले हैं। इनमें से 22 में जीत मिली है, जोकि 48% है। 7 में हार झेलनी पड़ी है। 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंकाई पिचों में भारत की जीत का रिकॉर्ड 38% है। टीम ने श्रीलंकाई में 24 मैच खेले हैं। उसे 9 में जीत और 7 में हार मिली है। 8 मैच ड्रॉ रहे हैं।

भारतीय बैटर्स के सामने सबसे बड़ा चैलेंज स्पिन ट्रैक पर बल्लेबाजी होगा। उसने ग्रासी पिच पर वॉर्मअप मैच खेला है, जबकि गॉल की पिच स्पिन फ्रेंडली बताई जा रही है। भारतीय बल्लेबाज 2021 के बाद से स्पिनर्स के खिलाफ स्ट्रगल कर रहे हैं। टीम चोटों से जूझ रही है। जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर, साई सुदर्शन और हर्षित राणा जैसे रेग्युलर प्लेयर्स चोटिल हैं। सारांश जैन और गुरनूर बरार जैसे नए प्लेयर्स को मौका मिला है। कप्तान शुभमन गिल सहित 12 खिलाड़ियों ने श्रीलंका में एक भी टेस्ट नहीं खेला है। केवल 4 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनके पास श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है। सरफराज खानः 2 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। चेतेश्वर पुजारा के बाद नंबर-3 का बल्लेबाज अब तक नहीं मिला है। ऐसे में सरफराज के प्रदर्शन पर नजरें होंगी।

मोहम्मद सिराजः चोटिल बुमराह इस दौरे का हिस्सा नहीं है। ऐसे में सिराज पेस बॉलिंग अटैक को लीड करेंगे।

सारांश जैनः ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते हैं। वॉशिंगटन सुंदर का रोल निभाना होगा। अश्विन के बाद टीम को स्पेशलिस्ट स्पिनर की तलाश है। हालांकि, सुंदर टीम के रेग्युलर मेंबर हैं।

गॉल में 68% विकेट स्पिनर्स ने झटके

गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच ट्रेडिशनली स्पिन गेंदबाजों की मददगार पिच मानी जाती है। इस मैदान पर 49 मैच खेले गए हैं। इनमें 68% विकेट स्पिनर्स के नाम रहे हैं। 26 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीम ने जीते हैं, जबकि 16 मैच पहले बॉलिंग करने वाली टीम ने जीते हैं। गॉल टेस्ट में मौसम भी चुनौती बन सकता है। पूर्वानुमान के मुताबिक मैच के पांचों दिन बारिश की संभावना है। पहले दिन बारिश की संभावना 82% बताई गई है

गिल बोले- 600वें टेस्ट में कप्तानी करना सम्मान की बात

कप्तान शुभमन गिल ने मैच से पहले कहा- '600वें टेस्ट में टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में वापसी के लिए भारत को करीब 6-7 टेस्ट जीतने की जरूरत है।' गिल ने कहा- प्लेयर्स के लिए अलग-अलग परिस्थितियों में तुरंत ढलना आसान नहीं होता।

मेरा आखिरी विश्व कप हो सकता है : मनप्रीत सिंह

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है। मनप्रीत ने कहा कि वह विश्व कप को जीतकर इसे यादगार बनाना चाहते हैं। मनप्रीत ने जियोस्टार पर कहा, यह विश्व कप मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह मेरा चौथा विश्व कप है।

हमने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं, लेकिन विश्व कप पदक अभी भी बाकी है। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि दोनों हों। मेरे लिए, यह मेरा आखिरी विश्व कप हो सकता है, इसलिए मैं इसी सोच के साथ इसे खेल रहा हूं। मैंने वह हासिल करने का पक्का इरादा कर लिया है जो हमने अभी तक नहीं किया है। उन्होंने कहा, टीम के पास आगे बढ़ने के लिए अनुभव और प्रतिभा है। हमने अच्छी तैयारी की है, और भरोसा बहुत है। भारतीय खेल हर जगह आगे बढ़ रहे हैं। हॉकी भी अलग नहीं है।

बीसीसीआई में पहली बार बनेगा डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद

> वीवीएस लक्ष्मण को मिल सकती है जिम्मेदारी

गंभीर-अगरकर 2027 वर्ल्डकप तक बने रहेंगे

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट के पूरे सिस्टम को एक साथ जोड़ने की तैयारी में है। बोर्ड पहली बार डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद बनाने जा रहा है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट 2 साल बढ़ाने की तैयारी है। नई भूमिका में लक्ष्मण जूनियर क्रिकेट से लेकर सीनियर टीम तक के बीच तालमेल देखेंगे। खिलाड़ियों के रिहैब, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की नियुक्ति के साथ मेन्स और विमेंस क्रिकेट की निगरानी भी करेंगे।

एक पद से जुड़ेगा पूरा क्रिकेट सिस्टम

बीसीसीआई में अभी सीनियर टीम, चयन समिति, सीओई और एज-ग्रुप क्रिकेट अलग-अलग स्तर पर काम करते हैं। डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद इन सभी के बीच तालमेल बनाने के लिए होगा। लक्ष्मण की जिम्मेदारी टैलेंट की पहचान से लेकर उसे सीनियर टीम तक तैयार करने की प्रक्रिया देखने की होगी। वे अलग-अलग स्तर के कोच और सपोर्ट स्टाफ के काम में भी तालमेल बनाएंगे।

गंभीर-अगरकर की भूमिका वही रहेगी

नई व्यवस्था में गौतम गंभीर हेड कोच और अजीत अगरकर मुख्य चयनकर्ता बने रहेंगे। दोनों की मौजूदा जिम्मेदारियों में बदलाव नहीं होगा। 2027 वर्ल्ड कप तक इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। अगरकर का मौजूदा कार्यकाल सितंबर में खत्म होना है। गौतम गंभीर के कोचिंग भविष्य को लेकर भी हाल के महीनों में चर्चा हुई है। खासकर टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया के प्रदर्शन और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में स्थिति को लेकर सवाल उठे हैं। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज को गंभीर के रेड-बॉल क्रिकेट के भविष्य के लिहाज से अहम माना जा रहा है। लक्ष्मण अब तक सीओई में जूनियर भारतीय टीमों, खिलाड़ियों के रिहैब और टैलेंट डेवलपमेंट से जुड़े काम देखते रहे हैं।

सेना के पदक विजेता खिलाड़ियों से सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने की मुलाकात

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शामिल हुए भारतीय सेना के खिलाड़ियों से शुक्रवार को सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने मुलाकात की। उन्होंने पदक विजेता खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। ग्लासगो में सेना के 15 खिलाड़ियों ने कुल 16 पदक जीते थे। इनमें 8 स्वर्ण, 7 रजत और 1 कांस्य पदक शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, पैरा-एथलेटिक्स, जूडो और भारोत्तोलन में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। ग्लासगो 2026 में भारत ने कुल 39 पदक जीते, जिनमें से 16 पदक भारतीय सेना के खिलाड़ियों ने अपने नाम किए। मुक्केबाजी में सेना के खिलाड़ियों का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा। उन्होंने अकेले मुक्केबाजी में 6 स्वर्ण और 2 रजत पदक जीते। खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने उनके समर्पण, अनुशासन और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेलों में उत्कृष्टता हासिल करना भारतीय सेना की कार्य संस्कृति और मूल भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मिचेल स्टार्क ने तोड़ा कपिल देव का रिकॉर्ड

डार्विन, 14 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट मैच मरारा क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। टेस्ट के दूसरे दिन मिचेल स्टार्क अपनी लय से जूझते नजर आए और उनकी झोली में सिर्फ एक विकेट आया।

हालांकि, स्टार्क ने लिटन दास को आउट करने के साथ ही कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में स्टार्क कपिल देव से आगे निकल गए हैं। स्टार्क के नाम अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 435 विकेट दर्ज हो गए हैं। वहीं, कपिल देव ने टेस्ट क्रिकेट में कुल 434 विकेट चटकाए हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर आ गए हैं। टेस्ट के पहले दिन स्टार्क ने शादमान इस्लाम को आउट करने के साथ ही कपिल देव के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन चुके हैं। उन्होंने इस मामले में गुरुवार को श्रीलंका के पूर्व गेंदबाज रंगना हेराथ को पीछे छोड़ा था।

51 साल का सूखा खत्म करने उतरेगा भारत

वेल्स के खिलाफ विश्व कप अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। लगातार दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को वेल्स के खिलाफ विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम की नजरें 51 साल से चले आ रहे विश्व कप पदक के सूखे को खत्म करने पर हैं। भारत की कोशिश होगी कि टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत कर देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस का तोहफा दिया जाए।

भारत ने 1975 में कुआलालंपुर में पाकिस्तान को हराकर अपना एकमात्र विश्व कप खिताब जीता था। इससे पहले टीम ने 1971 में कांस्य और 1973 में रजत पदक हासिल किया था। हालांकि, इसके बाद पिछले 51 वर्षों में भारतीय टीम विश्व कप के पोडियम तक नहीं पहुंच सकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम के पास इस बार पदक जीतने का मजबूत मौका है। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर मौजूद भारत के पूल में उससे ऊपर सिर्फ तीसरे नंबर की इंग्लैंड टीम है। पाकिस्तान 12वें और वेल्स 15वें स्थान पर है। टूर्नामेंट के नए प्रारूप में प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी। दूसरे चरण में आठ टीमों को चार-चार के दो समूहों में बांटा जाएगा। यहां प्रत्येक टीम दूसरे पूल से आने वाली टीमों के खिलाफ खेलेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.